शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि यह घटना दोबारा न हो: गृह मंत्री जी परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 27 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-239

राहुल के दलित, आदिवासी और ओबीसी प्रेम की घृणित असलियत

कांग्रेस के वहशी चेहरे पर मक्कारी का नकाब!

शुभ-लाभ सरोकार

राहुल गांधी आजकल बात-बात में जातिगत जनगणना की मांग करते हैं। बार-बार कहते हैं कि 90 प्रतिशत जनसंख्या को व्यवस्था से बाहर रखा गया है। कहते हैं कि दलितों और जनजातीय समाज का मोदी सरकार में उत्पीड़न हो रहा है। कभी ये पूछते हैं कि केंद्रीय सचिवों में कितने ओबीसी हैं, तो कभी इसी आड़ में मन में छिपी मुस्लिमों वाली बात भी निकल आती है। लेकिन, कांग्रेस पार्टी का असली चरित्र कुछ और है। लिहाजा, यह जानना जरूरी है कि एससी, एसटी और ओबीसी के साथ कांग्रेस पार्टी का असलियत में व्यवहार कैसा रहा है। सबसे पहले बात करते हैं कांग्रेस के ओबीसी प्रेम की, इसके लिए हम चलते हैं मध्य प्रदेश के छतरपुर। छतरपुर में हाल ही में दंगे भड़क गए था। उसका बहाना बनाया गया महाराष्ट्र में महंत रामगिरी महाराज के बयान को। महंत रामगिरी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर नाराजगी और दुख जताया तो कट्टरपंथी मुसलमानों को यह भी रास नहीं आया। बस, महंत के खिलाफ ईश-निंदा का आरोप लगा कर उनके खिलाफ सिर तन से जुदा करने का फरमान जारी हो गया। इतने पर मन नहीं भरा तो पहले महाराष्ट्र के नासिक और छत्रपति संभाजी नगर में दंगे कराए गए, बाद में मध्य प्रदेश में भी मौलाना इरफ़ान चिश्ती ने विरोध प्रदर्शन और हिंसा के लिए मुसलमानों को उकसाया।

इसमें मुख्य रोल रहा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष हाजी शहजाद अली का, जिसके नेतृत्व में इस्लामी भीड़ ने पुलिस पर पत्थरबाजी की और जम कर हिंसा की। प्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की सरकार चल रही है, ऐसे में दंगाई नेता के आलीशान घर पर बुलडोजर चला। हाजी शहजाद अली के बारे में पता चला कि कभी ठेला लगा कर पुराने कपड़े बेचता था, आज अरबपति बना बैठा है। उसके भाई पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह खुद की शरिया अदालत लगाता था। हाजी शहजाद अली ने 20 करोड़ रुपए की जो हवेली बनाई, वह कुशवाहा परिवार की जमीन हड़प कर बनाई गई थी। जिला प्रशासन के पास इसकी जांच भी लंबित है। आरोप है कि उसने डर और अपना रुतबा दिखा कर यह जमीन हड़प ली थी। शहजाद के दुबई कनेक्शन की जांच हो रही है। उत्तर प्रदेश में कोइरी वर्ग में आने वाले काछी, कुशवाहा, शाक्य और मौर्य ओबीसी वर्ग में आते हैं। कांग्रेस के एक मुस्लिम नेता ने ओबीसी समाज की जमीन हड़प हवेली खड़ी कर ली और कहीं कोई चर्चा नहीं? विरोध करने के बजाय कांग्रेस नेताओं ने उस कट्टर असामाजिक नेता का समर्थन किया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाजी शहजाद अली का अवैध घर ध्वस्त किए जाने को अमानवीय और ▶10पर

पवित्र स्थल को ऐसे बना दिया कब्रिस्तान

झारखंड के जामताड़ा जिले में आदिवासियों के पवित्र स्थल पर मुसलमानों ने अपना कब्रिस्तान घोषित कर दिया। आदिवासी समाज से आने वाले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सत्ता लोभ में अपने आदिवासी समुदाय का साथ देने के बजाय अतिक्रमणकारी कट्टरपंथी मुसलमानों का साथ दिया। आदिवासियों की वह जगह पुरातन पतित नाम से जानी जाती है। जनजातीय लोगों की यह धार्मिक जमीन है, जहां उनके धार्मिक अनुष्ठान वगैरह होते रहे हैं। यह प्रशासन और सरकार भी जानती है। लेकिन मुस्लिम समुदाय के लोगों इसे अपना कब्रिस्तान घोषित कर दिया। जामताड़ा के नारायणपुर थाना क्षेत्र में आने वाले पावन पतित नाम की जगह पर मुसलमानों ने शनिवार 24 अगस्त को इसी क्षेत्र के शहरपुर पंचायत में रहने वाले गांव पीठुआडीह के रहमतुल्लाह की ▶10पर

अब अगली बारी, लद्दाख में चुनाव की तैयारी

लद्दाख में 5 नए जिले बनाने की घोषणा

- लोगों के करीब आएंगी सरकारी सेवाएं, लाभ और अवसर: पीएम
- विधानसभा चुनाव कराने और पूर्ण राज्य बनाने के भावी संकेत

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में केंद्र सरकार ने पांच नए जिलों का गठन करने का ऐलान किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत सरकार के इस निर्णय की घोषणा करते हुए बताया कि लद्दाख में जांस्कार, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग मिला कर पांच नए जिलों का गठन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख के लोगों को बधाई देते हुए कहा है कि लद्दाख में पांच नए जिलों के निर्माण से गवर्नेंस को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। जांस्कार, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग पर अब ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। इससे सेवाओं, योजनाओं का लाभ और अवसरों को लद्दाख के लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। लद्दाख में इस समय दो जिले लेह और करगिल हैं। पांच नए जिलों के साथ ही लद्दाख में अब सात जिले हो जाएंगे। लेह में छह सब डिवीजन हैं, जबकि करगिल में चार डिवीजन हैं। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में केंद्र सरकार ने पांच नए जिले बनाने की घोषणा जम्मू कश्मीर में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के अहम वक्त पर की है। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की लगातार मांगें हो रही हैं। लद्दाख के लोग भी राज्य का दर्जा प्राप्त होने के साथ ही विधानसभा चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। ▶10पर

जिलों के गठन की अहम घोषणा के हैं अहम मायने

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

लद्दाख में पांच नए जिले जास्कर, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग बनाए जाने की अहम घोषणा के अहम मायने हैं। 2019 में जम्मू-कश्मीर से अलग होकर गठित लद्दाख में पहले से करगिल और लेह दो ही जिले थे। नए पांच जिलों समेत कुल सात जिले होने के बाद लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और वहां भी विधानसभा चुनाव करा कर बाकायदा लोकतांत्रिक सरकार बनाने की कार्रवाई हो सकती है। इसका अंदाजा लग रहा है। ▶10पर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024

44 भाजपा उम्मीदवारों की लिस्ट जारी होते ही वापस

विरोध के बाद सोलह उम्मीदवारों के नाम घोषित

बाकी उम्मीदवारों की सूची बाद में जारी करेगी भाजपा

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने पहली लिस्ट जारी कर दी थी। लेकिन कुछ देर बाद ही पार्टी ने इसे वापस ले लिया। अब भाजपा ने फिर से नई लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 16 उम्मीदवारों के नाम हैं। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। पहले चरण के लिए भाजपा ने 16 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। पाम्पोर से सैयद शौकत गयूर अंद्राबी, अनंतनाग से सैयद वजाहत, ▶10पर

40 स्टार प्रचारकों में पीएम मोदी और सीएम योगी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपने 40 स्टार कैंपेनर की सूची सोमवार को जारी कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार की कमान संभालेंगे।

सूची में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम प्रमुख रूप से शामिल है। ▶10पर

यूपीएस लागू करने वाला पहला राज्य बना महाराष्ट्र

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली एनडीए सरकार ने राज्य कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) लागू कर दी है। महाराष्ट्र, केंद्र की मोदी सरकार के बाद इसे लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। महाराष्ट्र के राज्य कर्मचारी अब अपनी सेवानिवृत्ति के लिए यूपीएस चुन सकेंगे।

महाराष्ट्र सरकार ने ऐलान किया कि वह यूपीएस लागू कर रही है। रविवार को ही इसे महाराष्ट्र कैबिनेट की मंजूरी भी मिल गई। अब महाराष्ट्र सरकार के लिए काम करने वाले राज्य कर्मचारी यूपीएस या फिर न्यू पेंशन स्कीम, दोनों में से एक का चुनाव कर सकेंगे। न्यू पेंशन स्कीम को 2004 में सरकारी कर्मचारियों के लिए लाया गया था। ▶10पर

कोलकाता में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला

मेडिकल छात्रा पर टीएमसी में आने का दबाव

कोलकाता, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

कोलकाता रेप केस का मामला अभी भी नहीं सुलझा है, बावजूद इसके ममता सरकार पर लगातार एक के बाद एक आरोप लग रहे हैं। इसी क्रम में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी पर संगीन आरोप लगे हैं।

बात नहीं मानी तो परीक्षा में फेल करने की धमकी

कोलकाता के दूसरे मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा ने गंभीर आरोप लगाया है कि उस पर टीएमसी ज्वाइन करने के लिए धमकाया जा रहा है।

मेडिकल छात्रा ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि उसे धमकाया गया है कि अगर वो टीएमसी ज्वाइन नहीं करती है तो वे उसे हॉस्टल में नहीं रहने देंगे। ▶10पर

महिला अपराधों के जरिए जमीन हड़पने की साजिश: सरमा

बांग्लादेशी घुसपैठियों में एक भी हिंदू नहीं

गुवाहाटी, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि बांग्लादेश कांड के बाद वहां भारत में बांग्लादेशियों की घुसपैठ में एक भी हिंदू शामिल नहीं है। सारी घुसपैठ बांग्लादेशी मुसलमान कर रहे हैं। यह घुसपैठ सुनियोजित तरीके से कराई जा रही है।

सीएम सरमा ने यह भी कहा कि बांग्लादेश मुसलमान भारत में घुस कर महिलाओं के खिलाफ अपराध करते हैं, इसके पीछे उनका इरादा जमीनें हड़पने का रहता है। सरमा ने कहा, हालांकि पिछले तीन वर्ष में राज्य में अपराधों की संख्या घटी है, लेकिन हाल की घटनाओं के पीछे का असली इरादा बहुत बड़ा है। अपराधी बलात्कार जैसे अपराधों के जरिए हमारी धरती और हमारी सभ्यता को टार्गेट करने की कोशिशें की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री सरमा का कहना है कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध की हालिया घटनाएं जमीन हड़पने और असमिया लोगों की पहचान को खतरे में डालने के बड़े इरादे से की जा रही है। साथ ही इन अपराधों के पीछे राजनीतिक संरक्षण होने की बात कही। सीएम ने दावा किया है कि फाइनेंशियल पावर असमिया लोगों के हाथ से निकलती जा रही है। मुख्यमंत्री सरमा ने साल 1979 से 6 साल तक चले आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा, असम में इस तरह का घटनाक्रम पिछले 30-35 साल से चल रहा था। इसी कारण असम में आंदोलन हुआ था। हमने अभी कट्टरपंथियों की पहचान की है, लेकिन 1975 में ही असमिया समाज को आगाह किया गया गया था। उन्होंने कहा कि इस तरह के अपराधों के जरिए असम के मूल लोगों की जमीनों को हड़पने की कोशिशें की जा रही हैं। ▶10पर

नौकरी में फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में बड़ा खुलासा

9 साल में 1084 शिकायतें 92 कर्मचारी बर्खास्त

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

नौकरी में फर्जी जाति प्रमाण पत्र का इस्तेमाल किए जाने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। केंद्र सरकार के समक्ष इस मामले में 9 साल में 1084 शिकायतें मिलीं। इन शिकायतों की जांच के बाद 92 कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया गया। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत यह हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। नौ साल तक चली एक आधिकारिक जांच में फर्जी जाति प्रमाण पत्र पर सरकारी नौकरियां हासिल करने की 1,084 शिकायतों का पता चला है। इसके साथ ही कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के रिकॉर्ड से पता चलता है कि इन मामलों में 92 कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। ये आंकड़े इस साल पूजा खेडकर के हाई-प्रोफाइल मामले को देखते हुए महत्वपूर्ण हैं, जो कथित तौर पर सिविल सेवाओं में सीट ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,910/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 87,300/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 20^0

सोरेन सरकार के गलत हलफनामे पर बिफरा हाईकोर्ट

सरकार बताए कैसे कम हुई जनजातीय जनसंख्या?

झारखंड सरकार ने कहा, बांग्लादेशियों की घुसपैठ नहीं हुई

सरकार के तथ्यहीन शपथ पत्र पर झारखंड हाईकोर्ट नाराज

रांची, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

झारखंड हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में झारखंड सरकार पर प्रश्न उठाए हैं। हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा है कि जब बांग्लादेशी घुसपैठ से इन्कार किया जा रहा है तो भला जनजातीय जनसंख्या कैसे घट गई। हाईकोर्ट ने संथाल परगना में जनजातीय समाज (एसटी) की जनसंख्या घटने को लेकर प्रश्न पूछे हैं।

झारखंड हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर दायर की गई एक याचिका की सुनवाई में सरकार से ये सवाल पूछे हैं। झारखंड हाईकोर्ट के समक्ष झारखंड सरकार की तरफ से संथाल परगना के सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों ने हलफनामा दाखिल कर कहा है कि झारखंड में बांग्लादेशियों की घुसपैठ हुई ही नहीं है। इन तथ्यहीन हलफनामों पर झारखंड हाईकोर्ट गंभीर रूप से नाराज है। यह हलफनामे गोड्डा, देवघर, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज और दुमका जिलों के प्रशासन की तरफ से दाखिल किए गए।

हाईकोर्ट ने संबंधित जिलों के डीसी की ओर से दायर हलफनामे का अध्ययन करने के बाद कहा कि जब बांग्लादेशी प्रवासियों की कोई घुसपैठ नहीं हुई तो इन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों की संख्या कम होने का क्या कारण है? हलफनामों में इस महत्वपूर्ण पक्ष पर कुछ नहीं कहा गया। हाईकोर्ट ने सवाल किया कि संथाल परगना क्षेत्र में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या 1951 में 44.67 प्रतिशत थी जो वर्ष 2011 में घट कर 28.11 प्रतिशत तक आ गई। इसे दिनांक 8 अगस्त 2024 के आदेश में नोट भी किया गया। लेकिन हैरानी की बात है कि हलफनामे में इन क्षेत्रों में आदिवासियों की जनसंख्या में कमी के बारे में कोई प्रासंगिक आंकड़े प्रस्तुत नहीं करके उस बिंदु पर कोई जवाब नहीं दिया गया है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

बिजनेस नेटवर्किंग के अंतर्गत इंडस्ट्रियल दौरा कार्यक्रम का आयोजन

महिलाओं को व्यापार के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का हो रहा आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा जीतो बिजनेस नेटवर्किंग के अंतर्गत इंडस्ट्रियल विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक सफल उद्यमी की सफल दास्तां कार्यक्रम का आयोजन स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड में किया गया। जिसमें 180 सदस्यों ने भाग लिया। नेशनल कॉलेज मेट्रो स्टेशन बसवनगुड़ी से बस द्वारा प्रस्थान किया गया। जीतो महिला विंग चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाओं को व्यापार के क्षेत्र में सशक्त बनाने एवं आपसी सामंजस्य को स्थापित करने के लिए जीतो महिला विंग ने इस प्रकार के अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया है। अतः इस कार्यक्रम के माध्यम से मशीनरी के कार्यों में महिलाओं की रुचि को दर्शाया गया है। महामंत्री मोनिका पिरगल ने आभार व्यक्त किया। स्टोव क्राफ्ट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेन्द्र गांधी ने उपस्थित जीतो महिला विंग के सभी सदस्यों का स्वागत किया। किस प्रकार से वे एक सफल उद्यमी बने और स्टोव क्राफ्ट कंपनी की स्थापना की, जो देश व विदेश में अपनी पहचान को प्राप्त कर रही है, जिसमें पिजन, गिलमा व ब्लैक प्लस डेकर ब्रैण्ड को स्थापित किया है, के बारे में विस्तृत रूप से बताया। उन्होंने कहा व्यक्ति को कदम कदम पर अनेक अवसर प्राप्त होते है। अतः उन्हें अपने प्रबल पुरुषार्थ के द्वारा उन अवसरों को कार्यरत करना एवं उपलब्धियों को प्राप्त करने हेतु यथा संभव प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से विकसित होने एवं विभिन्न प्रकार के कार्यों को करने हेतु उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने स्टोव क्राफ्ट लिमिटेड में कार्यरत विभिन्न कर्मचारियों का परिचय दिया। सभी कर्मचारियों के साथ उनका व्यवहार एक परिवार की तरह रहा। शिक्षित एवं जरुरतमंद महिलाओं के लिए कंपनी में कार्य हेतु जानकारी प्रदान की तथा व्यवसायिक एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में हर प्रकार का सहयोग करने का आश्वासन दिया। स्टोव क्राफ्ट की डायरेक्टर नेहा गांधी ने बताया कि माता पिता का अपनी संतान की प्रगति में विशेष योगदान होता है। उनकी माता ने उन्हें एक सफल उद्यमी बनने हेतु आत्मविश्वास जागृत करने में सहायक की है। जीतो महिला विंग की सदस्यों ने स्टोवक्राफ्ट के विभिन्न कारखानों का भ्रमण किया एवं उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली। यहां 6 हजार कर्मचारी कार्यरत है। इसमें 3 यूनिट के प्लांटों का भ्रमण किया गया। मिक्सर ग्राइंडर, कुकर, तवा, गेस स्टोव, इंडक्शन, हीटर, एयर फ्रायर, किचन एप्लायंसेज, गीजर, आयरन, ज्यूसर , कॉफी मेकर, पंखा, चिमनी, बॉटल्स, ओटिजी एवं माइक्रोवेव आदि विभिन्न उत्पादों के निर्माण प्रक्रिया की जानकारी ली गई। कार्यक्रम संयोजिका लता बोहरा ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं सहसंयोजिका वसंती जैन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान प्रदान किया। इस अवसर पर जीतो महिला विंग उपाध्यक्ष बबीता रायसोनी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सहमंत्री नीलम ललवानी एवं संगीता पारख ने व्यवस्था संभाली। जीतो एपेक्स हेल्थ एंड न्यूट्रीशन कन्वीनर निशा सामर, पूर्व चेयरपर्सन प्रमिला भंडारी, मधु डोसी, अनीता पिरगल व पिंकी जैन तथा जीतो महिला विंग नॉर्थ मेंटर सरिता खिवेंसरा तथा किरण लूनिया, सीमा मुथा और कमेटी मेंबर्स एवं जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ चेयरपर्सन बिंदु रायसोनी, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना व रेशमा पुनमिया, महामंत्री सुमन वेदमूथा, जेएलडब्लयू मेंबर सरोज गिरिया, समाज सेवी रतनीबाई मेहता, जीतो गर्ल्स हॉस्टल कन्वीनर चित्रा मेहता ने जीतो महिला विंग एवं स्टोव क्राफ्ट के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

नई कार्यकारिणी की प्रथम बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की रविवार को नई कार्यकारिणी की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत अर्पणा झा द्वारा गणेश वंदना से हुई। बैठक की अध्यक्षता परिषद अध्यक्ष एस के उपाध्याय ने की। बैठक का संचालन परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने किया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष दुर्गा पूजा के अध्यक्ष उदय कुमार सपत्नीक होंगे। परिषद महिला मंडल द्वारा कृष्ण जन्मोत्सव मंगलवार को बिहार भवन में शाम 6.30 बजे से मनाया जाएगा। जिसमें भगवान श्री कृष्णा का पूजन, झूला, नृत्य, गीत –गायन आदी होगा। भगवान को 56 प्रकार का भोग लगाया जाएगा। बाल स्वरूप कृष्ण के द्वारा मटका फोड़ा जाएगा। संयोजक हरिश्चंद्र झा ने नई कार्यकारिणी को कई दिशानिर्देश दिए। बैठक में महिला मंडल अध्यक्षा अमिता झा, हीरा झा, डेजी शर्मा, अपर्णा शर्मा, निधि श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मिंटू दुबे, यशवंत सिंह, बिंदु देवी, डॉ अर्चना झा, रवि रंजन, राहुल कुमार, दीपेश कुमार, रामकिंकर सिंह, जयशंकर मिश्रा, युवा मंडल अध्यक्ष मनोहर साह, प्रवीण उपाध्याय, पवन कुमार, पंकज कुमार, विनय कुमार, संजय झा इत्यादि गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

फिट इंडिया के अंतर्गत साईक्लोथॉन 4.0 का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सायक्लोथॉन 4.0 का आयोजन लालबाग में किया। जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कुल 125 लोगों ने भागेदारी निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत असित अग्रवाल द्वारा सभी प्रतिभागियों के लिए व्यायाम और जुम्बा सत्र से हुई ताकि लोग बेहतर प्रदर्शन कर सके एवं चोट का जोखिम कम रहे। पूर्व शाखा अध्यक्ष ऋषभ सर्राफ और निवर्तमान शाखा अध्यक्ष संदीप चनानी ने प्राथमिक विद्यालय, लालबाग से हरी झंडी दिखाकर साईक्लोथॉन 4.0 की शुरुआत की। 5 किमी और 10 किमी वर्ग में विभाजित इस साइकिल दौड़ को सभी साइकिल सवारों ने पूर्ण उत्साह और जोश के साथ पूरा किया।

शाखा अध्यक्ष राहुल गोयनका ने बताया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के प्रति ही जागरूकता फैलाना है। साथ ही उन्होंने सभी को संपूर्ण कसरत के तौर पर नियमित रूप से साइकिल चलाने का सन्देश दिया।

कर्नाटक प्रांत के प्रांतीय खेलकूद संयोजक प्रकाश केडिया ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की 851 शाखाएं फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत पूरे देश में इस कार्यक्रम को आयोजित कर रही हैं। शाखा कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को पदक, प्रमाण पत्र और उपहार भी दिए गए।

सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी थी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक विजय दुदानी, परवीन बंसल, दीपक गुप्ता के साथ उपाध्यक्ष अर्चित बजाज, पुनीत गोयल, गौरांग गुप्ता, गौरव अग्रवाल, शशांक सर्राफ, आयुष अग्रवाल, विक्की अग्रवाल, आशीष फिटकरीवाला, विक्रम गुप्ता, राहुल सुराणा, गौरव अग्रवाल, मनीष डालमिया, वरुण गुप्ता, इशांक अग्रवाल की प्रमुख भूमिका रही। संयुक्त सचिव दीपक बंसल ने सभी प्रतिभागियों और उपस्थित सदस्यों का आतंरिक हृदय से धन्यवाद दिया।

शिक्षा सबके लिए के अंतर्गत

सरकारी स्कूल के 1100 बच्चों में स्कूल बैग, पाठ्य सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प शिक्षा सब के लिए के अंतर्गत शनिवार को बेंगलूरु से 100 किमी दूर स्थित कोलार जिले के मालूर तालुक के करीब 32 प्राइमरी सरकारी स्कूलों के करीब 1100 बच्चों में स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही उन सभी बच्चो के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई और सभी ने बच्चों के साथ बैठकर खाना खाया। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए और शिक्षा सब को मिले, के लिए मायूम बेंगलूरु शाखा पिछले 4 साल से बेंगलूरु से दूर जाकर शिक्षा ऑन व्हील कार्यक्रम के अंतर्गत छोटे गांव और कस्बे के बच्चों में स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का वितरण कर रहा है। अब तक करीब 14000 से अधिक सरकारी स्कूलों के बच्चों को यह बैग और पाठ्य सामग्री वितरित किया जा चुका है। इस अवसर पर मायूम बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सुशील बंसल, शाखा उपाध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल, सुशील सैनी, प्रांतीय सचिव मोहित शर्मा, शाखा सचिव शुभम लोहिया, शाखा कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, शाखा सदस्य विनोद गर्ग, सोनू शर्मा, तनुज टेकरीवाल, अशोक अग्रवाल, सत्यम ढोकनीया, कार्तिक भूतड़ा, बलराम गर्ग और शाखा के करीब सभी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शिक्षा के इस प्रकल्प को साथ देने के लिए, ग्रेनेज अपार्टमेंट और ग्रीनेज सेवा समिति के सहयोग से बिमल सरावगी, मनीष महनसरिया, शैलेंद्र जैन, सुभाष भगेरिया, किशन बाजोरिया, राकेश लोहिया और बड़ी संख्या में ग्रीनज सोसायटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैग वितरण कार्यक्रम की सराहना और सहयोग करते हुए स्थानीय लोगों और सरकारी स्कूलों के अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में आगे बढ़कर हिस्सा लिया और मारवाड़ी युवा मंच की टीम को धन्यवाद किया। कोलार जिले में 1100 स्कूल बैग वितरण की शुरुआत 24 अगस्त को सुबह 6 बजे, होसुर मेन रोड स्थित सलारपुरिया ग्रीनेज अपार्टमेंट से हर बार की तरह कार रैली को हरी झंडी दिखा कर की गई। शिक्षा ऑन व्हील इस कार रैली कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाने के लिए बेंगलूरु के मारवाड़ी समाज के कई गणमान्य व्यक्ति, दानदाता, वरिष्ठ सदस्य, प्रसिद्ध उद्योगपति और अनेक सामाजिक संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारी पहुंचे। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में मुरारीलाल सरावगी, सुरेंद्रलाल गोयल, हातिमल वैद, अभिषेक अग्रवाल, सुशीला गोयल और मायूम राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पूर्व उपाध्यक्ष रवि सिंघानिया, मायूम प्रांतीय कार्यकारिणी के पूर्व अध्यक्ष सुनील शाह और मायूम बेंगलूरु शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, मायूम स्टार शाखा के अध्यक्ष राहुल गोयंका, मायूम सेंट्रल शाखा के सचिव गौतम लोहिया उपस्थित रहे।

अनुशासन के बिना जीवन बिल्कुल निष्क्रिय: वज्ररत्न सागरजी

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में विराजित वज्ररत्न सागरजी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि अनुशासन कुछ ऐसा है जो सभी को अच्छे से नियंत्रित किये रखता है। ये व्यक्ति को आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करता है और सफल बनाता है। हम में से हर एक ने अपने जीवन में समझदारी और जरूरत के अनुसार अनुशासन का अलग-अलग अनुभव किया है। जीवन में सही रास्ते पर चलने के लिये हर एक व्यक्ति में अनुशासन की बहुत जरूरत पड़ती है। अनुशासन के बिना जीवन बिल्कुल निष्क्रिय और निरर्थक हो जाता है, क्योंकि कुछ भी योजना अनुसार नहीं होता है। अगर हमें किसी भी प्रोजेक्ट को पूरा करने के बारे में अपनी योजना को लागू करना है तो सबसे पहले हमें अनुशासन में होना पड़ेगा। अनुशासन दो प्रकार का होता है एक वो जो हमें बाहरी समाज से मिलाता है और दूसरा वो जो हमारे अंदर खुद से उत्पन्न होता है। हालाँकि कई बार, हमें किसी प्रभावशाली व्यक्ति से अपने स्व-अनुशासन आदतों में सुधार करने के लिये प्रेरणा की जरूरत होती है।

कर्म पुरुष श्रीकृष्ण का जीवन प्रेरणादायी: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने जन्माष्टमी के पावन पर्व पर श्रीकृष्ण भगवान के महान प्रभावशाली व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रेरणादायी जीवन से सभी को प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिए। संसार में जो धर्म की रक्षा करते हैं, जो अन्याय-अनीति का प्रतिकार करते हुए समस्त मानव जाति के कल्याण की कामना करते हुए संसार में मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व जीवन बलिदान कर देते है उन्हें सदैव याद किया जाता है। महापुरुष जिस तिथि में जन्म लेते है वह तिथि हमेशा के लिए अमर हो जाती है। ज्ञानियों ने तीन प्रकार के पुरुष बताये है। धर्म पुरुष, भोग पुरुष और कर्म पुरुष। धर्म पुरुष तीर्थकर को कहा जाता है।

दूसरे भोग पुरुष चक्रवर्ती को कहा गया है एवं तीसरे कर्म पुरुष वासुदेव को कहा गया है। श्रीकृष्ण भगवान वासुदेव को जगत में कर्म पुरुष के नाम से जाना जाता है। सोने को जितना तपाओगे उतना ही कुंदन बनेगा और चंदन को जितना घिसोगे उतनी ही खुशबू महकेगी। महापुरुषों का जीवन भी इसी तरह है जिनके जीवन में कितने भी संघर्ष आ जाए पर वें विचलित नहीं होते। स्वभाव में जिनके विभाव नहीं आता वें ही उत्तम पुरुष कहलाते है। भारतीय संस्कृति चेहरे की नहीं चारित्र की पूजा करती है। व्यक्ति नहीं व्यक्तित्व पूजा जाता है। महान कर्म योगी, न्याय-नीति निपुण, प्रजावत्सल, गौप्रेमी, कर्तव्यपालन, प्रेम मित्रता सेवा जैसे अनेक विशिष्ट गुणों की सौरभ से भरा श्री कृष्ण का जीवन अनेक विशेषताओं का संगम था। गीता में दिए उनके उपदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक है। मित्रता कैसी हो यह उनके व सुदामा के जीवन चरित्र को जानकर अच्छी तरह समझा जा सकता है। हमें उनके जीवन के आदर्शो का पालन करना चाहिए।

तेयुप टी दासरहल्ली को मिला लघु श्रेणी में सेवा के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा सूरत में आयोजित 58वें राष्ट्रीय अधिवेशन ''हम'' में तेयुप टी.दासरहल्ली परिषद को वर्ष 2023-24 में परिषद द्वारा किए गए सेवा कार्यों के लिए लघु श्रेणी में प्रथम पुरस्कार एवं फिट युवा हिट युवा के अंर्तगत विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कांफिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला, वीतराग पथ कार्यशाला, व्यक्ति विकास कार्यशाला उड़ान सपनो की एवं मैं हूं सामायिक साधक के अन्तर्गत 24 घंटे अखंड जाप के लिए सम्मानित किया गया। इस वर्ष 2024-25 में फिट युवा हिट युवा के अंर्तगत लगातार 30 दिनों तक वॉकिंग, जॉगिंग, साइक्लिंग के आयोजन के लिए भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप राष्ट्रीय सामयिक प्रभारी राकेश दक, तेयूप अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी, तेयुप निवर्तमान अध्यक्ष देवीलाल गांधी, मंत्री शुभम बाबेल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीलाल गांधी, प्रचार प्रसार मंत्री निखिल बोहरा, देवेंद्र बाबेल उपस्थित रहे।

जेल में अभिनेता दर्शन को तरजीह देने के आरोप में 7 जेल कर्मचारी निलंबित

मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि यह घटना दोबारा न हो: गृह मंत्री जी परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक जेल विभाग ने कन्नड़ अभिनेता दर्शन को जेल के अंदर सिगरेट पीने और कॉफी पीने की अनुमति देने के आरोप में दो जेलर समेत सात कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को इस संबंध में घोषणा की। रविवार को बैरक के बाहर कुर्सी पर बैठे दर्शन की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें वह एक हाथ में सिगरेट और दूसरे हाथ में कॉफी मग लिए हुए थे। फोटो में दर्शन के मैनेजर और दो अन्य जेल कैदी भी उनके साथ बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। इस घटना ने राज्य में विवाद खड़ा कर दिया था, जिससे जेल विभाग की कार्यप्रणाली और व्याप्त भ्रष्टाचार पर सवाल उठने लगे थे। गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि घटना के बाद डीजी जेल मालिनी कृष्णमूर्ति ने तुरंत बेंगलूरु सेंट्रल जेल के संबंधित अधिकारियों से बात की और रात 1 बजे तक जांच की गई। प्रारंभिक जांच के बाद, बेंगलूरु सेंट्रल जेल से जुड़े सात अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट जमा होते ही जेल अधीक्षक का तबादला कर दिया जाएगा। अगर वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता पाई जाती है, तो बिना किसी हिचकिचाहट

और दया के उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि डीजी जेल सोमवार सुबह बेंगलूरु सेंट्रल जेल पहुंचे और जांच जारी है। यह पूछे जाने पर कि क्या दर्शन को किसी अन्य जेल में स्थानांतरित किया जाएगा, परमेश्वर ने कहा कि विभाग इस विकल्प पर विचार करेगा। उन्होंने कहा अगर जरूरत पड़ी तो हम एक और मामला भी दर्ज करेंगे। परमेश्वर ने बताया कि प्रारंभिक जांच के बाद जेलर शरण बसवा अमीनगड़ा, प्रभु एस खंडेलवाल, सहायक जेलर एलएस टिप्पे स्वामी और श्रीकांत तलवार, हेड वार्डन वेंकटप्पा मूर्ति, वार्डन बसप्पा तेली और हेड वार्डन वेंकटप्पा कट्टोली और संपत कुमार कडापट्टी को निलंबित कर दिया गया है। यह एक चूक है और ऐसा नहीं होना चाहिए था। जैसे ही मामला सामने आया, संबंधित अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया और कार्रवाई की गई। सभी जेलों को संवेदनशील बनाया गया है, जैमर और सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इन सबके बावजूद, घटना हुई और भविष्य में ऐसी किसी भी घटना से बचने के लिए त्वरित कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति पर कोई दया नहीं दिखाई जाएगी और यह पता लगाने के लिए भी जांच की जा रही है कि फोटो किसने ली और उस व्यक्ति को जेल के अंदर मोबाइल फोन कैसे मिला। परमेश्वर ने कहा कि जांच से सब कुछ सामने आ जाएगा। पुलिस विभाग द्वारा दो दिन पहले सेंट्रल जेल में छापेमारी की गई थी, हालांकि उस समय कोई मोबाइल फोन जब्त नहीं किया गया था। उन्होंने कहा हम मामले की जांच करेंगे और देखेंगे कि मोबाइल छिपाए गए थे या किसी सूचना पर भेजे गए थे। हम पिछले तीन दिनों की जेल की सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या दर्शन मामले में सरकार पर कोई दबाव है, परमेश्वर ने कहा कि कोई दबाव नहीं है और कोई भी उनसे संपर्क करने की हिम्मत नहीं कर सकता। उन्होंने दोहराया हम व्यवस्था को दुरुस्त और सख्त करेंगे। किसी दबाव के आगे झुकने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले को कमजोर करने का कोई सवाल ही नहीं है और कानून के अनुसार कार्रवाई की गई है तथा विभाग भविष्य में भी कार्रवाई करता रहेगा। मामले में छिपाने जैसी कोई बात नहीं है, तथ्य तो तथ्य हैं। उन्होंने कहा मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि यह घटना दोबारा न हो। रविवार को बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा में दर्शन की मौज-मस्ती करते हुए एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिससे जेल अधिकारियों द्वारा उन्हें तरजीह दिए जाने पर सवाल उठने लगे। दर्शन अपने प्रशंसक रेणुकास्वामी के अपहरण और हत्या मामले में दूसरे आरोपी हैं। इस घटना ने रेणुकास्वामी के परिवार को झकझोर दिया है, रेणुकास्वामी एक प्रशंसक थे, जिनकी दर्शन, उनकी साथी पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य लोगों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी।

मामला चार्जशीट दाखिल करने के अंतिम चरण में

मामला चार्जशीट दाखिल करने के अंतिम चरण में है और इस घटना को दर्शन के लिए एक झटका माना जा रहा है, जो पुलिस द्वारा चार्जशीट पेश किए जाने के तुरंत बाद जमानत के लिए आवेदन करने की उम्मीद कर रहे थे। रेणुकास्वामी की जघन्य हत्या 8 जून को बेंगलूरु में हुई थी। उन्हें उनके गृहनगर चित्रदुर्ग से अगवा किया गया था, बेंगलूरु लाया गया, एक शेड में रखा गया और उन्हें प्रताड़ित करके मार डाला गया। हत्या के बाद उसके शव को नहर में फेंक दिया गया। घटना तब प्रकाश में आई जब एक निजी अपार्टमेंट बिल्डिंग के सुरक्षाकर्मियों ने शव को कुत्तों के झुंड द्वारा घसीटते हुए देखा। रेणुकास्वामी के परिवार में वृद्ध माता-पिता, गर्भवती पत्नी और एक बहन हैं।

सेंट्रल जेल में कैदियों के लिए पांच सितारा व्यवस्था : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने चुटकी ली है कि अग्रहारा जेल में हाई-टेक व्यवस्था दी जा रही है। मांड्या में एक बैठक में शामिल होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईटेक सरकार है। उन्होंने आलोचना की कि यह हाई-टेक उद्योग होना चाहिए। परप्पा के अग्रहारा में कैदियों के लिए पांच सितारा व्यवस्था है। अब एक्टर दर्शन के मामले में यही सब सामने आया है। ऐसा लग रहा है कि सरकार ये तय कर रही है कि उन कैदियों को कहीं और ट्रांसफर कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि लोग इस सरकार पर भरोसा नहीं कर सकते। वे राज्य सरकार की गलतियों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मुद्दों को सामने लाकर लोगों को बरगलाया जा रहा है। अधिकारियों से कोई न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होंने मांग की कि इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। जेल व्यवस्था नई नहीं है, यह पहले से चली आ रही है। उन्होंने कहा कि पहले डीजी और डीसीपी के बीच काफी नोकझोंक हुई थी कि जांच करायी जाये। राज्य में कोई सरकार नहीं है, कोई शासन नहीं है। वे सड़कों पर भ्रष्टाचार के बारे में बात करने का काम कर रहे हैं। मंत्रियों का सरकार में कोई काम नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर हमला बोलते हुए कहा कि उनके पास अपने घोटाले के बारे में बात करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। राज्य में सरकार खत्म हो गयी है। जिनके पास पैसा है वे कुछ भी खरीद सकते हैं। मृतक रेणुकास्वामी के परिवार के सदस्यों ने अपना दर्द व्यक्त किया। गृह मंत्री डॉ. परमेश्वर हर दिन एक कहानी सुनाते हैं। उनका कहना है कि वे पारदर्शी सरकार बना रहे हैं। लेकिन राज्य में कोई सरकार नहीं है।

कच्चे बम विस्फोट में घायल मवेशियों को अवैध रूप से बूचड़खानों में बेचा गया

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

पशुपालन विभाग के अधिकारियों को उस समय बड़ा झटका लगा जब वे कुछ दिन पहले चामराजनगर में कच्चे बम विस्फोट में घायल दो बैलों का इलाज करने गए और पाया कि मवेशियों को अवैध बूचड़खानों में बेच दिया गया था।

21 अगस्त को, हन्नूर तालुक के कौडल्ली निवासी अक्कम्मा के दो बैल खेतों में रखे खाद्य पदार्थों से भरे कच्चे बमों को काटने से घायल हो गए। जानवर गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके शरीर से बहुत खून बह रहा था। अक्कम्मा ने पुलिस और वन एवं पुलिस अधिकारियों को सूचित किया। रामपुरा पुलिस और वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और कच्चे बमों के अवशेष बरामद किए।

इन क्षेत्रों में किसान आमतौर पर जंगली जानवरों, खासकर जंगली सूअरों का शिकार करने के लिए खाद्य पदार्थों से भरे कच्चे बम रखते हैं, जो खेतों पर हमला करते हैं और फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं। सरकार ने शिकार की इस प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, घटना से पता चलता है कि यह अभी भी जारी है। रविवार को घायल पशुओं का इलाज करने के लिए गांव पहुंचे पशु चिकित्सकों ने पाया कि मवेशियों को अवैध बूचड़खानों में बेच दिया गया था और पशु मालिक सहयोग नहीं कर रहा था। चामराजनगर जिले के पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवाओं के उप निदेशक डॉ. हनुमेगौड़ा ने कहा यह कोई अकेली घटना नहीं है।

जब भी ऐसी घटनाओं में मवेशी घायल होते हैं, तो मवेशी मालिक उनसे छुटकारा पाने के लिए उन्हें बूचड़खानों में बेच देते हैं। उन्होंने कहा इस मामले में वन विभाग और पुलिस देसी बम रखने वाले आरोपियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं और हम जानवरों का इलाज करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें बूचड़खानों में बेच दिया गया।

केपीएससी के 384 ए और बी समूह पदों के लिए परीक्षा आज

कड़ी सुरक्षा के बीच होगी परीक्षा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कड़े विरोध के बावजूद, कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) वर्ष 2023-24 के लिए राजपत्रित परिवीक्षार्थी समूह ए और बी समूह के 344 पदों के लिए मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करेगा। कुछ छात्रों ने राज्य सरकार से परीक्षा स्थगित करने की अपील की थी। इस पर सहमत नहीं हुई सरकार पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक राज्य के कुल 700 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित करेगी। केपीएससी के 384 ए और बी समूह पदों के लिए कुल 2,10,541 छात्र परीक्षा दे रहे हैं और किसी भी प्रकार की नकल या अप्रिय घटना से बचने के लिए पर्याप्त सावधानी बरती गई है। परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को 2 घंटे पहले अनिवार्य रूप से परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित होने के निर्देश

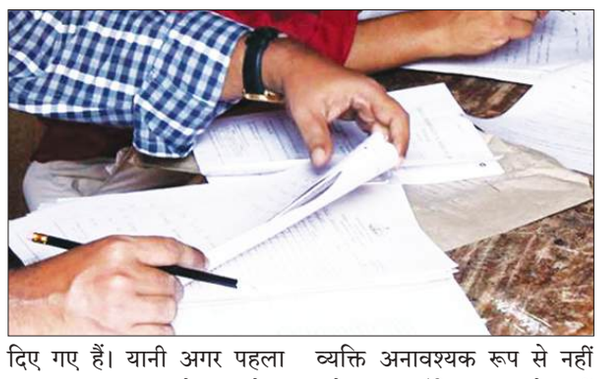

दिए गए हैं। यानी अगर पहला प्रश्न पत्र सुबह 10 बजे शुरू होता है तो अभ्यर्थियों को सुबह 8 बजे तक केंद्र पर पहुंचना होगा। आयोग ने सख्त संदेश भेजा है कि जो अभ्यर्थी सुबह के सत्र के लिए 9.50 बजे और दोपहर के दूसरे प्रश्न पत्र के लिए 1.50 बजे के बाद आएंगे, उन्हें किसी भी कारण से परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

परीक्षा राजधानी बेंगलूरु समेत सभी जिला केंद्रों और अन्य जगहों पर होगी और इस बार पहले से कहीं ज्यादा कड़ी सुरक्षा बरती गई है। पहले प्रश्न पत्र लीक और नकल के मद्देनजर आयोग ने पहले से ही कई एहतियाती कदम उठाए हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के अलावा कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से नहीं घूमेगा या संदिग्ध रूप से नहीं घूमेगा। संदेह होने पर पुलिस को उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने की इजाजत दे दी गई है। यह सुझाव दिया गया है कि परीक्षा केंद्र से एक किमी क्षेत्र में कोई भी जेरॉक्स दुकानें मंगलवार को नहीं खुलेंगी। यदि कोई इसे खोले तो इसे तुरंत बंद कर देना चाहिए। अन्यथा उन्हें जबरन बंद कराया जाए और पुलिस को उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को आवश्यक प्रवेश पत्र, पासपोर्ट, पैनकार्ड, वोटर कार्ड, आधार कार्ड, पहचान पत्र, दो पासपोर्ट आकार के फोटो, मानसिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए प्रमाण पत्र लाना होगा। आयोग ने अभ्यर्थियों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित हों और परीक्षा के सुचारू संचालन में सहयोग करें।

केपीएससी परीक्षा में कोई देरी नहीं होगी

कर्नाटक प्रशासनिक सेवा (केएएस) के उम्मीदवारों के एक समूह की ओर से परीक्षा स्थगित करने के अनुरोध के बावजूद, 27 अगस्त को होने वाली कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की राजपत्रित परिवीक्षार्थियों की भर्ती के लिए परीक्षा तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। यह जानकारी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के अतिरिक्त मुख्य सचिव एल के अतीक ने दी थी।

अतीक ने एक बयान जारी कर बताया कि परीक्षा के आयोजन में व्यापक तैयारी और लागत शामिल है, पेपर की छपाई के लिए अनुमानित 4 से 5 करोड़ रुपये - इसलिए परीक्षा को स्थगित करना असंभव बनाता है। अतीक ने कहा 2.5 लाख से अधिक छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करने में बहुत तैयारी करनी पड़ती है। इसे दो महीने और टालने का मतलब होगा छपे हुए पेपर को नष्ट करना और नए पेपर छापना, जिससे पेपर लीक होने का खतरा है। उन्होंने केएएस उम्मीदवारों के एक छोटे समूह पर अनुचित दबाव बनाने का आरोप लगाया, जिसमें केपीएससी, डीपीएआर और मुख्यमंत्री कार्यालय को कॉल और व्हाट्सऐप संदेश करना शामिल है। उन्होंने कहा इतना कि कई बार मुझे अपना फोन एयरप्लेन मोड पर रखने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वे गलत सूचना फैला रहे हैं और यह धारणा देने की कोशिश कर रहे हैं कि कोई घोटाला है। अतीक ने तर्क दिया कि इस समूह के आगे झुकना, जिसमें लगभग 1,500 देर से आने वाले आवेदक शामिल हैं, जिन्हें आयु में छूट मिली है, 2.5 लाख अन्य आवेदकों को अनुचित रूप से नुकसान पहुंचाएगा, जिन्होंने पहले से ही तैयारी कर ली है और यात्रा की व्यवस्था कर ली है। परीक्षा कार्यक्रम पहले ही कई बार बदल चुका है।

जोगा फॉल्स देखने के लिए महंगा हुआ शुल्क स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने जताई निराशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व प्रसिद्ध जोगा झरना पर्यटकों के लिए देखना अब महंगा हो गया है। जोगा प्रबंधन प्राधिकरण ने झरनों को देखने के लिए अधिक शुल्क लगा दिया है।

पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिए बढ़ी दरों पर आपत्ति जताई है। स्थानीय लोग पूछ रहे हैं कि जोगा के विकास के दौरान झरना देखने की कीमत क्यों बढ़ाई गई। जोगा फॉल्स प्रवेश शुल्क, पार्किंग शुल्क बढ़ा दिया गया है। साथ ही, पर्यटकों के लिए झरने का

दृश्य केवल दो घंटे तक ही सीमित है। जोगा में पिछले रेट से 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक दाम बढ़ाए गए हैं। पहले प्रति बस 150 रुपए था, जिसे बढ़ाकर 200 कर दिया गया है। इसी तरह प्रति कार 50 रुपए था, जो अब 80 रुपए है। प्रति पर्यटक 10 रुपए फीस को अब 20 रुपए कर दिया गया है। जोगा मैनेजमेंट अथॉरिटी पहले ही फीस बढ़ाकर योजना लागू कर चुकी है। शरावती नदी से गिरते मनोरम दृश्य को देखने के लिए पर्यटक घंटों खड़े रहते थे और सभी कोणों से फोटो और वीडियो लेने का आनंद लेते थे। लेकिन, अब से जोगा केवल दो घंटे ही देख सकते हैं। बरसात के मौसम में जोगा फॉल्स देखना एक आश्चर्य है। हालाँकि, बरसात के मौसम में ऊपर से गिरने वाले पानी से कोहरा छा जाता है। इसके कारण झरने ठीक से दिखाई नहीं देते। जोगा की खूबसूरती का मजा तभी लिया जा सकता है जब तेज हवा चल रही हो। हालाँकि, इनके भी टूटने की संभावना है।

अग्रहारा जेल में जैमर से आसपास के निवासियों को परेशानी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अग्रहारा सेंट्रल जेल में लगे जैमर के कारण मोबाइल कनेक्शन असंभव होने पर आसपास के क्षेत्र के निवासियों ने आक्रोश व्यक्त किया है। पत्रकारों से बात करते हुए लक्ष्मण नामक स्थानीय निवासी ने कहा कि जेल के अंदर मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। दर्शन ने वीडियो कॉल के जरिए बाहरी लोगों से बात की। लेकिन उन्होंने कहा कि आसपास के लोगों को मोबाइल कनेक्शन नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। उन्होंने आक्रोश जताया कि आपात स्थिति में

एंबुलेंस नहीं बुलाई जा पा रही है, कैब बुक नहीं की जा रही, बिना मोबाइल कनेक्शन के यह पता करना मुश्किल है कि बच्चे स्कूल से आए हैं या नहीं। जेल में लगे जैमर की फ्रीक्वेंसी कम करने के लिए हमने तीन-चार बार विरोध किया। हमने कई बार वरिष्ठ अधिकारियों और जेल अधिकारियों से शिकायत की है। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि इसका कोई फायदा नहीं हुआ। जैमर के कारण आसपास के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। लेकिन जेल के अंदर दर्शन से वीडियो कॉल समेत सभी संपर्क आसान हैं। उन्होंने कहा कि यह जेल अधिकारियों की तस्करी का चश्मदीद गवाह है। स्थानीय समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने गृह मंत्री और मुख्यमंत्री से इस पर ध्यान देने का अनुरोध किया। अगर पैसा है तो जेल में भी रिसॉर्ट जितना आराम हो सकता है। उन्होंने शिकायत की कि हर कोई जानता है कि वरिष्ठ अधिकारी इसमें शामिल हैं। वे जेल के बाहर जाम लगाकर लोगों को अपनी बात समझाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने जेल के अंदर बिना किसी रोक-टोक के मोबाइल फोन के इस्तेमाल की इजाजत दे दी है।

जेल की वायरल तस्वीर के बाद

अभिनेता दर्शन की जेल वीडियो कॉल क्लिप ने खड़ा किया विवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन की तस्वीरों को लेकर विवाद के बीच कथित तौर पर उन्हें उनके पसंदीदा मांसाहारी व्यंजन, शराब, बिस्तर की सुविधा और अपने सहयोगियों से मिलने की स्वतंत्रता प्रदान करने की बात सामने आई है। अभिनेता अपहरण और हत्या के एक मामले में आरोपी है और यहां केंद्रीय कारागार में बंद है। सिगरेट पीते और कॉफी पीते हुए उनकी तस्वीरें रविवार को वायरल हुईं। सोमवार को दर्शन की वीडियो कॉल की कथित रिकॉर्डिंग भी सामने आई। 25 सेकंड की अवधि की रिकॉर्डिंग में दर्शन के सहयोगी को वीडियो कॉल करते और ईयरफोन लगाकर दूसरे व्यक्ति से बात करते हुए दिखाया गया है। स्क्रीन पर दर्शन अपनी बैरक में दिखाई देते हैं और दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति

से बात भी करते हैं। वीडियो के वायरल होने के बाद अधिकारियों ने इस पर ध्यान दिया और कहा कि यह पता लगाने के लिए कि यह असली है या फर्जी, इसे फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) भेजा जाएगा। सूत्रों ने खुलासा किया है कि दर्शन के लिए जेल को रिसॉर्ट जैसी जगह में बदल दिया गया है। उन्हें जब भी मन करे मांसाहारी भोजन करने की अनुमति है। सूत्रों ने बताया कि मांसाहारी भोजन, खासकर चिकन और मटन बिरयानी, दर्शन और उनके गिरोह को बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र के एक प्रसिद्ध होटल से सप्लाई किया जा रहा है। दर्शन को मांसाहारी भोजन, खासकर बिरयानी का शौक है। बिरयानी के साथ-साथ उन्हें उनकी पसंद की शराब भी मुहैया कराई जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, अभिनेता को जेल के अंदर कुख्यात बदमाशों के साथ पार्टी करने की अनुमति है और वह खूब मौज-मस्ती करते हैं। सूत्रों ने बताया कि दर्शन बदमाशों विल्सन गार्डन नागा, बैकरी रघु और उसके करीबी सहयोगियों नागराज और रघु के साथ पार्टी करते हैं। सूत्रों ने यह भी खुलासा किया कि हत्या के आरोप का सामना कर रहे जेल में बंद बदमाशों विल्सन गार्डन नागा और पवन ने जेल अधिकारियों के साथ सौदा किया था। दर्शन को जेल के अंदर सिगरेट और मसाज की भी अनुमति है। सूत्रों ने आगे बताया कि शक्तिशाली सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं के समर्थन के बिना इस तरह की सुविधा मिलना असंभव है। दर्शन को बिस्तर की सुविधा और अपने साथियों से मिलने, अपने बैरक में गिरोह बनाने और मांसाहारी भोजन और शराब के अलावा जेल के अंदर मौज-मस्ती करने की स्वतंत्रता दी जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) के अधिकारियों ने दर्शन के साथ हो रही आलीशान व्यवस्था के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद पिछले शनिवार को बेंगलूरु की सेंट्रल जेल पर अचानक छापेमारी की। उन्हें जेल के अंदर हथियार होने की भी जानकारी थी। हालांकि, सीसीबी के अधिकारी खाली हाथ लौट आए क्योंकि उन्हें जेल से कोई भी सामग्री जब्त नहीं हुई। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी की खबर लीक हो गई थी और शराब, सिगरेट और मोबाइल सहित सामग्री को चार बक्सों में भरकर जेल से बाहर भेज दिया गया था।

मैसूरु दशहरा हाथी और उनके रखवालों का 2.37 करोड़ रुपए का किया गया बीमा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु डिवीजन के डीसीएफ (वन्यजीव) आई बी प्रभु गौड़ा ने बताया कि दशहरा हाथी और उनके रखवालों का 18 अक्टूबर तक मैसूरु में रहने के दौरान 71,535 रुपए का प्रीमियम देकर 2,37,50,000 रुपए का बीमा किया गया है। इस बीमा में हाथियों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति या आम जनता को होने वाले आकस्मिक नुकसान को कवर किया गया है।

उन्होंने प्रत्येक नर हाथी का 5 लाख रुपये और मादा हाथी का 4.5 लाख रुपये का बीमा किया है। सभी 18 हाथियों का कुल 87,50,000 रुपए का बीमा किया गया है। बीमित हाथियों में अभिमन्यु, धनंजय, गोपी, भीमा, रोहित, कंजन, नया हाथी एकलव्य, वरलक्ष्मी और लक्ष्मी (पहला बैच), प्रशांत, महेंद्र, सुग्रीव, डोड्डाहरवे लक्ष्मी और हिरण्य (दूसरा बैच), हर्षा, पार्थसारथी, नए हाथी अयप्पा और मालादेवी (स्टैंडबाय) शामिल है। 18 महावत, हाथियों के 18 कावड़िए, 14 वन विभाग के कर्मचारी और अधिकारी समेत 50 लोगों का भी कुल 1 करोड़ रुपये का बीमा किया गया है, यानी प्रति व्यक्ति 2 लाख रुपये। सार्वजनिक देयता के लिए, यदि आम जनता को कोई आकस्मिक नुकसान होता है और यदि दशहरा हाथियों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को कोई नुकसान होता है, तो उन्हें 50 लाख रुपए की राशि का बीमा किया जाता है। प्रीमियम राशि का भुगतान वन विभाग द्वारा किया जाता है। यह राशि जिला प्रशासन द्वारा वन विभाग को मैसूरु में रहने के दौरान हाथियों और उनके रखवाले के रखरखाव के लिए दिए गए 1.74 करोड़ रुपए में शामिल है। बीमा डीसीएफ प्रभु गौड़ा के नाम पर किया गया है। मैसूरु में दशहरा हाथियों के प्रशिक्षण या रहने के दौरान अब तक कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। यह बीमा केवल एहतियाती उपाय के रूप में किया गया है।

भाजपा ने खड़गे परिवार के सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को भूमि आवंटन का किया विरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के राज्यसभा सदस्य लहरसिंह सिरोया ने केआईएडीबी द्वारा एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के परिवार द्वारा संचालित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन देने पर अपना विरोध जताया है।

हाई-टेक डिफेंस एयरोस्पेस पार्क में कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा आवंटित 45.94 एकड़ जमीन में से इस ट्रस्ट को अनुसूचित जाति कोटे के तहत पांच एकड़ जमीन आवंटित की गई है। इसी पृष्ठभूमि में लहरसिंह सिरोया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर डिफेंस एयरोस्पेस पार्क में खड़गे परिवार ट्रस्ट को पांच एकड़ जमीन आवंटित करने का विरोध जताया। बेंगलूरु के पास हाई-टेक डिफेंस एयरोस्पेस पार्क में नागरिक

सुविधाओं की प्रतीक्षा में यह भूमि अनुसूचित जाति कोटे के तहत आवंटित की गई है।

दिलचस्प बात यह है कि ट्रस्ट में खुद मल्लिकार्जुन खड़गे, उनकी पत्नी राधाबाई खड़गे, दामाद राधाकृष्ण, उनके बेटे और राज्य मंत्री प्रियांक खड़गे और दूसरे बेटे राहुल खड़गे ट्रस्टी हैं। क्या यह स्वार्थ का टकराव, भाई-भतीजावाद, सत्ता का दुरुपयोग नहीं है? इससे सवाल खड़े हो गए हैं। मंत्री एमबी पाटिल इस जमीन का आवंटन करने को तैयार हो गए हैं, लेकिन कैसे? खड़गे परिवार एयरोस्पेस उद्यमी कब बना? उन्होंने कहा कि अवैध आवंटन का मामला एक आरटीआई कार्यकर्ता के माध्यम से राज्यपाल कार्यालय तक पहुंचा है।

इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण की जन्माष्टमी का जश्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रीकृष्ण जनाष्टमी के अवसर पर सोमवार को पूरे देश में परमपिता परमेश्वर के नाम की गूंज सुनाई दी। भारत में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की अपनी विशिष्टताएँ हैं, जहाँ छोटे कंडमा कृष्ण और राधा के रूप में सजकर उत्सव मनाते हैं। कुछ स्थानों पर वे मक्खन चुराते हैं और खाते हैं। मंदिरों में सुबह से ही विशेष पूजा अनुष्ठान किये गये। विशेष रूप से बेंगलूरु के इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण की जन्माष्टमी का जश्न जोरों पर था, ऐसा लगा मानो स्वर्ग धरती पर आ गया हो। पूरे मंदिर को फूलों की सजावट से सजाया गया था। शहर सहित विभिन्न स्थानों से पहुंचे भक्तों ने कतार में खड़े होकर भगवान के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। चिक्कबल्लापुर जिला और तालुक यादव संघ द्वारा वेणुगोपाल स्वामी मंदिर में एक विशेष श्रीकृष्ण जनाष्टमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री वेणुगोपाल स्वामी को मोती की पालकी में सजाकर विभिन्न मार्गों से घुमाया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बन्नेरघट्टा रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भजनों की प्रस्तुति के साथ कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भजन प्रवाहक सज्जन दाधीच व मनीष भाटी शेखावटी ने मधुर भजनों से बाबा श्याम को रिझाया। सुबह से भक्ति रस में पूरा मंदिर प्रांगण श्याम रंग में रंगा रहा। इस मौके पर बाबा श्याम का फूलों से श्रृंगार किया गया।*

कर्मयोगी थे श्रीकृष्ण : राजेशमुनि जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में राजेश मुनि जी ने कृष्ण जन्माष्टमी पर विशेष प्रवचन में फरमाया कि श्रीकृष्ण कर्म योगी थे। यह देश उनका ऋणी है। उन्होंने मनुष्य को जीने की राह बताई और किसी भी जीव पर अत्याचार नहीं करने का संदेश दिया। वे चक्रवर्ती हुए। श्रीकृष्ण भविष्य में तीर्थंकर बनेंगे। मुनि ने श्रीकृष्ण के जीवन पर प्रकाश डाला। मुनि ने फरमाया कि तीन तरह के व्यक्ति पूजनीय होते हैं, ज्ञानी, त्यागी और दानी। ज्ञानी वह है जो समय का जानकारी है और जो आत्मज्ञान देते हैं वह आत्मज्ञानी हैं। आत्मा अजर अमर है। वह कभी नहीं मरती। इसके पहले ऋषभ मुनि ने गुरु सुदर्शन की महिमा बताई।

उन्होंने राजेश मुनि जी के जन्मदिन पर उनके संयममय जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुनि को आदर्श संयम पालक बताते हुए उनके जैसा बनने के भाव प्रकट किए। स्थानक भवन में तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत ढाई हजार से ज्यादा सामायिक की गई। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। संघ में रविवार से पर्युषण पर्व मनाया जाएगा। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

डीजीपी ने जेल अधिकारी व कर्मचारियों को लगाई फटकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेल और सुधार सेवा विभाग की डीजीपी मालिनी कृष्णमूर्ति ने जेल में आरोपी अभिनेता दर्शन और कुख्यात उपद्रवियों को शाही आतिथ्य देने की घटना को लेकर परप्पाना अग्रहारा जेल के अधिकारियों और कर्मचारियों से जवाब-तलब किया है। उन्होंने सोमवार सुबह जेल का दौरा किया और कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को आपकी ऐसी बातों से विनम्र होना चाहिए। उन्होंने अफसोस जताया कि इस घटना से पूरे विभाग की बदनामी होगी। इस घटना के अलावा, क्या अन्य कैदियों या रिमांड कैदियों को इस तरह का शाही आतिथ्य दिया गया है? क्या कोई अन्य विशेषाधिकार प्रदान किए गए हैं? यदि वे ऐसी सुविधाएं प्रदान

कर रहे हैं, तो इसे तुरंत बंद कर दें, अन्यथा आपके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यहां तक कि हर मीटिंग में हमने स्टाफ से बार-बार कहा कि जेल में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। फिर भी वे ऐसा काम करते हैं। किसी को भी, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, किसी भी प्रकार का अतिरिक्त विशेषाधिकार नहीं दिया जाना चाहिए। उन्हें जेल नियमों के मुताबिक सुविधाएं मुहैया करायी जानी चाहिए। इससे अधिक न दें। दर्शन की यह व्यवस्था किसने की? दर्शन के लिए उसके साथ बैठने और उसके लिए चेयर की व्यवस्था किसने की? ऐसा कब से चल रहा है? इसके पीछे कौन है? इसके लिए आपको कितने पैसे मिले? डीजीपी ने अधिकारियों व कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए जल्द जानकारी देने को कहा। इससे पहले डीजीपी ने जेल की सभी बैरकों का भ्रमण कर निरीक्षण किया। इस मौके पर एआईजीपी आनंदरेड्डी, डीआइजी सोमशेखर समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

तेयुप राजाजीनगर को संस्कार के क्षेत्र में मिला प्रथम पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा गुजरात की धरा, सूरत के वेसु भगवान महावीर यूनिवर्सिटी में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सानिध्य में आयोजित 58वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'हम' में अभातेयुप द्वारा शाखा मूल्यांकन के अंतर्गत तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर को विशाल श्रेणी में सत्र 2023-2024 अध्यक्ष कमलेश गन्ना के नेतृत्व में संस्कार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रथम पुरस्कृत से सम्मानित किया गया। इसी के साथ चार अन्य सम्मानों से भी सम्मानित किया गया, जिसमें प्रथम सम्मान कॉंफिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला समायोजन, द्वितीय सम्मान आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर के अंतर्गत एटीडीसी श्रीरामपुराम क्षेत्र में विशिष्ट प्रचार-प्रसार हेतु, तृतीय सम्मान वीतराग पथ कार्यशाला आयोजन एवं चतुर्थ सम्मान कर्नाटक स्तरीय भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजन शामिल है।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के हर एक युवा साथी एवं किशोरों द्वारा गत वर्ष सेवा-संस्कार-संगठन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यक्रमों को संपादित करने में अथक श्रम नियोजित हुआ है। दानदाताओं के अर्थ सहयोग से ही सभी कार्यक्रम सफल हो पाए।

इस अवसर पर तेयुप से अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, अभुतपूर्व अध्यक्ष सतीश पोरवाड़, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, जयंतीलाल गांधी, संजय मांडोत, सुनील मेहता, चेतन मांडोत, विनोद कोठारी एवं जितु मेहता ने अधिवेशन में सहभागिता दर्ज कराते हुए सूरत में श्री महाश्रमणजी, साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभाजी, मुख्य मुनि महावीर कुमारजी, तेयुप आध्यात्मिक पर्यवेक्षक मुनि श्री योगेश कुमारजी एवं सभी साधु-साध्वियों की सेवा-दर्शन का लाभ लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कर्नाटक के राज्यपाल के ओएसडी शंकर गुर्जर ने रविवार रात को कुमावत क्रिकेट टीम केपीएल 17 की विजेता टीम स्टार सिक्सर को जीत की शुभकामनाएं दी। खिलाड़ियों को राशि देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कुमावत क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राकेश गोयल, सचिव प्रकाश कुमावत, कोषाध्यक्ष चेनाराम ईटाडा, भीखाराम रेनवाल, स्टार सिक्सर कप्तान माणक कुमावत, टीम के स्टार ऑल राउंडर संदीप कुमावत, देवेश कुमावत, मुकेश कुमावत, दिनेश कुमार, सुनील कुमार, राकेश मावर, महेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।*

सीएम ने दर्शन और अन्य को अलग-अलग जेलों में स्थानांतरित करने का दिया आदेश

डीजीपी को जेल का दौरा कर रिपोर्ट देने का निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेल में अभिनेता दर्शन को विशेष सुविधाएं दिए जाने के वीडियो को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को अधिकारियों को आरोपी अभिनेता और उसके साथियों को अलग-अलग जेलों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। दर्शन अपहरण और हत्या के मामले में 13 आरोपियों के साथ बेंगलूरु सेंट्रल जेल में बंद है। इन 13 में उसकी साथी मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा भी शामिल है। चार अन्य आरोपी तुमकुरु जिला जेल में बंद हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बेंगलूरु सेंट्रल जेल में दर्शन को विशेष सुविधाएं दिए जाने के मामले पर गंभीरता से विचार किया है। उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल निलंबित करने का निर्देश दिया है। सीएम सिद्धरामैया ने दर्शन और उसके साथियों को राज्य भर की अलग-अलग जेलों में स्थानांतरित करने के भी निर्देश दिए हैं। सीएम ने कर्नाटक के डीजीपी को जेल का दौरा करने और विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का भी निर्देश दिया है। दर्शन अपहरण और हत्या के मामले में आरोपी है और यहां सेंट्रल जेल में बंद है। रविवार को सिगरेट पीते और कॉफी पीते हुए उनकी तस्वीरें वायरल हुईं। सोमवार को दर्शन की वीडियो कॉल की कथित रिकॉर्डिंग भी सामने आई।

कोलकाता कांड : संदीप घोष पर कसा सीबीआई का शिकंजा

गैर-जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज

कोलकाता, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का नाम एफआईआर में दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक एजेंसी ने उनके कार्यकाल के दौरान संस्थान में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में एफआईआर दर्ज की है। जिसमें आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) को धारा 420 आईपीसी (धोखाधड़ी और बेईमानी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 के साथ लगाया है, जो एक लोक सेवक की तरफ से अवैध रूप से रिश्वत लेने को दिखाता है।

कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ वकील ने कहा कि इन सभी मामलों को एक साथ पढ़ने पर ये संज्ञेय अपराध लगते हैं और गैर-जमानती प्रकृति के हैं। इसमें

संदीप घोष के अलावा, सीबीआई ने मध्य जोरहाट, बानीपुर, हावड़ा के मेसर्स मा तारा ट्रेडर्स, जेके घोष रोड, बेलगछिया, कोलकाता के मेसर्स ईशान कैफे और मेसर्स खामा लौहा के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। ये मामला राज्य स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव देबल कुमार घोष की तरफ से दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई।

सीबीआई की तरफ से कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर राज्य की तरफ गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच अपने हाथ में लेने के बाद शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। यह आदेश आरजी कर अस्पताल के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली की याचिका पर जारी किया गया, जिन्होंने संस्थान में कथित वित्तीय कदाचार की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने का अनुरोध किया था। अली ने उच्च न्यायालय का रुख किया था, क्योंकि इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या संस्थान में कथित भ्रष्टाचार का संबंध महिला डॉक्टर की मौत से जुड़ा है, और क्या पीड़िता को इसकी जानकारी थी और इससे मामले के उजागर होने का खतरा था।

अख्तर अली ने यह भी आरोप लगाया था कि एक वर्ष पहले राज्य सतर्कता आयोग और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के समक्ष घोष के खिलाफ दर्ज कराई गई उनकी शिकायतों का कोई खास नतीजा नहीं निकला और इसके बजाय उन्हें संस्थान से स्थानांतरित कर दिया गया। उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी याचिका में अली ने घोष पर लावारिस शवों की अवैध बिक्री, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट की तस्करी तथा दवा और चिकित्सा उपकरण आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दिए गए कमीशन पर निविदाएं जारी करने का आरोप लगाया।

याचिकाकर्ता अली ने यह भी आरोप लगाया कि छात्रों पर परीक्षा पास करने के लिए पांच से आठ लाख रुपये तक की रकम देने का दबाव बनाया गया था। संदीप घोष ने फरवरी 2021 से सितंबर 2023 तक आरजी कर अस्पताल के प्राचार्य के रूप में काम किया। उन्हें उस वर्ष अक्टूबर में चिकित्सा प्रतिष्ठान से स्थानांतरित कर दिया गया था, लेकिन एक महीने के भीतर ही वह उस पद पर वापस आ गए। महिला डॉक्टर की हत्या वाले दिन तक वह अस्पताल में कार्यरत थे।

सीबीआई ने रविवार को भ्रष्टाचार के मामलों के सिलसिले में घोष के कोलकाता में मौजूद बेलियाघाटा आवास पर एक दिन की तलाशी ली। एजेंसी ने संदीप घोष से लगातार 10 दिन तक पूछताछ की है और बलात्कार और हत्या की जांच के सिलसिले में सोमवार को उनका पॉलीग्राफ टेस्ट भी कराया। सीबीआई ने अस्पताल के पूर्व अधीक्षक संजय वशिष्ठ और फॉरेंसिक डेमोस्ट्रेटर देबाशीष सोम को भी भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में पूछताछ के लिए एजेंसी के निजाम पैलेस कार्यालय में बुलाया है।

हिमाचल में सर्वदलीय बैठक से भाजपा ने किया किनारा

शिमला, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

हिमाचल विधानसभा के मानसून सत्र से पहले सोमवार को अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। मगर इसमें विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नदारद रहा।

श्री पठानिया ने कहा, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के कहने पर बैठक की तारिख तय की थी। मगर वह अस्वस्थ होने की वजह से मीटिंग में नहीं आ पाएं। भाजपा से चीफ व्हिप के तौर पर मीटिंग में आने वाले सुखराम चौधरी और विनोद कुमार भी मीटिंग में नहीं आए। उन्होंने कहा कि सुखराम चौधरी हरियाणा में है और विनोद कुमार के परिवार में किसी का निधन हुआ है। श्री पठानिया ने कहा, विपक्ष के नेता से दूरभाष पर उनकी बात हुई है। उन्होंने सदन की कार्यवाही में पूरा सहयोग करने का भरोसा दिया है। वहीं संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने विपक्ष की गैर मौजूदगी

पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, यह परंपरा सही नहीं है और दुर्भाग्यपूर्ण है।

सर्व दलीय बैठक में विपक्ष की गैर मौजूदगी पर श्री चौहान ने बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा,सर्वदलीय मीटिंग में नहीं आना अच्छी परंपरा नहीं है। विपक्ष का कोई भी नेता मीटिंग में शामिल नहीं हुए। लोकतंत्र में हमे इन परंपराओं का राजनीति से ऊपर उठकर निर्वहन करना चाहिए। सदन की कार्यवाही की शुरुआत मंगलवार को दिवंगत पूर्व विधायक टेक चंद डोगरा, दौलत राम चौधरी और नारायण सिंह स्वामी के शोकोद्गार से होगी। श्री पठानिया ने बताया कि कल सदन में भारी बरसात से हुए नुकसान पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा, इस बार का मानसून सत्र ऐतिहासिक है। पूर्व में कभी भी मानसून सत्र में 10 सीटिंग नहीं हुई। चुने हुए प्रतिनिधियों की ज्यादा से ज्यादा आवाज उठाने के मकसद से 10 सीटिंग का सत्र बुलाया गया है। श्री चौहान ने कहा कि पहली बार मानसून सत्र में 10 बैठकर आयोजित होने जा रही हैं। इससे पहले सत्र में सिर्फ पांच से छह बैठकें ही आयोजित होती रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष के साथ समन्वय से चलना चाहता है, लेकिन विपक्ष एक नकारात्मक भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि आज विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक में न आकर एक गलत परंपरा स्थापित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने विपक्ष में रहते हुए हमेशा ही लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन किया, लेकिन भाजपा इससे पीछे हट रही है।

दुनियाभर की जरूरतों को पूरा करने वाली नई पीढ़ी तैयार करेगी एनईपी: प्रधान

भुवनेश्वर, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने दुनिया की जरूरतों को पूरा करने और भविष्य के लिए नयी पीढ़ी तैयार करने के लिए शिक्षा को प्राथमिकता दी है।

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर ओडिशा के अंगुल जिले के बनमालीपुर ब्लॉक में ओडिशा मॉडल स्कूल के नए भवन और छात्रावास का उद्घाटन करते हुए श्री प्रधान ने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक और शहरी क्षेत्र में दो स्कूल पीएम श्री स्कूल के रूप में विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि ओडिशा में लगभग 800 स्कूलों को पीएम श्री स्कूल के रूप में विकसित करने की योजना है। यह स्कूल अथमलिक उपखंड में मूल परंपरा को आगे बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाएगा। श्री प्रधान ने शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क क्षेत्र में 94.83 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला

रखी, जिससे छात्रों और आम जनता को लाभ मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने जिला कलेक्टर को जिले के सभी विभागों को एक साथ लाने और अथमलिक के सभी गांवों में सिंचाई और खेती की गतिविधियों को बढ़ाने की योजना बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अथमलिक उपमंडल को आदर्श उपमंडल बनाने के लिए हमें सामूहिक जिम्मेदारी लेनी होगी।

शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, परिवहन व्यवस्था के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और रोजगार हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। श्री प्रधान ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कल्याणकारी सरकार और ओडिशा में मोहन चरण माझी के नेतृत्व में लोकप्रिय सरकार बनी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ओडिशा में भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई सुभद्रा योजना के तहत महिला लाभार्थियों को सालाना 10,000 रुपये दिए जाएंगे और 5 साल में कुल 50,000 रुपये सीधे उनके बैंक खातों में जमा किए जाएंगे। इस योजना से 01 करोड़ से अधिक माताएं लाभान्वित होंगी और उन्होंने कहा कि यह माताओं को सशक्त बनाने की ओडिशा की सबसे बड़ी योजना होगी।

बंगाल सरकार और पुलिस ने छात्रों के आहूत मार्च को अवैध करार दिया

कोलकाता, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की वित्त, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल छात्र समाज की ओर से मंगलवार को आहूत नबन्ना अभिजन अथवा राज्य सचिवालय तक मार्च अवैध और शहर में व्यापक अशांति भड़काने का प्रयास है।

छात्र संगठन ने नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में पीड़िता के लिए न्याय की मांग और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए कल मार्च का आह्वान किया है। सुश्री भट्टाचार्य ने कहा कि हावड़ा में राज्य सचिवालय तक प्रस्तावित मार्च को अभी तक पुलिस की अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि कोलकाता पुलिस से मामला केन्द्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद भी यह जनजीवन को प्रभावित करने और आम लोगों को भड़काने की यह एक चाल है।

पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) एम के वर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि प्रस्तावित मार्च अवैध और गैर कानूनी है तथा निहित स्वार्थों के लिए आम जनता को भड़काने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि नबन्ना एक अत्यधिक प्रतिबंधित क्षेत्र है और इसके पास किसी भी तरह की बैठक करना और जुलूस निकाला इस क्षेत्र में प्रतिबंधित है, हालांकि इस क्षेत्र में धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023, 25 अगस्त से लागू है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए पुलिस तैनात की जाएगी ताकि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की परीक्षा के लिए आने वाले परीक्षार्थी

अपने गंतव्य तक बिना किसी परेशानी के सुरक्षित पहुंच सकें।

दक्षिण बंगाल के पुलिस एडीजी सुप्रतिम सरकार ने कहा कि उनके पास विशेष जानकारी है कि कुछ अराजक तत्व कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में ऐसा कोई पश्चिम बंगाल छात्र समाज संगठन नहीं है। श्री सरकार ने कहा कि पुलिस आयुक्तालय (हावडा) ने छात्र संगठन से प्रस्तावित नबन्ना अविजन का लिखित विवरण देने की अपील की थी, लेकिन अभी तक छात्र संगठन को ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने दावा किया कि कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करने और बाद में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की मांग करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने भारतीय जनता पार्टी और वाम दलों के साथ मिलकर यह मार्च बुलाया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ तत्व इसका फायदा उठा सकते हैं और राज्य में शांति भंग करने के लिए अराजकता पैदा करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

उधर केन्द्रीय मंत्री एवं बंगाल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदान ने कहा कि भाजपा ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन मार्च नहीं बुलाया है, लेकिन उनकी पार्टी राज्य सरकार के उत्पीड़न के खिलाफ किसी भी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण आंदोलन को नैतिक समर्थन करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कोई भाजपा कार्यकर्ता बिना पार्टी के झंडे के जूलूस में शामिल होने की इच्छा रखता है तो वह इसके लिए स्वतंत्र है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार भाजपा की आवाज को दबाने के लिए बल या किसी अलोकतांत्रिक तरीके का इस्तेमाल करना चाहती है तो पार्टी नबन्ना मार्च के लिए किसी अन्य दिन अलग से आह्वान करेगी। भाजपा राज्य सभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने भी कल के प्रस्तावित मार्च में शामिल होने की बात से इंकार किया है और यह और दोहराया कि अगर कोई पार्टी कार्यकर्ता इसमें शामिल होता है, तो यह उसकी व्यक्तिगत निर्णय होगा। अभाविप ने भी स्पष्ट किया है कि उसने इस मार्च का आह्वान शुरू नहीं किया, लेकिन वह मृतक महिला डॉक्टर के लिए न्याय की गुहार लगाने के लिए किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन का समर्थन करता है।

रजनीकांत के बयान पर तमिलनाडु में मचा है सियासी भूचाल

चेन्नई, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

फिल्म अभिनेता रजनीकांत के बयान को लेकर तमिलनाडु में सियासी भूचाल आ गया है। डीएमके नेताओं ने रजनीकांत को घेरना शुरू कर दिया है। तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके नेता दुरई मुरुगन ने अभिनेता रजनीकांत पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि फिल्मों में भी कुछ पुराने अभिनेता ऐसे हैं जो युवा कलाकारों को आगे नहीं आने दे रहे हैं।

तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि पर एक पुस्तक विमोचन समारोह में अभिनेता रजनीकांत ने कहा था कि यह बेहद हैरान करने वाली बात है कि एक स्कूल में शिक्षक (एमके स्टालिन) को नए छात्रों को संभालने में कोई दिक्कत नहीं होती।

जितनी समस्या पुराने छात्रों को संभालने में होती है। क्योंकि पुराने छात्र सामान्य नहीं हैं। वे तो रैंक धारक छात्र हैं और कक्षा (डीएमके) को नहीं छोड़ेंगे। खासकर तब जब पार्टी में दुरई मुरुगन जैसे नेता हों। रजनीकांत ने कहा था कि दुरई मुरुगन से कुछ पूछो तो वह अच्छा कहेंगे, लेकिन हम भ्रमित हो जाते हैं कि वह खुशी से बोल रहे हैं या निराशा है। इतना सब कुछ संभालने के लिए स्टालिन सर को सलाम।

रजनीकांत की इस टिप्पणी पर तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके नेता दुरई मुरुगन ने कहा कि यह ठीक वैसा ही है, जैसा फिल्मों में है। फिल्मों में कुछ पुराने अभिनेताओं के कारण नए युवा कलाकार आगे नहीं आ पा रहे हैं। पुराने कलाकार दाढ़ी बढ़ने, सारे दांत टूटने और मरणासन्न अवस्था में भी अभिनय कर रहे हैं।

तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि युवा डीएमके में आने के लिए तैयार हैं। हमें केवल उन्हें जगह देनी है और उनका मार्गदर्शन करने के लिए उनका हाथ पकड़ना है। सुपरस्टार रजनीकांत का भाषण सभी ने देखा होगा। रजनीकांत ने जो कहा उस पर मैं कुछ नहीं कहूंगा। क्योंकि अगर कहूंगा तो सभी सोचेंगे कि मैं अपने दिल में कुछ लेकर बोल रहा हूं। भाषण प्रतियोगिता की अच्छी प्रतिक्रिया को देखते हुए मैं यूथ विंग की ओर से अनुरोध करता हूं कि हर साल यह भाषण प्रतियोगिता होनी चाहिए। तमिलनाडु के मंत्री दुरई मुरुगन के बयान को लेकर अभिनेता रजनीकांत ने कहा कि वह मेरे पुराने दोस्त हैं। उन्होंने जो भी कहा वह कोई मुद्दा नहीं है। हमारी दोस्ती हमेशा जारी रहेगी। मैं विजय को भी अपनी पार्टी का झंडा पेश करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

रजनीकांत की पुराने छात्र वाली टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता और तमिलनाडु सरकार की मंत्री डॉ. तमिलिसाई एस राजन ने कहा कि डीएमके दुरई मुरुगन और टीआर बालू जैसे नेताओं की वजह से वट वृक्ष बनी है, न एमके स्टालिन या उदयनिधि स्टालिन की वजह से। इन नेताओं ने पार्टी को खड़ा करने के लिए आधी सदी तक कड़ी मेहनत की है। किसी को भी इन वरिष्ठ नेताओं को अनादर नहीं करना चाहिए। रजनीकांत ने जो टिप्पणी की है। मैं दुरई मुरुगन का समर्थन करती हूं।

तटरक्षक बल ने समुद्र में फंसे 11 नाविकों को बचाया

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय तट रक्षक बल ने रविवार रात एक साहसिक अभियान चलाकर एक माल-वाहक जहाज के डूबने के बाद जीवन रक्षक नौकाओं में फंसे 11 नाविकों को समय रहते सुरक्षित बचा लिया।

भारतीय तट रक्षक के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि मुंबई में पंजीकृत यह सामान्य मालवाहक जहाज एमवी आईटीटी प्यूमा कोलकाता से पोर्ट ब्लेयर के रास्ते में सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल) से लगभग 90 समुद्री मील दक्षिण में डूब गया था।

समुद्री खोज एवं बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) चेन्नई को रविवार को इन नाविकों की ओर से देर शाम संकट संबंधी संकेत प्राप्त हुआ। कोलकाता स्थित तटरक्षक के क्षेत्रीय मुख्यालय (उत्तर पूर्व) ने तुरंत दो जहाजों और एक डोर्नियर विमान को वहां भेजा। रात के समय उपयोग किये जाने वाले उन्नत सेंसरों से लैस डोर्नियर विमान ने जीवनरक्षक नौकाओं को ढूढ़ लिया और उसे संकट में फंसे चालक दल की ओर से जीवित रहने संबंधी सूचक लाल रोशनी दिखाई दी।

इसके बाद तटरक्षक जहाजों ने विमान द्वारा निर्देशित स्थान पर जीवनरक्षक नौकाओं को खोज लिया और चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद जहाज सारंग और अमोघ ने इन नौकाओं पर सवार 11 नाविकों को बचा लिया।

महिलाओं को सुरक्षित परिवेश देने के लिए त्वरित न्यायालय स्थापित करे बंगाल सरकार: अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नूपूर्णा देवी ने पश्चिम बंगाल में बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के अंतर्गत आवंटित त्वरित विशेष न्यायालय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा है कि राज्य सरकार को महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित परिवेश बनाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को रविवार को लिखे एक पत्र में कहा कि वर्ष 2019 में राज्य के लिए 123 त्वरित विशेष न्यायालय आवंटित किये गये थे, लेकिन जून 2023 तक एक भी न्यायालय आरंभ नहीं किया जा सका। राज्य में 48 हजार 600 से ज्यादा दुष्कर्म और पॉक्सो से संबंधित मुकदमे लंबित है। बाद में राज्य सरकार के अनुरोध पर 17 त्वरित विशेष न्यायालय आवंटित किये गये, जिनमें से मात्र छह पॉक्सो न्यायालय आरंभ हो पाये हैं। शेष 11 त्वरित विशेष न्यायालय स्थापित करने के लिए राज्य

सरकार ने अभी तक कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित परिवेश उपलब्ध कराने के लिए इस दिशा में शीघ्रता से कदम उठाने चाहिए। इस पत्र की प्रति सोमवार को यहां जारी की गयी।

इससे पहले सुश्री बनर्जी ने महिला सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा था और महिलाओं के प्रति अपराध रोकने के लिए एक सख्त केंद्रीय कानून की मांग की थी। पत्र में अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि 30 जून 2024 तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 752 त्वरित विशेष न्यायालय कार्यरत हैं, जिनमें से 409 न्यायालय पॉक्सो के लिए निर्धारित हैं। इनमें दो लाख 53 हजार से ज्यादा मामलों का निपटारा किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संकटापन्न महिलाओं और बच्चों के लिए हेल्पलाइन नंबर 181, 112, 1098 और 1930 पिछले कुछ वर्ष में आरंभ किये गये हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के निवासियों को इनका लाभ नहीं मिल पा रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने संबंधित योजनाओं को लागू ही नहीं किया है।

अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि एक जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता 2023 पूरे देश में लागू की जा चुकी है जिसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के लिए उम्र कैद तथा आजीवन कैद और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को संबंधित प्रावधानों और व्यवस्थाओं को लागू करना चाहिए जिससे महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित और भयमुक्त परिवेश उपलब्ध कराया जा सके।

रिजर्व पुलिस लाइन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

यूपी पुलिस ने हानि-लाभ की चिंता के बिना कर्म को प्रधान माना: सीएम योगी

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस बल ने हानि-लाभ की चिंता के बिना कर्म को प्रधान माना। जिस पुलिस व प्रदेश को सबसे फिसड्डी मान लिया गया था। आज वह देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है। कानून व्यवस्था का मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। अब प्रदेश में हर ओर सुख, शांति व सद्भावना है। प्रदेश के सभी 1585 थानों, 75 पुलिस लाइंस, 90 से अधिक जेलों में भव्यता से यह आयोजन हो रहा है, लेकिन 10 साल पहले यह संभव नहीं था। सरकारें डरती थीं कि आयोजन करेंगे तो क्या लाभ होगा।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने रिजर्व पुलिस लाइंस में सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी बातें रखीं। सीएम ने दीप प्रज्ज्वलन व भगवान श्रीकृष्ण के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद भी लिया। सीएम ने कहा कि श्रीमद्भगवतगीता में भगवान श्रीकृष्ण भी अर्जुन से यही कहते हैं कि कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन... हे अर्जुन, तुम कर्म करो, फल की चिंता न करो। उन्होंने कहा कि हम अक्सर कर्म से पहले लाभ-हानि की चिंता करते हैं। ऐसा करने से हम उसके पुण्य से वंचित हो जाते हैं। अच्छा करेंगे तो अच्छा होगा, बुरा करेंगे तो पाप से कोई मुक्त नहीं कर सकता। लोककल्याण का कार्य किया है तो उसके पुण्य से कोई ताकत वंचित नहीं कर सकती। कर्म की प्रेरणा महत्वपूर्ण है।

सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण श्री हरि विष्णु के पूर्व अवतार के रूप में मान्य हैं। यह वर्ष भारत के शास्त्रों की मान्यता के अनुसार लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण के 5251वें जन्मोत्सव का है। उनकी लीलाओं का क्रम जन्म से ही प्रारंभ हुआ। इस धराधाम पर 125 वर्ष 8 महीने व्यतीत करने के बाद अपनी लीला को उन्होंने विश्राम दिया। अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से लंबे समय तक उनकी लीलाओं को हम लोग प्रमाण के रूप में प्रयोग करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि श्रीमद्भगवतगीता दुनिया का एकमात्र ऐसा पावन ग्रंथ है, जिसका अमर ज्ञान उन्होंने युद्ध भूमि में अर्जुन को दिया। घर-घर में ग्रंथ के रूप में श्रीमद्भगवतगीता की हम लोग पूजा करते हैं तो भारत की न्यायपालिका भी उस ग्रंथ के प्रति उतनी ही श्रद्धा का भाव रखती है, जितना सनातन धर्मावलंबी रखता है।

श्रीमद्भगवतगीता को मोक्ष ग्रंथ भी माना गया है। सीएम योगी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में चार महत्वपूर्ण पुरुषार्थ (धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष) हैं। आधारशिला धर्म से प्रारंभ होती है। वह कर्मों के माध्यम से अर्थ का उपार्जन करता है। जब कामनाओं की सिद्धि में उसका उपभोग करता है तो मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। यह सामान्य मान्यता है, लेकिन श्रीमद्भगवतगीता के महत्वपूर्ण उपदेश आज भी हर भारतवासी को नई प्रेरणा प्रदान करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के मुख्य समारोह में पीएम ने कहा था कि हमें अगले 25 वर्ष की कार्ययोजना के मुताबिक कार्य करना है यानी 2047 की जो पीढी होगी, उसे हम विकसित भारत देंगे। जहां हर चेहरे पर खुशहाली होगी। कहीं दुख, दरिद्रता, अराजकता, गुंडागर्दी नहीं होगी। हर हाथ को काम और हर खेत को पानी होगा। इस संकल्प के साथ हम आगे बढ़ेंगे। 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पीएम मोदी ने पंच प्रण की बात कही। पंचप्रण में सबसे महत्वपूर्ण प्रण नागरिक कर्तव्य है। सीएम योगी ने कहा कि हर नागरिक के अपने कर्तव्य भी होंगे। हर कोई अधिकार की बात करता है,लेकिन कर्तव्यों की चर्चा नहीं करता। जीवन में सफलता के लिए समाधान का मार्ग अपनाइए। जब लक्ष्य समाधान होगा तो सफलता प्राप्त होगी। जब समस्या पर चिंतन करेंगे तो दस बहाने मिल जाएंगे। टालमटोल से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। समाधान के लिए बहाना नहीं, बल्कि परिश्रम, कर्म और पुरुषार्थ चाहिए। श्रीमद्भगवतगीता जैसा ग्रंथ कर्म की प्रेरणा देता है। प्रभु ने कुरुक्षेत्र में आमने-सामने खडी लाखों सेनाओं के बीच यही संदेश दिया। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसने धर्म व कर्म की प्रेरणा दी। उसका उपदेश रणभूमि में दिया गया है। यह उपदेश कर्म का है। कर्म के बिना धर्म, अर्थ व कामनाओं का साधन पूर्ण नहीं हो सकता है। न ही मुक्ति प्राप्त हो सकती है। भारतीय मनीषा ने हमेशा कर्म को प्रधानता दी है।

सीएम ने कहा कि हमारे मन में विरासत के प्रति गौरव की अनुभूति होनी चाहिए। विरासत का सम्मान करते हुए विकास को बढ़ाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि हर कोई अपने क्षेत्र में नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करे। हमारे सामने लक्ष्य होना चाहिए कि मेरा हर कर्म देश के नाम होगा। देश के लिए सब कुछ समर्पित करूंगा, इस भाव के साथ कार्य करेंगे तो प्रभु की कृपा बनी रहेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, संजय सेठ, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, मुख्य सचिव मनोज सिंह, अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार आदि मौजूद रहे।

योगगुरु स्वामी रामदेव ने की सीएम योगी से शिष्टाचार भेंट

गोरखपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पतंजलि योगपीठ के संस्थापक, विश्व विख्यात योगगुरु स्वामी रामदेव ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सोमवार रात गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। स्वामी रामदेव गोरखनाथ मंदिर पहुंचने पर काफी भाव विह्वल नजर आए।

सोमवार रात गोरखनाथ मंदिर पहुंचे स्वामी रामदेव ने सबसे पहले गुरु गोरखनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से शिवावतार भगवान गोरखनाथ का दर्शन पूजन किया। दंडवत होकर श्रद्धा निवेदित की। इसके बाद वह राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की समाधि स्थल पर गए और ब्रह्मलीन महंत जी की प्रतिमा के समक्ष मत्था टेककर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। दर्शन पूजन के उपरांत उन्होंने रात में ही गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। स्वामी रामदेव ने गोरक्षपीठाधीश्वर को प्रणाम करने के बाद गुलाब के फूलों की माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। सीएम योगी ने भी पुष्प गुच्छ देकर स्वामी रामदेव का स्वागत किया। मंदिर का परंपरागत प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही स्वामी रामदेव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से योग, सामाजिक और राष्ट्रीय जागरण के मुद्दों पर विमर्श किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी रामदेव को अपने गुरुदेव की स्मृति में तीन खंडों में संकलित ग्रंथ राष्ट्रीयता के अनन्य साधक महंत अवेद्यनाथ की प्रतियां भेंट कीं।

सरकारी स्कूल में नमाजी टोपी पहने बच्चे कर रहे पढ़ाई

शिक्षिका बड़ी बदतमीजी से पोंछ देती है हिंदू छात्रों का तिलक

बिजनौर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के एक सरकारी स्कूल में मुस्लिम छात्रों का नमाजी टोपी पहन कर पढ़ाई करते हुए वीडियो वायरल होने के बाद बवाल मचा हुआ है। आरोप है कि टोपी लगा कर स्कूल आने का फरमान उन्हें उनके ही स्कूल के एक मुस्लिम टीचर ने सुनाया है।

इन बच्चों को जुमे के दिन यानी शुक्रवार को मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए भी ले जाया जाता है। बताया यह भी जा रहा है कि इसी स्कूल में हिंदू बच्चों को तिलक लगा कर आने पर टोका भी गया है। एक शिक्षिका ने बड़ी बदतमीजी से हिंदू छात्रों का तिलक पोंछ दिया। जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी ने इस पूरे मामले में जांच के आदेश दिए है।

यह मामला बिजनौर जिले के बनेड़ा स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय का है। यहां पढ़ने वाले कुछ हिंदू छात्रों ने शिकायत की है कि जब वो स्कूल में तिलक लगा कर गए तो उसे पोंछ दिया गया। यह आरोप स्कूल की टीचर आएशा पर लगा है। मयंक नाम के छात्र का यह भी कहना है कि जब उन्हीं के कई मुस्लिम सहपाठी नमाजी टोपी पहन कर स्कूल आते हैं तो उनको कोई नहीं रोकता। कुछ अन्य हिंदू बच्चों के परिजनों की भी यही शिकायत है।

इस मामले के सामने आने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपत्ति दर्ज की है। आरएसएस के खंड कार्यवाह रोहित ने बताया कि स्कूल के कुछ छात्र उनकी शाखा में भी आते है।

इन बच्चों ने यहां खुद को स्कूल टीचर आएशा के दोहरे भेदभाव से पीड़ित बताया। बकौल रोहित स्कूल के कुछ मुस्लिम छात्रों को तो स्कूल टाइम में ही जुमे (शुक्रवार) के दिन पास की एक मस्जिद में भी नमाज के लिए ले जाया जाता है। रोहित ने इस पूरे मामले की जांच और कार्रवाई की मांग उठाई है।

इस मामले में स्कूल के प्रिंसिपल का भी बयान सामने आया है। उन्होंने माना कि स्कूल में नमाजी टोपी लगा कर आना सही नहीं है। बकौल प्रिंसिपल स्कूल के मुस्लिम टीचर ही अपने समुदाय के छात्रों को टोपी पहन कर आने के लिए कहते हैं। प्रिंसिपल ने यह स्वीकार किया कि शुक्रवार के दिन मुस्लिम छात्र पास की मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए जाते हैं।

ये बच्चे स्कूल के मुस्लिम टीचरों के साथ मस्जिद में जाते हैं। प्रिंसिपल ने बताया कि उन्होंने तमाम सीनियर अधिकारियों को इसकी सूचना भेज दी है।

इस मामले में बिजनौर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) का भी बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि मिली शिकायत का संज्ञान ले लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। बकौल बीएसए, जांच के बाद सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सरकारी जमीन कब्जा कर बना दी मस्जिद और मदरसा

कोर्ट ने तत्काल अतिक्रमण ध्वस्त करने का आदेश दिया

फतेहपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में कोर्ट ने सरकारी जमीन पर बनी एक मस्जिद को ध्वस्त करने का आदेश जारी किया है। इस मस्जिद का नाम मदीना मस्जिद है जिसे मुस्लिम समुदाय के लोग वक्फ बोर्ड में रजिस्टर्ड बताते आ रहे थे। हिंदू संगठनों ने इस मस्जिद को अवैध बताते हुए लम्बी कानूनी लड़ाई लड़ी। कोर्ट ने मस्जिद की पैरवी कर रही कमिटी पर जुर्माना भी ठोका है।

यह मस्जिद बिंदकी क्षेत्र के मलवां कस्बे में लगभग 20 साल पहले बनी थी। शुरुआत में इसका आकर काफी छोटा था जो धीरे-धीरे बढ़ाया जाता रहा। वर्तमान में यह मस्जिद कस्बे और आसपास की सबसे बड़ी मस्जिदों में शुमार की जाने लगी थी। साल 2005 से हिंदू संगठनों ने इस मस्जिद को अवैध बताते हुए लम्बी लड़ाई जमीन से ले कर कोर्ट तक लड़ी थी।

उनका आरोप था कि मदीना नाम की इस मस्जिद को ग्राम समाज की सरकारी भूमि को कब्जा कर के बनवाया गया है। आरोप यह भी है कि इस मस्जिद के साथ मदरसा भी बनवा दिया गया था।

हालांकि, मुस्लिम पक्ष इन आरोपों से लगातार इन्कार करता रहा। मस्जिद की पैरवी वक्फ सुन्नी मदीना मस्जिद कमिटी कर रही थी। इस कमिटी की तरफ से हैदर अली कोर्ट में पेश हो रहे थे। हिंदू संगठन की तरफ से बिंदकी तहसीलदार की कोर्ट में केस दायर किया गया था। अपने जवाब में मस्जिद कमेटी ने बताया कि 20 साल पहले मदीना मस्जिद पट्टे पर दी गई जमीन पर बनी थी। हैदर अली ने कोर्ट में जवाब दाखिल करते हुए हिंदू संगठन के आरोपों को बेबुनियाद करार दिया था।

तहसीलदार की अदालत ने दोनों पक्षों सुनवाई का मौका दिया। कोर्ट ने क्षेत्रीय लेखपाल से आख्या मंगवाई।

इस आख्या में साबित हुआ कि मस्जिद अवैध कब्जा कर के बनाई गई थी। अवैध कब्ज़े का यह दायरा लगभग 4 बिस्व बताया गया है। आखिरकार 22 अगस्त को कोर्ट ने मलवां कस्बे की मदीना मस्जिद को सरकारी जमीन पर बना करार दिया। तहसीलदार की कोर्ट ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वो सरकारी भूमि पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त करें। साथ ही पुलिस को कार्रवाई के दौरान पूरी सुरक्षा मुहैया करवाने के निर्देश भी दिए।

तहसीलदार अचलेश सिंह की कोर्ट ने अपने आदेश में मस्जिद कमेटी को 65,500 रुपए जुर्माना भी भरने का आदेश दिया है। हालांकि वक्फ सुन्नी मदीना मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष हैदर अली ने इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में जाने की बात कही है। बताते चलें कि इसी साल 21 जुलाई को फतेहपुर में हिंदू संगठनों ने पंचायत कर के मदीना मस्जिद पर जल्द फैसला देने की मांग की थी। तब जिलाधिकारी ने मामले को 15 दिनों में निस्तारित करवाने का आश्वासन दिया था।

सरकारी स्कूल में मदरसा चला रहे मौलाना को पुलिस ने दबोचा

मौलाना के दो गुर्गे भी गिरफ्तार

सोनभद्र, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में एक सरकारी स्कूल में मदरसे वाली पढ़ाई कराए जाने का मामला सामने आया है। इस स्कूल की तरफ जाने वाले रास्ते को भी बांस-बल्ली लगा कर रोक दिया गया था। इस मामले में एक मौलाना सहित कुल 3 लोगों को नामजद किया गया है। शुक्रवार 24 अगस्त को पुलिस ने केस दर्ज कर के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में मौलाना जहीरुद्दीन, जमशेर और साबिर हुसैन हैं। स्कूल के सहायक अध्यापक अमीन अहमद अंसारी को निलंबित कर दिया गया है।

घटना सोनभद्र के थाना क्षेत्र कोन की है। यहां के क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) मेंबर सोमारू पटेल ने बताया कि ग्राम पंचायत बरवाखाड़ इलाके में बने प्राथमिक विद्यालय में पिछले 15 दिनों से छुट्टी है। आरोप है कि इस छुट्टी में बंद पड़े स्कूल की चाबी प्रिंसिपल ने मौलाना जहीरुद्दीन को दे दी। जमीरुद्दीन इस स्कूल में मदरसे की तर्ज़ पर मुस्लिम बच्चों को उर्दू सहित अन्य इस्लामी किताबें पढ़ाने लगा और दीनी तालीम देना शुरू कर दिया।

जब इसकी जानकारी अन्य ग्रामीणों हुई तो उन्होंने विरोध शुरू कर दिया। इस स्कूल के सहायक अध्यापक अमीन अंसारी हैं जिन पर आरोप है कि उन्होंने यहां की चाबी मौलाना को दे दी थी। सोमारू पटेल ने अमीन अंसारी को ऐसा करने से रोका तो आसपास के कुछ मुस्लिमों ने बांस और बल्ली लगा कर स्कूल का रास्ता ही रोक दिया। आरोप है कि रास्ता रोकने वालों ने कहा कि अगर मदरसा नहीं चला तो परिषदीय स्कूल भी नहीं चलने दिया जाएगा। शुक्रवार को जब बच्चे स्कूल पहुंचे तो उन्हें रास्ता बंद मिला।

मामले की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठन के सदस्य भी स्कूल पहुंचने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रास्ते में लगाए गए अवरोध को हटवाया और फिर तहरीर ले कर जांच शुरू कर दी। स्कूल में मदरसा चला रहे मौलाना जहीरुद्दीन के साथ रास्ते को रोकने के आरोप में साबिर हुसैन और जमशेर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन सभी आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196, 285 और 121 (1) के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं शिक्षा विभाग ने आरोपित सहायक अध्यापक अमीन अहमद अंसारी को सस्पेंड कर दिया है। पुलिस और शिक्षा विभाग इस मामले की जांच करवा रहा है।

जन्माष्टमी पर योगी ने किया दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण

सावधान रहें और एकजुट रहें अगर बटेंगे तो कटेंगे: योगी

आगरा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा में जन्माष्टमी के अवसर पर सीएम योगी ने दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण किया। ताजगंज के पुरानी मंडी चौराहे पर राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद उन्होंने कहा कि आगरा के कण-कण में कन्हैया का वास है। यहां कला है, आस्था है, समर्पण है, विश्वास है। यही राष्ट्र निष्ठा बढ़ाती है।

सीएम योगी ने कहा कि समाज, जाति, भाषा के नाम पर बांटने वाली ताकतों से सावधान रहना होगा। दुर्गादास राठौर का यही संकल्प था। सबसे बड़ी सत्ता के सामने जमींदारों के लिए घुटने टेक दिए थे। उनका कोई नाम लेने वाला नहीं है। दुर्गादास का नाम मारवाड़, एमपी में अमर हैं। हमें महापुरुषों का नाम याद रखना होगा। विधायक डॉ. धर्मेश आए थे, 13 को आना था, पर अब आ पाया। 10 साल से मूर्ति मेरा इंतजार कर रही थी। जिस दिन कृष्ण आए, उस दिन लोकार्पण हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश से सबक सीखिए, एक रहना है। बंटना नहीं है। बटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे।

मायावती ने भाजपा को सराहा, कांग्रेस की मंशा पर उठाए सवाल

1995 में कहां थे, जब सपा ने कराया था हमला?

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर एससी-एसटी आरक्षण को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला है। मायावती ने गेस्ट हाउस कांड का जिक्र कर सपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। बसपा सुप्रीमो ने कांग्रेस की चुप्पी पर सवाल उठाए। मायावती ने आरोप लगाया कि केंद्र में सरकार होते हुए भी कांग्रेस ने अपना दायित्व नहीं निभाया था। इस दौरान मायवती ने भाजपा की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उन्हें बचाया था।

मायावती ने कहा, सपा जिसने 2 जून 1995 में बीएसपी द्वारा समर्थन वापसी पर मुझ पर जान-लेवा हमला कराया था तो इस पर कांग्रेस कभी क्यों नहीं बोलती है? जबकि उस दौरान केंद्र में रही

कांग्रेसी सरकार ने भी समय से अपना दायित्व नहीं निभाया था।

तभी फिर मान्यवर कांशीराम जी को अपनी बीमारी की गम्भीर हालत में भी हॉस्पिटल छोड़कर रात को इनके गृह मंत्री को भी हड़काना पड़ा था तथा विपक्ष ने भी संसद को घेरा, तब जाकर यह कांग्रेसी सरकार हरकत में आई थी। क्योंकि उस समय केंद्र की कांग्रेसी सरकार की भी नीयत खराब हो चुकी थी, जो कुछ भी अनहोनी के बाद यहां यूपी में राष्ट्रपति शासन लगाकर, पर्दे के पीछे से अपनी सरकार चलाना चाहती थी, जिनका यह षड़यंत्र बीएसपी ने फेल कर दिया था। मायावती ने कहा, उस समय सपा के आपराधिक तत्वों से भाजपा सहित समूचे विपक्ष ने मानवता व इंसानियत के नाते मुझे बचाने में जो अपना दायित्व निभाया है तो इसकी कांग्रेस को बीच-बीच में तकलीफ क्यों होती रहती है, लोग सचेत रहें। इसके इलावा, बीएसपी वर्षों से जातीय जनगणना के लिए पहले केंद्र में कांग्रेस पर और अब भाजपा पर भी अपना पूरा दबाव बना रही है, जिसकी पार्टी वर्षों से इसकी पक्षधर रही है तथा अभी भी है। लेकिन जातीय जनगणना के बाद, क्या कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों का वाजिब हक दिला पाएगी? जो एससी/एसटी आरक्षण में वर्गीकरण व क्रीमीलेयर को लेकर अभी भी चुप्पी साधे हुए है, जवाब दे।

संपादकीय

गृहमंत्री शाह के कांग्रेस को प्रश्न

जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर प्रदेश का जन उत्साहित है वहीं सत्ता की प्राप्ति के लिए राजनीतिक हलचल तेज होती जा रही है। पिछले दिनों नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी के बीच विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन हुआ था। नैशनल कान्फ्रेंस ने घोषणा की थी कि अगर वह सत्ता में आती है तो जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देगी, साथ में अनुच्छेद 370-35ए की भी वापसी करेगी। कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस के हुए गठबंधन को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस से 10 प्रश्नों के उत्तर मांगे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने पूछा क्या कांग्रेस जम्मू- कश्मीर के लिए पृथक झंडे के नैशनल कान्फ्रेंस के वादे का समर्थन करती है, क्या राहुल गांधी व उनकी कांग्रेस अनुच्छेद-370 और 35ए बहाल करने के नैशनल कान्फ्रेंस के वादे का समर्थन करते हैं और ऐसा करते हुए क्या वे जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति एवं आतंकवाद के दौर में धकेलना चाहते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सभी 90 सीटों पर गठबंधन करने का ऐलान किया है और ये दोनों वादे नैशनल कान्फ्रेंस के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा हैं। गृहमंत्री ने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या वह कश्मीर के युवाओं के बजाय पाकिस्तान के साथ बातचीत में शामिल होकर फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देना चाहती है। नैशनल कान्फ्रेंस बार-बार पाकिस्तान के साथ सीमा पार व्यापार को फिर से स्थापित करने की वकालत कर रही है। शाह के कांग्रेस से सवालों में यह भी शामिल है कि क्या वह आतंकवाद और पत्थरबाजी में शामिल लोगों के स्वजन को फिर से सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को फिर लाने का समर्थन करती है। क्या कांग्रेस दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाडियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के नेशनल कान्फ्रेंस के वादे के साथ है। दरअसल दलितों, पिछड़ों को आरक्षण समेत कई योजनाएं जम्मू-कश्मीर में सिर्फ इसलिए बहाल हो पाई हैं क्योंकि वहां से विशेष राज्य का दर्जा खत्म हो गया और अब पूरी तरह भारतीय संविधान लागू है। शाह ने कहा कि क्या कांग्रेस चाहती है कि शंकराचार्य पर्वत तख्त- ए-सुलेमान और हरि पर्वत कोह-ए- मारन के नाम से जाने जाएं। अमित शाह ने कांग्रेस से यह भी पूछा कि क्या वह जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को एक बार फिर भ्रष्टाचार की आग में झोंककर पाकिस्तान समर्थित गिने- चुने परिवारों के हाथों में सौंपने का समर्थन करती है। गृह मंत्री ने कांग्रेस और राहुल से जानना चाहा कि क्या वे कश्मीर को स्वायत्तता देने की नेशनल कान्फ्रेंस की विभाजनकारी सोच व नीतियों का समर्थन करते हैं और क्या वे नेशनल कान्फ्रेंस के जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करते हैं। भारतीय राजनीति का कमजोर पहलू यह ही है कि राजनीतिक हित को देखते हुए राजनीतिक दल व उनके कुछ नेता राष्ट्रहित की ही अनदेखी कर जाते हैं। जम्मू-कश्मीर के चुनावों में जिस तरह अनुच्छेद 370-35ए की वापसी तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की घोषणा करना स्थानीय लोगों की भावनाओं को भडक़ाने के सिवा कुछ भी नहीं, क्योंकि यह दोनों बदलाव संसद द्वारा पारित बिलों के माध्यम से आये हैं और प्रदेश विधानसभा में जीत जाने के बाद भी यह पार्टियां हुए बदलाव से कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकती। कांग्रेस व नैशनल कान्फ्रेंस दोनों पार्टियों के नेता उपरोक्त बात को समझते भी हैं लेकिन तुष्टिकरण की नीति अपनाते हुए जिस राह पर चल पड़े हैं वह देशहित में नहीं हैं, स्वयं कांग्रेस के हित में भी नहीं।

नैशनल कान्फ्रेंस ने घोषणा की थी कि अगर वह सत्ता में आती है तो जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देगी, साथ में अनुच्छेद 370-35ए की भी वापसी करेगी। कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस के हुए गठबंधन को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस से 10 प्रश्नों के उत्तर मांगे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने पूछा क्या कांग्रेस जम्मू- कश्मीर के लिए पृथक झंडे के नैशनल कान्फ्रेंस के वादे का समर्थन करती है, क्या राहुल गांधी व उनकी कांग्रेस अनुच्छेद-370 और 35ए बहाल करने के नैशनल कान्फ्रेंस के वादे का समर्थन करते हैं और ऐसा करते हुए क्या वे जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति एवं आतंकवाद के दौर में धकेलना चाहते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही कांग्रेस और नैशनल कान्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सभी 90 सीटों पर गठबंधन करने का ऐलान किया है और ये दोनों वादे नैशनल कान्फ्रेंस के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा हैं। गृहमंत्री ने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या वह कश्मीर के युवाओं के बजाय पाकिस्तान के साथ बातचीत में शामिल होकर फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देना चाहती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है

महिलाओं को समानता एवं सक्षमता के पंख देने होंगे

ललित गर्ग

सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरुआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को 'महिला समानता दिवस' के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है।

दुनिया भर में, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा से लेकर राजनीति और आर्थिक भागीदारी तक विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के प्रयासों को तीव्र गति देने के लिये महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरुआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को 'महिला समानता दिवस' के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है। यह व्यापक मानवाधिकारों और सतत विकास के साथ लैंगिक समानता के परस्पर संबंध पर जोर देता है।

महिला समानता दिवस से जुड़ा हुआ रंग बैंगनी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह न्याय और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है, और अक्सर दूरदर्शी सोच और महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही लड़ाई को दर्शाने के लिए उपयोग किया जाता है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज हमें महिला समानता दिवस मनाये जाने की आवश्यकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता के कारण महिला समानता ज्यादा अपेक्षित है। भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति

चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में काफी प्रगति देखी गयी है, खासकर शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरुआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोज़गार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। क्योंकि देश में ऐसी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता, अत्याचार एवं उपेक्षा को झेलने के लिए विवश है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है, परन्तु इन सभी के बीच वे महिलाएं जो अपने ही घर में सिर्फ इसीलिए प्रताड़ति हो रही हैं, क्योंकि वह एक औरत है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? दरअसल, इस तरह के हालात की वजह सामाजिक एवं संकीर्ण सोच रही है। पितृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था में आमतौर पर सत्ता के केंद्र पुरुष रहे और श्रम और संसाधनों के बंटवारे में स्त्रियों को हाशिये पर रखा गया है। सदियों पहले इस तरह की परंपरा विकसित हुई, लेकिन अफसोस इस बात पर है कि आज जब दुनिया अपने आधुनिक और सभ्य होने का दावा कर रही है।

दृष्टि कोण

ग्लोबल वार्मिंग बढ़ा रही है पेयजल संकट

दुनिया में पेयजल की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल होती जा रही है। इसका भयावह स्तर इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि आज लगभग 4.4 अरब लोग पीने के साफ पानी से वंचित हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा 135 देशों में किए गए अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि वास्तविक संख्या पहले से बताए गए आंकड़ों से दोगुनी है। यह स्थिति एक चेतावनी है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्वाटिक साइंस एंड टेक्नोलॉजी के शोधकर्ता एस्टर ग्रीनबुड के अनुसार, यह स्थिति अत्यंत भयावह और अस्वीकार्य है कि इतनी बड़ी वैश्विक आबादी की पीने के साफ पानी तक पहुंच नहीं है। विडंबना यह है कि इसके बावजूद दुनिया की सरकारें पेयजल की सुरक्षा और जल संचय के प्रति गंभीरता से क्यों नहीं सोच रही हैं, यह समझ से परे है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि जल संकट वैश्विक स्तर पर एक गंभीर समस्या बन जाएगी और अगर अभी से पानी की बर्बादी पर नियंत्रण नहीं लगाया गया और जल संरक्षण के उपाय नहीं किए गए, तो स्थिति और बिगड़ सकती है, जिसकी भरपाई असंभव हो जाएगी। गौरतलब है कि पानी के मामले में सबसे बड़ा संकट आंकड़ों की कमी है, जो दर्शाता है कि वैश्विक स्तर पर सरकारी नाकामियों का खुलासा हो रहा है। यह तथ्य साबित करता है कि आज भी बहुत कम लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध है। वैज्ञानिक एस्टर ग्रीनबुड के अनुसार, वैश्विक आबादी के केवल आधे हिस्से के लिए ही जल गुणवत्ता से संबंधित आंकड़े उपलब्ध हैं। अमीर देशों के पास भी पानी के स्पष्ट आंकड़े नहीं हैं। ऐसे में, अभावग्रस्त देशों के लोगों को साफ पानी की पहुंच मिल पाना संदेहास्पद है। यह स्थिति दिखाती है कि दुनिया अपने बुनियादी लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी पीछे है, जो अच्छे संकेत नहीं हैं। इन हालातों में, 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मानव कल्याण में सुधार के लिए सतत विकास लक्ष्य के तहत सभी के लिए 2030 तक सुरक्षित और किफायती पेयजल की आपूर्ति का लक्ष्य अब एक सपना ही प्रतीत होता है। इंटरनेशनल ग्राउंड वाटर रिसोर्स असेसमेंट सेंटर के अनुसार, आज भी पूरी दुनिया में लगभग 270 करोड़ लोग हैं जो साल भर में करीब तीस दिन पानी की किल्लत का सामना करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यदि अगले तीन दशकों में पानी का उपभोग केवल एक प्रतिशत की दर से भी बढ़ेगा, तो दुनिया को एक बड़े जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। वैज्ञानिकों की मानें तो साफ पानी की पहुंच से दूर देशों के मामले में दक्षिण एशिया शीर्ष पर है, जहां 1200 मिलियन लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं उपसहारा अफ्रीकी, दक्षिण पूर्व एशिया और लैटिन अमेरिकी देश के लोग साफ पानी से महरूम हैं। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में पानी में दूषित पदार्थों की मौजूदगी सबसे बड़ी समस्या है। गौर करने वाली बात यह है कि 2020 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में लगभग 33 प्रतिशत लोग साफ पानी से वंचित थे, जबकि वर्तमान में एशिया में लगभग 61 प्रतिशत आबादी, अफ्रीका में 25 प्रतिशत, अमेरिका में 11 प्रतिशत और यूरोप में 3 प्रतिशत आबादी साफ पानी की कमी से जूझ रही है। भारत की स्थिति भी चिंताजनक है, जहां 35 मिलियन से अधिक लोग साफ पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। नीति आयोग के अनुसार, यह आंकड़ा 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकता है। यूनिसेफ के अनुसार, भारत में 1.96 करोड़ आवासों में जो पानी उपलब्ध है, उसमें फ्लोराइड और आर्सेनिक की मात्रा अत्यधिक है, जिसके कारण जलजनित रोगों पर सालाना 42 अरब रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। यह जगजाहिर है कि जल हमारे जीवन पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से प्रभाव डालता है। जल संकट के कारण एक ओर कृषि उत्पादकता प्रभावित हो रही है, वहीं दूसरी ओर जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य पर भी खतरा बढ़ता जा रहा है। विश्व बैंक का अनुमान है कि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न जल संकट से 2050 तक वैश्विक जीडीपी को 6 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। इस वैश्विक समस्या के लिए मानवीय गतिविधियां, जिनमें लोभ, स्वार्थ और भौतिकवादी जीवनशैली का अहम योगदान है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए, तो आज भी दो अरब लोगों, यानी 26 प्रतिशत आबादी को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पूरी दुनिया में 436 मिलियन और भारत में 133.8 मिलियन बच्चे ऐसे हैं जिनके पास हर दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी नहीं है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते हालात और खराब होने की आशंका है। दुनिया में हर तीन में से एक बच्चा, यानी 739 मिलियन बच्चे पानी की कमी वाले इलाकों में रह रहे हैं। जल संकट के लिए अत्यंत संवेदनशील 37 देशों की सूची में भारत भी शामिल है।

कुछ अलग

यूक्रेन को यकीन दिलाने की यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा को दुनिया के कई हिस्सों में बहुत करीब से देखा जा रहा है। खुद कीव भी इस यात्रा को लेकर काफी उत्साहित है, क्योंकि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा है। उल्लेखनीय यह भी है कि जुलाई में जब प्रधानमंत्री रूस में थे, तब यूक्रेन ने उनकी आलोचना की थी। उसका कहना था कि मॉस्को जब कीव पर इतनी बर्बरता कर रहा है, तो भारत भला कैसे उसे अपना समर्थन दे सकता है? जाहिर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूक्रेन पहुंचकर उसकी यह शिकायत दूर कर रहे हैं कि मॉस्को से पुरानी दोस्ती के कारण रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत एकतरफा भूमिका निभाता दिख रहा है। देखा जाए, तो इस युद्ध को लेकर भारत का मत शुरू से ही स्पष्ट रहा है। हम युद्ध का अंत बातचीत की मेज पर चाहते हैं और संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता जैसे अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी सिद्धांतों को हर हाल में सुनिश्चित करना चाहते हैं। भारत ने सार्वजनिक तौर पर भले रूस की आलोचना नहीं की, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी मॉस्को यात्रा में सबके सामने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यह जरूर कहा कि यह समय युद्ध का नहीं है और हमें भू-राजनीतिक मसलों का हल गोली-बारूद से नहीं निकालना चाहिए। भारत चूंकि दोनों पक्षों में आपसी बातचीत के जरिये युद्ध का समाधान चाहता है, इसलिए 15-16 जून, 2024 को स्विट्जरलैंड में यूक्रेन मसले का हल निकालने के लिए बुलाए गए अंतरराष्ट्रीय शांति शिखर सम्मेलन में हमने हिस्सा नहीं लिया, क्योंकि उसमें रूस को नहीं बुलाया गया था। प्रधानमंत्री की रूस यात्रा का भी जब पश्चिमी देश विरोध कर रहे थे, तब भी हमने यही कहा था कि भारत इस युद्ध को लेकर अपने स्थापित सिद्धांत पर ही आगे बढ़ रहा है और हम किसी के दबाव में अपनी विदेश नीति नहीं तय करते। बहरहाल, यूक्रेन यात्रा से पहले प्रधानमंत्री पोलैंड में थे, जहां उन्होंने व्यापार, तकनीक और रक्षा संबंधों का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने वहां भारतवंशियों से भी मुलाकात की और पोलैंड को लेकर नई नीतियों का खाका खींचने पर जोर दिया। यह करना जरूरी भी था, क्योंकि पोलैंड मध्य यूरोप का एक अहम देश है। तेज विकास दर के कारण इसे पश्चिम की 'टाइगर इकोनॉमी' कहा जाता है और यूरोप में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। यह अंतरराष्ट्रीय मसलों पर यूरोप के पारंपरिक रुख से इतर अपनी राय रखता है। यूक्रेन संकट पर भी यह लगातार मुखर है और यूरोप के अगुवा देशों में स्थान बनाने को तत्पर है। चूंकि मध्य यूरोप भारत के लिए अहमियत रखता है, इसलिए पोलैंड के साथ करीबी हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। भू-राजनीति भी हमें पोलैंड के नजदीक ले जाती है। उल्लेखनीय है कि भू-राजनीतिक मसलों पर भारत सिर्फ अपना हित नहीं देखता, बल्कि विकासशील व गरीब देशों का रुख भी सामने रखता है। यही कारण है कि हम वैश्विक दक्षिण, यानी 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज बन रहे हैं। चाहे यूक्रेन संकट हो या इजरायल-हमास युद्ध, भारत का रुख इस दायित्व से भी प्रभावित रहा है। इस समय जब दुनिया के तमाम बड़े देश आपस में जूझ रहे हैं, तब गरीब व विकासशील देशों की आवाज बमुश्किल वैश्विक मंचों पर जगह बना पा रही है। ऐसे में, अंतरराष्ट्रीय जगत में अपने बढ़ते कद का लाभ उठाकर भारत उनकी स्वाभाविक सशक्त आवाज बन रहा है। यूक्रेन युद्ध को जल्द खत्म कराने को लेकर भारत यदि तत्परता दिखा रहा है, तो उसकी एक वजह उस पर 'ग्लोबल साउथ' की महती जिम्मेदारी का होना है।

देश दुनिया से

आंदोलन धीमा कर रहे हैं प्रगति के पहियों को

पिछले दस सालों के आंकड़े बता रहे हैं कि वहां उद्योगों की स्थिति पहले से कहीं बेहतर है। इस दौरान जब सरकारों में बदलाव हुआ तो कुछ व्यवधान जरूर आया लेकिन स्थिति फिर से पहले जैसी हो गई। महाराष्ट्र की एक खासियत यह है कि इस राज्य ने बहुत बड़े पैमाने पर प्रवासियों को अपने यहां रोजगार दिया है और उन्हें बराबरी का दर्जा भी दिया जिससे वे भी फल-फूल सकें। लेकिन अभी राज्य में जिस तरह से जातिवादी आंदोलन शुरू कराया गया, वह इसके विकास के लिए ठीक नहीं है। उद्योगपति हमेशा शांतिपूर्ण तरीके से अपना काम करना चाहता है और किसी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहता है। उद्योगों के सुचारु रूप से चलने के लिए यह पहली शर्त है। किसी भी तरह का राजनीतिक या बड़ा सामाजिक विवाद व्यवधान पैदा करता है जैसा हमने बिहार में देखा।

भारत के राज्यों में महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जिसे कॉरपोरेट के मामले में सबसे आगे माना तो जाता ही है, यहां उद्योग-धंधों में भी लगातार बढ़ोतरी होती रही है। इसलिए इसे भारत की वाणिज्यिक राजधानी कहा जाता है। पिछले दस सालों के आंकड़े बता रहे हैं कि वहां उद्योगों की स्थिति पहले से कहीं बेहतर है। इस दौरान जब सरकारों में बदलाव हुआ तो कुछ व्यवधान जरूर आया लेकिन स्थिति फिर से पहले जैसी हो गई। महाराष्ट्र की एक खासियत यह है कि इस राज्य ने बहुत बड़े पैमाने पर प्रवासियों को अपने यहां रोजगार दिया है और उन्हें बराबरी का दर्जा भी दिया जिससे वे भी फल-फूल सकें। लेकिन अभी राज्य में जिस तरह से जातिवादी आंदोलन शुरू कराया गया, वह इसके विकास के लिए ठीक नहीं है। उद्योगपति हमेशा शांतिपूर्ण तरीके से अपना काम करना चाहता है और किसी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहता है। उद्योगों के सुचारु रूप से चलने के लिए यह पहली शर्त है। किसी भी तरह का राजनीतिक या बड़ा सामाजिक विवाद व्यवधान पैदा करता है जैसा हमने बिहार में देखा। वहां ये दोनों हुए और देश का एक संपन्न राज्य देश का सबसे पिछड़ा राज्य बन गया। राजनीतिज्ञों की दबंगई और आरक्षण आंदोलनों के कारण फैली कटुता ने राज्य को बर्बाद कर दिया। यह देखा जा रहा है कि राजनीतिज्ञ ही ज्यादातर मामलों में सामाजिक विवादों को सुलगाते हैं और बढ़ावा देते हैं। इससे राज्य के सामान्य जीवन पर भी असर पड़ता है और उसका असर काम-धंधे तक जाता है। हरियाणा में जाट और गैर-जाट का विवाद कोई नया नहीं है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसे खासी हवा दी गई जिससे राज्य में कई बार आंदोलन हुए और इसका असर उद्योग-धंधों पर भी पड़ा। जाट आरक्षण के नाम पर वहां बहुत उग्र आंदोलन हुए। इसका असर यह हुआ कि कई उद्योगपति, कारखानेदार और कारोबारी राज्य को छोड़कर उत्तराखंड चले गये जहां की सरकार ने आगे बढ़कर उनके लिए कई तरह के कन्सेशन दिये। हरियाणा में यूनियनों के भी उग्र आंदोलन हुए जिन्होंने राज्य के औद्योगिक विकास पर भी असर डाला। हरियाणा को इस बात का गौरव प्राप्त था कि वहां देश का सबसे बड़ा कार कारखाना स्थित है लेकिन यूनियनों के उग्र रूप के कारण कंपनी ने अपने विस्तार का काम रोक दिया। इन दोनों तत्वों के कारण राज्य में उद्योगों का लगना काफी कम हो गया। जातिवाद से हरियाणा को जो क्षति हुई उसका आकलन करना भी मुश्किल है। जब गुजरात में पाटीदारों का आंदोलन हुआ तो वहां भी 2015 में यह उग्र हो गया। सारे राज्य में इसकी आग फैल गई। हिंसा और तोड़फोड़ हुई। यह आंदोलन 2019 तक बदस्तूर चला और उसके दुष्परिणाम सबने देखे। उद्योग-धंधों पर असर तो पड़ा ही, समाज कई भागों में बंट गया जिससे काफी नुकसान हुआ। लेकिन बाद में राज्य सरकार ने केन्द्र के सहयोग से उस पर काबू पा लिया। अब तो गुजरात तेजी से आगे बढ़ता जा रहा है और कई बड़े कारखाने वहां लगे क्योंकि उद्योगपतियों को वहां का माहौल ठीक लग रहा है। यही बात तमिलनाडु पर भी लागू होती है जो देश का सबसे ज्यादा उद्योगों वाला राज्य है। वहां सत्ता के लिए राजनीतिज्ञ सभी तरह के तौर-तरीके तो अपनाते हैं लेकिन सड़कों पर उग्र ढंग से उतरने के लिए जनता को नहीं उकसाते हैं। वहां का कारोबारी माहौल कंपनियों खासकर विदेशी कंपनियों को रास आता है। दरअसल, उद्योग-धंधे लगाने के लिए एक खास किस्म का माहौल चाहिए होता है। अगर हम अतीत में जायें तो पायेंगे कि नब्बे के दशक में आर्थिक सुधारों की घोषणा के बाद हरियाणा में उद्योग लगाने वालों की कतार खड़ी हो गई थी। वहां के शांत माहौल और दिल्ली से नजदीक होने के कारण वहां कई छोटे-बड़े कारखाने लगे। विदेशी निवेश भी वहां खूब आया। यह सिलसिला चलता गया और इसी क्रम में एक मॉडर्न शहर गुड़गांव उभर कर सामने आया जहां रियल एस्टेट का कारोबार खूब फला-फूला। लेकिन अब कारखाने लगने बंद से हो गये हैं। संकीर्णता के आंदोलन और जमीन के बढ़ते भाव के कारण पूंजीपति पैसा लगाने को अब तैयार नहीं हैं। उन्हें लाने के लिए उन्हें इंसेंटिव देना और माहौल को सुधारना जरूरी है। लेकिन सुधारेगा कौन और सुधरेगा कैसे? इसके लिए तो राजनीतिज्ञों को सामने आना होगा। महाराष्ट्र में इस समय कई बड़े और छोटे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। उनमें से कई समाप्ति की ओर अग्रसर हैं। इस राज्य में काफी क्षमता है और यह एक्सपोर्ट का हब बन सकता है क्योंकि इसके पास सभी तत्व मौजूद हैं। समुद्र के तट पर यह राज्य बसा है और यहां कई बड़े तथा छोटे बंदरगाह भी हैं जो निर्यात के लिए उपयुक्त हैं। ऐसे में इस तरह के उद्योगों को बढ़ावा दिया जाये जो निर्यात योग्य सामग्री बनाते हों। ऐसा करना जरूरी है क्योंकि इससे न केवल राज्य के उद्योगों का ग्राफ बढ़ेगा बल्कि रोजगार भी।

आप का नजरिया

जन प्रतिनिधियों पर मुकद्दमे

एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफाम्र्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक 16 वर्तमान सांसदों और 135 विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध के केस दर्ज हैं। इनमें दो सांसदों और 14 विधायकों पर दुष्कर्म के मामले चल रहे हैं। बंगाल के सबसे अधिक जनप्रतिनिधि ऐसे मामलों का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की घोषणा की है। एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान चुनाव आयोग को सौंपे गए मौजूदा सांसदों और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से 4,693 की जांच की। बंगाल के सबसे अधिक 25 सांसद व विधायक महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे हैं। इस मामले में 17 सांसदों-विधायकों के साथ ओडिशा दूसरे पायदान पर है। रिपोर्ट के अनुसार, 16 मौजूदा सांसद और विधायक हैं जिन्होंने आइपीसी की धारा 376 के तहत दुष्कर्म से संबंधित मामले घोषित किए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम 10 साल की सजा का प्रावधान है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। आरोपों में एक ही पीड़िता के खिलाफ बार-बार अपराध करना भी शामिल है, जो इन मामलों की गंभीरता को और दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे मामले सर्वाधिक भाजपा प्रतिनिधियों के हैं। एडीआर ने कई सिफारिशें भी जारी की हैं। उसके मुताबिक, राजनीतिक दलों को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज करना चाहिए, खासकर उन लोगों को जिन पर दुष्कर्म व महिलाओं के खिलाफ अन्य संगीन अपराधों के आरोप हैं। रिपोर्ट में सांसदों व विधायकों के खिलाफ अदालती मामलों की जल्द सुनवाई करने और पुलिस द्वारा पेशेवर व गहन जांच सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। भाजपा और कांग्रेस के पांच-पांच विधायकों पर दुष्कर्म के आरोप हैं। एडीआर ने मतदाताओं से भी ऐसे आरोपों वाले उम्मीदवारों को न चुनने का आग्रह किया है। भारत की राजनीति और राजनेताओं को लेकर चुनाव आयोग के प्रमुख रहे टी.एन शेषन अपनी पुस्तक 'भारत पतन की ओर' में लिखते हैं 'भारत में राजनीति और राजनेताओं के चरित्र में गिरावट अब स्पष्ट, आंतरिक और हिंसक स्तर तक पहुंच गई है। राजनेता अब मात्र लूट से संतुष्ट नहीं होते, वे बहुत पुरानी विदेशी आक्रमणकारियों की शैली को अपनाते हैं-यहां के वतनी को लूटो और उसके बीवी-बच्चों को दास बना लो। हमने इसका एक उदाहरण हाल में ही, नवम्बर 1994 में देखा जब भारत का ध्यान और निश्चयपूर्वक इसके प्रमुख राजनैतिक दलों का ध्यान कर्नाटक और आन्ध्रप्रदेश, सिक्किम तथा गोवा में विधानसभाओं के चुनावों पर केन्द्रित था। बिहार में जनता दल का एक नेता पकड़े जाने के भय से बिहार से गायब था। यह व्यक्ति जो राज्य विधानसभा का सदस्य था, एक सोलह वर्ष की लडक़ी के अपहरण और बलात्कार के मामले में पुलिस द्वारा खोजा जा रहा था। यह मामला सुर्खियों में इसलिए नहीं आया कि इसमें एक नेता फंसा था अपितु इसलिए किं उस महिला ने इसमें साहस दिखाया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बड़ा हमला, लोगों को बसों से उतार गोलियों से भूना, 23 की मौत

क्वेटा, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के मुसाखाइल जिले के राराशम इलाके में सोमवार सुबह दर्जनभर से ज्यादा सशस्त्र संदिग्ध आतंकवादियों ने 23 लोगों को बसों और ट्रकों से उतार-उतारकर गोलियों से भून दिया। हमलावरों ने इन सभी लोगों को वाहनों से नीचे उतारा। फिर उनके नाम-पते पूछे। इसके बाद सभी को गोली मार दी। सूत्रों के अनुसार स्थानीय पुलिस के एक बड़े अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है।

मुसाखाइल के सहायक आयुक्त नजीब काकर ने कहा है कि हथियारबंद लोगों ने जिले के राराशम इलाके में अंतर-प्रांतीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और कई बसों से यात्रियों को उतार लिया। तीन मृतक बलूचिस्तान और बाकी पंजाब प्रांत के रहने वाले हैं। एसी कक्कड़ ने कहा है कि हथियारबंद लोगों ने 10 वाहनों में भी आग लगा दी। उन्होंने बताया कि पुलिस और लेवी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शवों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है। यह हमला किसने किया, अभी तक यह साफ नहीं हो सका है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल इस तरह का यह दूसरा हमला है। अप्रैल में बलूचिस्तान के नोशकी शहर के पास नौ यात्रियों को एक बस से उतार दिया गया। बंदूकधारियों ने उनके आईडी कार्ड देखने के बाद गोली मारकर हत्या कर दी। रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी ने कहा कि निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या पूरी मानवता की हत्या है। प्रधानमंत्री ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को घटना की तुरंत जांच करने का भी निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने कहा है, इस घटना के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को कड़ी सजा दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

गुटेरेस ने हिजबुल्लाह और इज़राइल से की तनाव कम करने की अपील

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इजरायल और हिजबुल्लाह से कहा है कि क्षेत्र में तत्काल तनाव कम करे नहीं तो सुरक्षा और स्थिरता का खतरा पैदा हो सकता है। उनके एक प्रवक्ता ने ये जानकारी दी है। रविवार को दोनों पक्षों में फिर से टकराव बढ़ गया, जब इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हवाई हमले किए और हिजबुल्लाह ने भी रॉकेट हमलों से जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि ब्लू लाइन के पार गोलीबारी में वृद्धि से महासचिव बहुत चिंतित हैं। इन कार्रवाइयों ने लेबनान और इजरायल दोनों को खतरे में डाल दिया है, साथ ही क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को भी खतरा है। ब्लू लाइन एक सीमा रेखा है जो इजरायल और लेबनान को अलग करती है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के साथ 895 भारतीय शांति सैनिक तैनात हैं, जो यहां गश्त करते हैं। महासचिव ने तत्काल तनाव कम करने तथा सभी पक्षों से दुश्मनी समाप्त करने तथा सुरक्षा परिषद के संकल्प 1701 को पूरी तरह से लागू करने का आह्वान किया है। यूनिफिल तथा लेबनान के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष समन्वयक कार्यालय (यूएनएससीओएल) ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि प्रस्तावों को लागू करना आगे बढ़ने का एकमात्र स्थायी तरीका है। दोनों यूएन संगठनों ने कहा कि ब्लू लाइन पर चिंताजनक घटनाक्रमों के मद्देनजर, यूएनएससीओएल तथा यूनिफिल सभी से संघर्ष विराम करने तथा आगे और अधिक आक्रामक कार्रवाई से बचने का आह्वान करते हैं। उनके बयान में कहा गया है कि हम तनाव कम करने के लिए अपने संपर्क जारी रखेंगे। यूनिफिल के साथ तैनात भारतीय शांति सैनिक इजरायल तथा हिजबुल्लाह के बीच टकराव में फंस गए हैं। हिजबुल्लाह एक शिया मुस्लिम पार्टी है, जिसके पास अपनी खुद की मजबूत मिलिशिया है, और यह दक्षिणी लेबनान में स्थित है।

बांग्लादेश में बारिश और बाढ़ ने बरपाया कहर, 50 लाख लोग हुए प्रभावित

ढाका। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद भड़की हिंसा में सैकड़ो लोगों ने जान गंवा दी है। अब यहां बाढ़ और बारिश का कहर बरप रहा है। अब तक बाढ़ की वजह से 20 लोग जान गवा चुके हैं। वहीं, 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ के पानी के कारण लोगों को भोजन, स्वच्छ पानी, दवा और सूखे कपड़ों की तत्काल आवश्यकता है, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में जहां सड़कें अवरुद्ध होने के कारण बचाव और राहत कार्य बाधित हो रहे हैं। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि लगातार मानसूनी बारिश और नदियों के उफान के कारण बांग्लादेश में आई बाढ़ से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है और 5.12 मिलियन से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के पानी ने कई लोगों को अलग-थलग कर दिया है और उन्हें भोजन, स्वच्छ पानी, दवा और सूखे कपड़ों की तत्काल आवश्यकता है, खासकर दूरदराज के इलाकों में जहां अवरुद्ध सड़कों ने बचाव और राहत प्रयासों में बाधा उत्पन्न की है।

ताकतवर दुश्मन एवं विरोधियों को टारगेट करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा चीन

बीजिंग। स्थानीय युद्ध जीतने के अपने दशकों पुराने सिद्धांत से हटकर चीनी सेना अब ताकतवर दुश्मनों और विरोधियों के खिलाफ युद्ध जीतने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। चीन के शीर्ष रक्षा अधिकारी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब चीन, अमेरिका सहित कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि नई यात्रा में, हमें ताकतवर दुश्मनों और विरोधियों को हराने के लिए क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। चीनी राष्ट्रपति शी चिनपिंग ने सेना को देश की संप्रभुता और विकास हितों की रक्षा के लिए अपनी रणनीतिक क्षमता में सुधार के निर्देश दिए हैं। माओत्से तुंग युग के बाद देश का पुनर्निर्माण करने वाले शीर्ष नेता और आधुनिक चीन के वास्तुकार के रूप में जाने जाने वाले डेंग जियाओपिंग की 120वीं जयंती के मौके पर चिनपिंग ने न केवल सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी और देश के लिए उनके योगदान की तारीफ की, बल्कि आधुनिक सेना तैयार करने के उनके दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि डेंग ने चीनी सेना पीएलए को एक मजबूत, आधुनिक और सुसंगठित बल बनाने और कम लेकिन बेहतर सैनिक रखने की जरुरत को रेखांकित किया था।

रूस-यूक्रेन युद्ध जारी, जान-माल का भारी नुकसान

यूक्रेन ने रूस की सबसे ऊंची इमारत पर दागा ड्रोन, रूस ने भी दिया मुंहतोड़ जवाब

लोगों को वर्ल्ड ट्रेड टावर की आई याद

मास्को/कीव, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग दिन-महीना और साल गुजरने के साथ-साथ और आक्रामक होती जा रही है। यूक्रेन ने सोमवार को रूस के सारातोव शहर की सबसे ऊंची इमारत (वोल्गा स्काई) को ड्रोन से निशाना बनाकर दुनिया को 9/11 की याद के भयावह मंजर की याद दिला दी। वोल्गा स्काई 38 मंजिला इमारत है। दूसरी तरफ रूस ने भी यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले कर कीव की नींद उड़ा दी है।

सारोतोव शहर के गवर्नर रोमन बसुरगिन ने टेलीग्राम मैसेंजर ऐप पर जानकारी दी कि इस ड्रोन हमले में एक महिला घायल हो गई है। वोल्गा स्काई पर हमले का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें ड्रोन वोल्गा स्काई से टकराता दिख रहा है। गनीमत यह रही कि वोल्गा स्काई इमारत को आग नहीं लगी। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने सारातोव क्षेत्र में दुश्मन के नौ ड्रोन नष्ट कर दिए। इस हमले के बाद सारोतोव शहर के एयरपोर्ट पर हवाई जहाजों की उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हालांकि कुछ घंटे बाद प्रतिबंध हटा दिया गया।

रूस पर हमले से एक दिन पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था कि उनकी सेना रूस के कुर्स्क क्षेत्र में तीन किलोमीटर तक आगे बढ़ गई है।

रूस की दो और बस्तियों पर नियंत्रण कर लिया है। इस बयान के बाद रूस ने रात को उत्तरी और पूर्वी यूक्रेन को निशाना बनाकर कई मिसाइलें और ड्रोन दागे। कहा जा रहा है कि इन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। इससे उलट रूस के सीमावर्ती क्षेत्र बेलगोरोद में यूक्रेन की गोलाबारी में पांच लोगों की मौत हो गई।

'द कीव इंडिपेंडेंट' की रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने समूचे यूक्रेन में बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। कीव में तेज धमाके सुने गए हैं। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा कि सोमवार को बड़े पैमाने पर रूसी हवाई हमले के बाद कीव के कुछ हिस्सों में बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हो गई। यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा उत्पादक डीटीईके ने कहा कि वह हमलों के बाद आपातकालीन बिजली कटौती शुरू कर रही है।

रूस और यूक्रेन युद्ध दो साल से अधिक समय से जारी है। यह जंग दूर-दूर तक थमती नजर नहीं आ रही। रूस ने एक बार फिर हमले तेज कर दिए हैं। सोमवार तड़के कीव और यूक्रेन के अन्य शहरों में विस्फोट सुने गए। खार्किव के मेयर इहोर तेरेखोव के अनुसार, वहां भी विस्फोट हुए। यूक्रेन की सेना ने कहा है कि हमले आधी रात के आसपास शुरू हुए, जो सुबह तक जारी रहे।

नदी में गिरी बस को आठ घंटे की मशक्कत के बाद निकाला

काठमांडू, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

दुर्घटना में घायल हुए 16 में से 7 लोगों को सोमवार को ही विमान से भेजा मुंबई

मार्स्यांगदी नदी में गिरी भारतीय नंबर वाली बस को आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार निकल लिया गया है। दुर्घटनाग्रस्त बस को नदी से निकलने के लिए सुबह से ही मुगलिन-अम्बुखैरेनी सड़क खंड को बंद रखा गया था। वैसे तो इस सड़क खंड को पहले सोमवार सुबह साढ़े तीन घंटे के लिए बंद किया गया था, लेकिन इसे आठ घंटे के बाद बस निकलने के बाद ही खोला जा सका।

जिला पुलिस कार्यालय तनहुं के प्रवक्ता दीपक कुमार राय ने बताया कि शुरू में लगा कि तीन चार घंटे में बस को निकाल लिया जाएगा। लेकिन बाद में दो क्रेन का इस्तेमाल कर बस को निकलने में सफलता मिली। स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा कल ही सूचना प्रकाशित कर चार घंटे तक सड़क बंद रहने की जानकारी दी गई थी। लेकिन आठ घंटे तक सड़क बंद रहने से दोनों तरफ काफी लंबा ट्रैफिक जाम लग गया था। निर्धारित समय से अधिक समय तक सड़क बंद करने से यात्री फंसे रहे। हालांकि प्रशासन के तरफ से दोनों तरफ इमरजेंसी के लिए एंबुलेंस खड़ी की गई थी।

उल्लेखनीय है क 23 अगस्त को पोखरा से भारतीय तीर्थयात्रियों को लेकर भारतीय नंबर की एक बस काठमांडू आ रही थी, जो अंबुखैरेनी में मार्स्यांगदी नदी में गिरी गई। इस दुर्घटना में 27 लोगों की मौत हो गई। शवों को भारत ले जाया गया और घायलों का इलाज काठमांडू में किया जा रहा है। 16 घायलों को काठमांडू के मेडिकल कालेज में उपचार किया जा रहा था जिनमें से 7 को ही 4 बजे विमान से मुंबई भेजा गया।

पुख्ता निर्णय नहीं लेने की वजह

शक्तिशाली देश अमेरिका से भी सीधी दुश्मनी नहीं चाहता ईरान

तेहरान, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

इजरायल-हमास के बीच जबसे हिजबुल्लाह ने एंट्री मारी है तबसे मिडिल ईस्ट में और टेंशन बढ़ गया है। रविवार को हिजबुल्लाह ने इजरायल पर ताबड़तोड़ अटैक किया। इससे पहले भी कई बार हिजबुल्लाह इजरायल पर हमला कर चुका है। लेकिन सवाल है कि आखिर ईरान इस जंग में सीधे तौर पर क्यों नहीं शामिल हो रहा है। क्या उसे किसी बात का डर है या फिर वह रूस की तरह युद्ध का इल्जाम अपने सिर पर नहीं लेना चाहते हैं।

बता दें कि पूरी दुनिया हिजबुल्लाह को आतंकी संगठन मानता है। ईरान हिजबुल्लाह से हमला कराकर दुनिया को यह जताना चाहता है कि वह यह हमला खुद नहीं कर रहा है हिजबुल्लाह से करवा रहा है। वहीं ईरान अमेरिका से भी सीधी दुश्मनी नहीं चाहता है। क्योंकि अमेरिका शुरू से ही हमास युद्ध में इजरायल के साथ खड़ा है। ऐसे में ईरान के पास अपने आप को बचाने और खुद को मिडिल ईस्ट में स्थापित रखने के लिए हिजबुल्लाह से हमला करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। ऐसे में ईरान हिजबुल्लाह का सहारा लेकर इजरायल पर हमला बोल रहा है।रूस-यूक्रेन जंग में रूस ने सीधा यूक्रेन पर हमला कर दिया। इसके बाद पूरी दुनिया ने इस जंग की जिम्मेदारी रूस के राष्ट्रपति पुतिन पर थोप दी। इसके साथ ही अमेरिका से लेकर यूरोपीय देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए। हालांकि ईरान और यूरोपीय देशों के बीच पहले से ही तनाव है। लेकिन सीधे जंग की तोहमत से ईरान अभी तक बचा हुआ है। साथ ही अन्य देशों से सीधी दुश्मनी से भी बचा हुआ है।

थाईलैंड में होने वाला बिम्स्टेक शिखर सम्मेलन फिलहाल स्थगित, बाद में तय होगी नई तारीख

थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने संबंधित सभी देशों को पत्र लिखकर फिलहाल शिखर सम्मेलन को आयोजित करने में असमर्थता जताई

काठमांडू, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

थाईलैंड में नए राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच 18-19 अगस्त को बैंकॉक में होने वाला छठा बिम्सटेक शिखर सम्मेलन फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने संबंधित देशों को पत्र लिखकर फिलहाल शिखर सम्मेलन को आयोजित करने में असमर्थता जताई है। पत्र में कहा गया है कि बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों के कारण बिमस्टेक शिखर सम्मेलन का आयोजन संभव नहीं है। नई तारीख का ऐलान सभी सदस्य देशों के साथ परामर्श के बाद किया जाएगा।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने कहा कि शिखर सम्मेलन के स्थगित होने की आधिकारिक जानकारी मिल गई है। विदेश मंत्रालय को मिले पत्र में बिम्स्टेक शिखर बैठक की नई तारीख का ऐलान भी सदस्य देशों से चर्चा के बाद तय किए जाने की बात उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई को थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने नैतिक उल्लंघन के मामले में प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को बर्खास्त कर दिया था। इसी के साथ ही बिम्स्टेक सम्मेलन को लेकर संशय बरकरार था। उसके बाद 32 वर्षीया पेटोंगटार्न शिनवात्रा प्रधानमंत्री बनी। वह पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की बेटी हैं। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने पत्र में कहा कि नई सरकार के गठन के साथ आवश्यक संसदीय और कानूनी प्रक्रियाओं के कारण बिम्सटेक शिखर सम्मेलन समय पर आयोजित नहीं किया जा सकता है। हालांकि, नेपाल सरकार ने सम्मेलन में भाग लेने की तैयारी कर ली थी लेकिन अब इसे रोक दिया गया है।

बिम्स्टेक में नेपाल को 2004 में सदस्यता मिली थी। नेपाल के साथ बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, श्रीलंका और थाईलैंड बिम्सटेक के सदस्य हैं। बिम्सटेक अपनी स्थापना के 26 साल बाद 2022 में एक चार्टर लेकर आया था।

बांग्लादेश में अभी भी जारी हैं हिंसक वारदातें : छात्रों से झड़प, हिंसा में कम से कम 40 घायल

सचिवालय में अधिकारियों को बंधक बनाया, सेना पहुंची तब छुड़ाया

ढाका, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बावजूद अशांति का ज्वालामुखी ठंडा नहीं पड़ा है। रविवार को भी राजधानी ढाका में शाम से रात तक हिंसक प्रदर्शन होते रहे। अंतरिम सरकार में शामिल भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेताओं के साथ अंसार सिक्योरिट एजेंसी के वर्करों से टकराव के चलते हालात गंभीर हो गए। अंसार सिक्योरिटी एजेंसी को हसीना समर्थक माना जाता है। नियमिति किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अंसार एजेंसी के वर्करों ने सचिवालय के कई अधिकारियों को बंधक बना लिया। इस दौरान हुई हिंसा में कम से कम 40 लोग घायल हो गए।

बांग्लादेशी सूत्रों के अनुसार, सचिवालय के पास शाम बाद छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच हुई हिंसा में भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के नेता हसनत अब्दुल्ला घायल हो गए। डीएमसीएच पुलिस चौकी प्रभारी इंस्पेक्टर बच्चू मिया ने पुष्टि की कि उन्हें ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। इंस्पेक्टर ने कहा कि झड़पों में छात्रों, अंसार सदस्यों, राहगीरों और पत्रकारों सहित कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं।

जैसे-जैसे रात चढ़ी, वैसे-वैसे सचिवालय के पास छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच झड़पें तेज होती गईं। रात नौ बजे के बाद तो दोनों एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ा कर दबोचने लगे। हालात अनियंत्रित होते ही रात करीब 10 बजे सेना पहुंची। सैनिकों की मौजूदगी के बावजूद छात्रों और अंसार सदस्यों के बीच गोलीबारी होती रही। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया।

इसके बाद, अंसार के अधिकांश सदस्य जीरो प्वाइंट से बाहर निकल गए। सचिवालय के आसपास का क्षेत्र तब हजारों छात्रों के नियंत्रण में आ गया। सचिवालय के गेट पर सेना के जवान तैनात किए गए। छात्र किसी भी साजिश का विरोध करने की कसम खाते हुए नारे लगाते रहे। ढाका विश्वविद्यालय के छात्र अतीक हुसैन ने कहा कि अंसार सदस्यों की शुरुआती मांगें पूरी कर दी गई थीं, लेकिन अब वे एक अनुचित मांग के साथ स्थिति को जटिल बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों के पीछे कोई साजिश हो सकती है, खासकर देश में चल रहे संकट को देखते हुए। रात करीब साढ़े दस बजे सलाहकार नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद सचिवालय से बाहर आए और उत्तेजित छात्रों से शांत रहने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि उन पर हमला करने वाले अंसार सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले दिन में ढाका विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों के छात्रों ने सचिवालय तक मार्च किया। इसके बाद राजू मेमोरियल स्कल्पचर पर जुटे। इस दौरान छात्रों को सूचना मिली कि अंसार सदस्यों ने अंतरिम सरकार में सलाहकार और भेदभाव विरोधी छात्रों के आंदोलन के समन्वयक नाहिद इस्लाम को सचिवालय में समन्वयक सरजिस आलम, हसनत अब्दुल्ला और अन्य के साथ हिरासत में ले लिया। इसके बाद हिंसक झड़प शुरू हो गई।

हसनत अब्दुल्ला ने फेसबुक पोस्ट में प्रदर्शनकारी अंसार सदस्यों की मांगें पूरी होने के बावजूद सचिवालय की लगातार नाकाबंदी के लिए अंसार के पूर्व महानिदेशक मेजर जनरल एकेएम अमीनुल हक को दोषी ठहराया। हसनत ने सभी से ढाका विश्वविद्यालय में राजू मेमोरियल मूर्तिकला के सामने इकट्ठा होने का भी आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि एकेएम अमीनुल हक पूर्व जल संसाधन उप मंत्री एकेएम इनामुल हक शमीम के बड़े भाई हैं।

अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी से आश्वासन मिलने के बाद अंसार सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन बंद कर दिया।

वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 में दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हराकर सीरीज अपने नाम की

गयाना, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। मेजबान टीम की ओर से शमार जोसेफ और रोमारियो शेफर्ड ने धातक गेंदबाजी करते हुए मेहमान टीम की बल्लेबाज को ढ़हा दिया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए शाई होप के 41 रनों की सहायता से 20 ओवरों में छह विकेट पर 179 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लिजार्ड विलियम्स ने तीन और पैट्रिक क्रूगर ने दो विकेट लिए। ओटेनिल बार्टमैन को एक विकेट मिला। इसके बाद जीत के लिए मिले 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम 19.4 ओवरों में 149 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से इस मैच में शीर्ष क्रम के आउट होने के बाद बाकि बल्लेबाज विफल रहे। शेफर्ड ने ऊपरी क्रम जबकि जोसेफ ने निचले क्रम को धवस्त कर दिया। स्पिनर अकीला हुसैन ने बीच के ओवरों में विरोधी टीम पर अंकुश लगाये रखा।

180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की ओर से रयान रिकलटन और रीजा हैंड्रिक्स की सलामी जोड़ी ने तेजी से शुरुआत की। इन दोनो ने पांच ओवरों के अंदर ही करीब 60 रनों से ऊपर स्कोर पहुंचा दिया। तीभी जोसेफ ने रिकलटन को आउट कर पहला विकेट लिया। वहीं अगले ही ओवर में शेफर्ड ने हैंड्रिग्स को आउट कर दिया। रिकलटन ने 20 रन बनाए जबकि हैंड्रिग्स ने 44 रन बनाये। ।

कप्तान एडेन मार्करम 19 रन बनाकर शेफर्ड का शिकार बने। युवा बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को भी अकीला ने शुरुआत में ही 28 रनों पर आउट कर दिया। इसके बाद अकीला ने ही रासी वान डर डुसैं को आउट कर साउथ अफ्रीका का छठा विकेट गिरा दिया। इसके बाद मेहमान टीम वापसी नहीं कर पायी। जोसेफ और शेफर्ड ने तीन-तीन विकेट लिए। अकीला ने भी दो विकेट लिए। इसके बाद मैथ्यू फोर्ड और गुडकेश मोती को एक-एक विकेट मिला।

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की ओर से किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक नहीं लगाया। टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन शाई होप ने बनाए। होप ने एलिक एथानेज के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। एथानेज 28 रन बनाकर आउट हुए। निकोल पूरन ने 19 रन जबकि रोस्टन चेज ने केवल सात रन ही बनाये।

न्यूज ब्रीफ

संन्यास की घोषणा के बाद लीजेंड्स लीग क्रिकेट में शामिल हुए शिखर धवन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के कुछ ही दिन बाद लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में शामिल हो गए हैं। आधुनिक समय के सफेद गेंद के महान खिलाड़ी के रूप में खुद को स्थापित करने वाले धवन अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और जीवंत व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं। एलएलसी की एक प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से धवन ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट में शामिल होने को लेकर कहा, लेजेंड्स लीग क्रिकेट के साथ इस नए अध्याय को शुरू करना मेरी सेवानिवृत्ति के बाद आदर्श प्रगति जैसा लगता है। मेरा शरीर अभी भी खेल की मांगों के लिए तैयार है। और जबकि मैं अपने निर्णय के साथ सहज हूं, क्रिकेट मेरा अभिन्न अंग है, यह मुझसे कभी नहीं छूटेगा, मैं अपने क्रिकेट मित्रों के साथ फिर से जुड़ने और नई यादें बनाते हुए अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक हूं। शिखर के करियर में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां शामिल हैं। वह 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने। उन्होंने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.1 के प्रभावशाली औसत, टी20ई में 27.92 और 91.35 के स्ट्राइक रेट के साथ 6,793 से अधिक रन बनाए हैं। भारतीय क्रिकेट टीम और इंडियन प्रीमियर लीग में उनके योगदान ने एक क्रिकेट आइकन के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया है। एक दशक से अधिक के अपने करियर में उन्होंने 269 मैच खेले और 40 की औसत से 10, 867 रन बनाए। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सह-संस्थापक रमन रहेजा ने लीग में धवन का स्वागत करते हुए कहा, हम शिखर धवन को हमारे साथ जोड़कर रोमांचित हैं।

चिकनगुनिया के प्रभाव से उबरने के लिए एचएस प्रणय ने लिया ब्रेक

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने सोमवार को कहा कि वह अपने शरीर को चिकनगुनिया के प्रभाव से पूरी तरह से उबारने के लिए खेल से ब्रेक ले रहे हैं, जिसने पेरिस ओलंपिक में उनके प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था। 32 वर्षीय, 2022 थॉमस कप खिताब विजेता और विश्व और एशियाई खेलों के कांस्य-पदक विजेता, मच्छर जनित वायरल बीमारी चिकनगुनिया से एक सप्ताह तक जूझने के कारण पेरिस ओलंपिक में सुस्त हो गए थे। इस बीमारी में जोड़ों में गंभीर दर्द होता है। प्रणय ने एक्स पर लिखा, दुर्भाग्य से, चिकनगुनिया से लड़ाई ने मेरे शरीर पर बहुत बुरा प्रभाव डाला है, जिससे मुझे लगातार दर्द हो रहा है जिससे मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना असंभव हो गया है। उन्होंने कहा, अपनी टीम के साथ सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, मैंने रिकवरी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आगामी कुछ टूर्नामेंटों से हटने का फैसला किया है। इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान आपकी समझ और समर्थन के लिए धन्यवाद। मैं और मजबूती से वापसी करूंगा।

पाकिस्तान चैंपियंस कप : टीमों के मेंटर नियुक्त किए गए वकार यूनिस, मिस्बाह सकलैन, सरफराज और शोएब मलिक

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर वकार यूनिस को तीन साल के अनुबंध पर पांच चैंपियंस कप टीमों के

मेंटरों में से एक के रूप में नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की कि यूनिस, मिस्बाह-उल-हक, सकलैन मुश्ताक, सरफराज अहमद और शोएब मलिक के साथ चैंपियंस कप में मेंटर के रूप में काम करेंगे, जो 12 सितंबर से फैसलाबाद में शुरू होगा। पीसीबी ने एक बयान में कहा, मिस्बाह-उल-हक, सकलैन मुश्ताक, सरफराज अहमद, शोएब मलिक और वकार यूनिस को एक पारदर्शी और मजबूत भर्ती प्रक्रिया के बाद तीन साल के अनुबंध पर पांच चैंपियंस कप टीमों के मेंटर के रूप में पुष्टि की गई। उनकी टीमों और टीमों के नामों की उचित समय पर पुष्टि की जाएगी। पाकिस्तान की नई घरेलू प्रतियोगिता में मेंटर के रूप में नियुक्ति से पहले, यूनिस ने क्रिकेट मामलों पर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के सलाहकार के रूप में कार्य किया। पांच चैंपियंस कप टीम के मेंटर्स ने 1,621 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें कुल 32,780 रन बनाए हैं और 1,503 विकेट लिए हैं। सरफराज और शोएब दो बार आईसीसी इवेंट विजेता हैं, मिस्बाह एक बार आईसीसी इवेंट विजेता और एसीसी एशिया कप 2012 विजेता कप्तान हैं, जबकि सकलैन और वकार 1999 विश्व कप फाइनल में खेलने वाली टीम के सदस्य थे।

सिलेसिया डाइमंड लीग में डुप्लांटिस ने किया कमाल

6.26 मीटर के साथ साल में तीसरी बार पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

· सिलेसिया, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

अर्मेंड डुप्लांटिस ने पोलैंड में सिलेसिया डाइमंड लीग प्रतियोगिता के दौरान 6.26 मीटर के प्रयास के साथ पोल वॉल्ट में एक बार फिर विश्व रिकॉर्ड बनाया। लुईसियाना में जन्में 24 साल के डुप्लांटिस अपनी मां के देश स्वीडन की ओर से प्रतिस्पर्धा करते हैं। डुप्लांटिस ने अपने पिछले विश्व रिकॉर्ड में एक सेंटीमीटर का सुधार किया। डुप्लांटिस ने इस साल तीसरी बार विश्व रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने पेरिस ओलंपिक खेलों में 6.25 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीतने के दौरान पिछला विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

डुप्लांटिस का पहला विश्व रिकॉर्ड भी फरवरी, 2020 में पोलैंड में आया था। उन्होंने कहा- सब कुछ बस मुझे ऐसा करने की अनुमति देने के लिए एक साथ आया। मुझे पता है कि बहुत से लोग मुझे कूदते हुए देखने के लिए यहां आए थे, इसलिए मैं उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। इस साल मैंने ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित किया, रिकॉर्ड स्वाभाविक रूप से आया क्योंकि मैं अच्छी स्थिति में था। इसलिए मैं आज के रिकॉर्ड से हैरान नहीं हूं, लेकिन मैं शुक्रगुजार हूं।

इंगेब्रिग्त्सेन का प्रदर्शन शानदार रहा

वहीं, इसी साल अपना 1500 मीटर ओलंपिक खिताब गंवाने वाल इंगेब्रिग्त्सेन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने पेरिस में 5,000 मीटर का खिताब जीता था। सिलेसिया डाइमंड लीग में 3000 मीटर दौड़ में इंगेब्रिग्त्सेन ने 7 मिनट 17.55 सेकंड का समय निकाला और पहले स्थान पर रहे। उन्होंने आश्चर्य में अपने हाथों को अपने चेहरे पर रखकर खुशी जाहिर की। नार्वे के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने केन्या के डेनियल कोमेन के 28 साल के रिकॉर्ड को तीन सेकेंड से अधिक समय से तोड़ा।

इंगेब्रिग्त्सेन ने कहा- यह जीत खास और अद्भुत है। मैं यहां विश्व रिकॉर्ड को चुनौती देने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन मेरे कोच का कहना था कि मैं कभी भी भविष्यवाणी नहीं कर सकता कि मैं किस तरह के समय में सक्षम हूं। मैंने कल्पना नहीं की होगी कि मैं 7:17 दौड़ सकता हूं।

गत ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के अल बक्काली सोफियान (आठ मिनट 4.29 सेकेंड) ने रेस जीती जबकि कीनिया के अमोस सेरेम (आठ मिनट 4.29 सेकेंड) और इथोपिया के सैमुअल फिरेवु (आठ मिनट 04.34 सेकेंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पेरिस ओलंपिक में शीर्ष छह में रहे सभी खिलाड़ियों ने यहां प्रतिस्पर्धा की।

पिछले महीने पेरिस डाइमंड लीग में साबले ने आठ मिनट 9.91 सेकेंड के समय के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था और छठे स्थान पर रहे थे। वह पेरिस खेलों में ओलंपिक की 3000 मीटर स्टीपलचेज के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने थे। वह पेरिस में आठ मिनट 14.18 सेकेंड के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे थे।

अविनाश साबले का खराब प्रदर्शन

भारत के 3000 मीटर स्टीपलचेज के शीर्ष खिलाड़ी अविनाश साबले यहां सिलेसिया डाइमंड लीग में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के बीच निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए 14वें स्थान पर रहे। एशियाई खेलों के चैंपियन 29 साल के साबले ने आठ मिनट 29.96 सेकेंड के समय के साथ 20 धावकों के बीच 14वां स्थान हासिल किया। तीन धावक दौड़ पूरी करने में नाकाम रहे।

सना की कप्तानी में टी-20 महिला विश्वकप में उतरेगा पाक

लाहौर, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम तेज गेंदबाज फातिमा सना की कप्तानी में युएई में अक्टूबर में होने वाले टी20 महिला विश्वकप में उतरेगी। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्वकप 2024 के लिए तेज गेंदबाज सना को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान बनाया है। फातिमा का निडा डार की जगह कप्तान बनाया गया है। वह पहली बार किसी आईसीसी स्पर्धा इवेंट में पाकिस्तान की कप्तानी करेंगी। उन्होंने पहले दो बार एकदिवसीय पाकिस्तानी टीम का नेतृत्व किया है। तब पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की थी। राष्ट्रीय चयन समिति के द्वारा कप्तानी में किए गए एकमात्र बदलाव के अलावा एक नई बल्लेबाज सदफ शमास को भी टीम में जगह मिली है। ।

पिछले महीने महिला टी-20 एशिया कप कि लिए गई थी, उसमें केवल एक बदलाव करते हुए बल्लेबाज नाजिहा अल्वी की जगह बल्लेबाज सदफ को टीम में शामिल किया गया है। सदाफ वर्ष 2023 के महिला टी-20 विश्वकप में भी टीम में शामिल थीं। महिला टी-20 विश्वकप तीन अक्तूबर से शुरू होगा। इसमें पाकिस्तान ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के साथ है। बंगलादेश में खराब हालातों को देखते हुए इस टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित किया गया है।

महिला टी-20 विश्वकप के लिए पाकिस्तान की टीम इस प्रकार है = फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, गुल फिरोजा, इराम जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नश्रा संधू, निदा डार, ओमाइमा सोहेल, सदफ शमास, सादिया इकबाल (फिटनेस के आधार पर), सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मीया रबाब और तूबा हसन।

अकमल ने पाक टीम और प्रबंधन पर निशाना साधा

इस्लामाबाद । बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही टेस्ट में मिली करारी हार के लिए टीम प्रबंधन की पहले की गलतियों को जिम्मेदार बताया है। पाक टीम को बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही टेस्ट मैच में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस को लेकर अकमल ने निशाना साधा और कहा कि खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन की की पहले की गलतियों से हमें इस प्रकार शर्मिंदा होना पड़ा है। कामरान ने कहा, ये तो मोहम्मद रिजवान ने दूसरी पारी में 50 रन बना दिये अगर ऐसा नहीं होता तो और भी खराब हार होती।

काइरेन विल्सन ने जीता विश्व स्नूकर शीआन ग्रैंड प्रिक्स का खिताब

शीआन, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी काइरेन विल्सन ने 7-8 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को जूड ट्रम्प को 10-8 से हराकर शीआन ग्रैंड प्रिक्स में अपना सातवां विश्व स्नूकर रैंकिंग खिताब जीत लिया है। रात के सत्र से पहले, विल्सन ने ट्रम्प के खिलाफ 5-4 की बढ़त ले ली थी।

ट्रम्प और विल्सन ने दसवें और ग्यारहवें फ्रेम में जीत हासिल की, इससे पहले ट्रम्प ने लगातार दो फ्रेम जीतकर अंतिम अंतराल से पहले 7-6 की बढ़त हासिल की, लेकिन 14वें फ्रेम में विल्सन के 76 ने उन्हें बराबरी पर ला दिया।

ट्रम्प ने टूर्नामेंट में अपना दूसरा शतक लगाने के बाद 8-7 की बढ़त ले ली। हालांकि, विल्सन ने अपने बेहतरीन आक्रामक कौशल का परिचय देते हुए अगले तीन फ्रेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

सीआई प्रमुख ने सुलभता भागीदार के प्रावधान की सराहना की, कहा-दिव्यांग खिलाड़ियों का दर्द समझा

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

पेरिस पैरालिंपिक 2024 से पहले, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने रविवार को दल के लिए स्वयं (स्मिनू जिंदल चैरिटेबल ट्रस्ट की एक गैर-लाभकारी पहल) को एक्सेसिबिलिटी पार्टनर के रूप में रखने के प्रावधान की सराहना की और कहा कि दिव्यांग एथलीटों के सामने आने वाली 'पीड़ा' और परेशानियों का अब समाधान हो गया है।

पैरालिंपिक 2024 के लिए भारतीय दल के 20 से अधिक एथलीट रविवार को दिल्ली हवाई अड्डे से पेरिस के लिए रवाना हुए। वे मेजबान देश में उम्मीदों, एक अरब देशवासियों की शुभकामनाओं और सभी सरकारी और निजी भागीदारों के समर्थन के साथ जा रहे हैं, जो एथलीटों को टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में स्थापित 19 पदकों के रिकॉर्ड को पार करने के लिए प्रेरित करेगा।

पत्रकारों से बात करते हुए झाझरिया ने पेरिस पैरालिंपिक के लिए भारतीय दल के लिए सुगम्यता भागीदार के रूप में स्वयं को शामिल करने के पीसीआई के प्रयास के बारे में बात की, जिसका उद्देश्य हवाई अड्डे, प्रशिक्षण सुविधाओं तक स्थानीय आवागमन के दौरान खिलाड़ियों की यात्रा और सम्मान को आसान बनाना है।

झाझरिया ने कहा, स्वयं अपने आप में एक संदेश है। दिव्यांग एथलीटों के दर्द को समझा गया है। सुगम्य परिवहन पर काम किया जा रहा है। यह देश को एक नई दिशा दिखा रहा है कि दिव्यांग एथलीटों की क्या जरूरत है।

पीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि एथलीटों के लिए सुगम्यता महत्वपूर्ण है और एक बार जब उन्हें यह ठीक से मिल जाती है, तो इससे एथलीटों को अधिक आत्मविश्वास मिलता है।

उन्होंने कहा, एथलीटों के लिए सुगमता महत्वपूर्ण है। उन्हें बहुत यात्रा करनी पड़ती है। अगर उन्हें सुगमता मिलती है, तो वे अधिक आत्मविश्वासी और मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं।

स्वयं ने विशेष सुगम वाहन दान किए हैं, जिनमें व्हीलचेयर को रखा जा सकता है और एथलीटों को वाहन में चढ़ने के लिए व्हीलचेयर से उतरना नहीं पड़ता। टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल और सोनलबेन पटेल, पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी मनोज सरकार, मनीषा रामदास, स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर, पैरा-एथलीट सचिन सरजेराव और साक्षी कसाना जैसे कई प्रतिष्ठित पैरा-एथलीट रविवार को पेरिस के लिए अपनी उड़ान पकड़ने के लिए हवाई अड्डे पर थे।

2020 टोक्यो पैरालिंपिक में, भारत ने पांच स्वर्ण पदक, आठ रजत और छह कांस्य पदक सहित कुल 19 पदक जीते।

डार्सी ब्राउन टी20 विश्व कप खेलने के लिए फिट, जेस जोनासेन बाहर

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

डार्सी ब्राउन पैर के स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबर चुकी हैं और अब वह टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 खिलाड़ियों वाली टीम में शामिल हो गई हैं। इस टीम को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया है।

जेस जोनासेन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश दौरे से बाहर रखा गया था, पहली बार विश्व कप से बाहर हैं, जबकि वह चयन के लिए उपलब्ध थीं।

टीम में 15 खिलाड़ी हैं, जिनका नेतृत्व एलिसा हीली कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया लगातार चार टी20 खिताब जीतने की उम्मीद कर रहा है। ब्राउन के साथ टेला व्लामिन्क भी होंगी, जो ऑस्ट्रेलिया को दो अतिरिक्त गेंदबाज प्रदान करेंगी। फोबे लिचफील्ड अपना पहला विश्व कप खेलेंगी।

राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा, लंबे समय में यह पहली बार है कि विश्व कप से पहले चयन के लिए हमारी पूरी अनुबंध सूची उपलब्ध है और इसके परिणामस्वरूप वास्तव में एक स्थिर और संतुलित टीम बनी है।

उन्होंने कहा, यह पहली बार है जब एलिसा विश्व कप में कमान संभालेंगी और हम पहले ही देख चुके हैं कि वह और ताहलिया नेतृत्व के दृष्टिकोण से क्या लाती हैं, इसलिए उनके लिए सबसे बड़े मंच पर अपने देश का नेतृत्व करने का यह अवसर मिलना रोमांचक है। फीबे हमारे लिए एक वास्तविक एक्स-फैक्टर है और अपने पहले विश्व कप में एक अनुभवी समूह द्वारा उसका अच्छा समर्थन किया जाएगा। टेला और डार्सी की तेज गेंदबाजी जोड़ी वह है जिसे हम कुछ समय से उतारना चाहते थे और यह

हमारे लिए एक वास्तविक अंतर बिंदु है।

जोनासेन, जो पिछले 10 वर्षों से ऑस्ट्रेलिया की टीमों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं, के लिए इस सत्र के दौरान सेट-अप में वापसी करने के लिए उनके लिए दरवाज़ा खुला रखा गया था जिसमें एशेज श्रृंखला भी शामिल है।

फ्लेगलर ने कहा, जेस जोनासेन फिर से दुर्भाग्यशाली रही कि वह विश्व कप से बाहर हो गई, लेकिन जिस तरह से उसने वापसी की है, उससे हम प्रभावित हैं और हम घरेलू गर्मियों से पहले उसके फॉर्म पर नज़र रखेंगे। विश्व कप के लिए चुनी गई टीम अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेलेगी, जिसमें ऑलराउंडर हीथर ग्राहम को भी शामिल किया गया है, जो यूएई नहीं जाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया महिला टी20 विश्व कप टीम-

एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहम, टायला व्लामिन्क।

अमेरिकी ओपन में 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने उतरेंगे जोकोविच

न्यूयॉर्क। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें अब अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर लगी हैं। जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था जिससे भी उनका उत्साह बढा हुआ है।। उनके नाम पर 24 ग्रैंड स्लैम सहित कुल 99 खिताब दर्ज हैं और वह यहां अपने खिताबों का शतक पूरा करने पूरा प्रयास करेंगे। इसके अलावा वह सबसे अधिक सप्ताह तक विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बने रहने का रिकॉर्ड भी अपने नाम करना चाहेंगे।

आरबीआई वित्तीय क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए नीतियां बनाने पर काम कर रहा : शक्तिकांत दास

नई दिल्ली /बेंगलुरू,26 अगस्त (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को यहां कहा कि आरबीआई लगातार ऐसी नीतियां, प्रणालियां और मंच तैयार करने पर काम कर रहा है, जो वित्तीय क्षेत्र को मजबूत, जुझारू और ग्राहक केंद्रित बनाएंगे।

आरबीआई@90 पहल के तहत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए शक्तिकांत दास ने यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) और उभरती प्रौद्योगिकियां दुनिया में लगभग सभी अर्थव्यवस्थाओं की भविष्य की यात्रा को आकार देंगी। आरबीआई गवर्नर ने इस बात पर भी जोर दिया कि वित्तीय संस्थाओं को कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े जोखिमों के प्रति पूरी तरह सचेत रहना चाहिए।

पिछले दशक में पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली में अभूतपूर्व प्रौद्योगिक बदलाव हुआ

रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि डीपीआई व्यापक रूप से सार्वजनिक क्षेत्र में निर्मित बुनियादी प्रौद्योगिकी प्रणालियों को संदर्भित करता है, जो उपयोगकर्ताओं तथा अन्य डेवलपर के लिए खुले तौर पर उपलब्ध हैं। शक्तिकांत दास ने कहा कि पिछले दशक में पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली में अभूतपूर्व प्रौद्योगिक बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा कि इन सभी संकेतों से पता चलता है कि आने वाले वर्षों में यह प्रक्रिया और भी तेज हो सकती है।

उन्होंने कहा कि यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) मंच विभिन्न डेटा सेवा प्रदाताओं से ऋणदाताओं तक विभिन्न राज्यों के भूमि रिकॉर्ड सहित डिजिटल जानकारी के निर्बाध प्रवाह की सुविधा प्रदान करता है। दास ने कहा कि शुरुआती चरण से प्राप्त अनुभव के आधार पर यूएलआई को राष्ट्रव्यापी स्तर पर जल्द ही पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपीआई प्रणाली में सीमा पार धन प्रेषण के उपलब्ध माध्यमों के लिए एक सस्ता और त्वरित विकल्प बनने की क्षमता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस के...

अन्यायपूर्ण बता दिया। प्रियंका गांधी ने इसे अदालत की अवमानना बताते हुए कहा कि किसी के घर से छत छीन लेना सही नहीं है। उन्होंने इसे बर्बरता करार दिया। उन्हें इस दौरान उस ओबीसी परिवार का दर्द नहीं दिखा, जिसकी जमीन हड़पी गई थी। कांग्रेस के लोकसभा व्हिप मोहम्मद जावेद ने इसे मुस्लिम-घृणा से जोड़ा। यह है कांग्रेस के ओबीसी प्रेम की असलियत

अब कर्नाटक में देखिए कांग्रेस का दलित-प्रेम। कर्नाटक में सिद्दारमैया मुख्यमंत्री हैं और कांग्रेस का शासन है। वाल्मीकि समाज कई राज्यों में दलितों का एक अहम हिस्सा है। कर्नाटक में इसे एसटी में डाला गया है। ये काफी पिछड़ा और वंचित समूह है, क्योंकि इसके अधिकतर लोग सफाईकर्मी हैं। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35-ए के निरस्त होने से पहले एक तो उन्हें स्थायी नागरिकता नहीं हासिल थी, ऊपर से इस समाज में पैदा होने वाला हर बच्चा अपने माथे पर सफाईकर्मी का ठप्पा लिए पैदा होता था। इस समुदाय को 1957 में पंजाब से लाकर बसाया गया था। जम्मू कश्मीर से संबंधित इस कानून के 1944 के बाद आए इस समुदाय के किसी भी शख्स को नागरिकता नहीं मिल सकती थी। वो न वोट दे सकते थे, न किसी सरकारी योजना का लाभ मिल सकता था और न उनके बच्चों को कोई छात्रवृत्ति। खैर, कर्नाटक के वाल्मीकि समुदाय की एक संस्था है कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि शेड्यूल्ड ट्राइब्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, जिसमें भीषण घोटाला हुआ। घोटाला करने वाला कांग्रेस का मंत्री था।

ट्रस्ट के एकाउंट्स सुपरिटेंडेंट पी चंद्रशेखरन ने संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या कर ली। उन्होंने अपने सुसाइड नोट में जनजातीय कल्याण मंत्री बी नागेंद्र का नाम लिखा। बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर और अकाउंटेंट भी इस मामले में जेल में हैं। बी नागेंद्र को इस्तीफा देना पड़ा, सीआईडी को आत्महत्या की जांच सौंपी गई। वो दलित समाज से थे। कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी या अन्य किसी भी नेता ने वाल्मीकि ट्रस्ट घोटाला के बारे में कुछ कहा और न जलित अधिकारी की संदिग्ध मौत को लेकर किसी कांग्रेस नेता ने आवाज उठाई।

बताया जाता है कि पूरा घोटाला 187 करोड़ रुपए का है। मृत अधिकारी की पत्नी ने भी कांग्रेस के पूर्व मंत्री बी नागेंद्र पर ही आरोप लगाया। चंद्रशेखरन की पत्नी कविता का कहना है कि उनके पति को ईमानदार होने की कीमत चुकानी पड़ी। एक दलित महिला न्याय की मांग कर रही है, कांग्रेस सरकार नहीं सुन रही है। उनका कहना है कि उन्हें एसआईटी की जांच पर भरोसा नहीं है, उल्टा उनके पति को ही फंसाया जा रहा है। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की है। क्या दलित-प्रेम वाली कांग्रेस एक दलित महिला की पुकार सुनेगी? नहीं, कांग्रेस नेता दलित प्रेम का सिर्फ भाषण देंगे, किसी पीड़ित दलित महिला की मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाएंगे।

अब कांग्रेस का जनजातीय-प्रेम भी देखिए। देश की मौजूदा राष्ट्रपति जनजातीय समाज की हैं और वह भी एक महिला हैं। ये बड़े सम्मान की बात है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए, क्योंकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े समूह की एक महिला देश के सबसे बड़े संवैधानिक पद पर हैं। कांग्रेस का जनजातीय-प्रेम समझने के लिए राष्ट्रपति के प्रदेश झारखंड चलते हैं। झारखंड की एक चौथाई से भी अधिक जनसंख्या आदिवासियों (शेड्यूल्ड ट्राइब्स) की है। वहां झामुमो की सरकार है। हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस पार्टी सरकार में शामिल है। हाल ही में वहां एक घटना सामने आई। मामला जामताड़ा स्थित पुरातन पतित नामक जगह का है। जनजातीय समाज के लिए ये एक पवित्र जगह थी, जहां वो पूजा-पाठ करते थे। स्थानीय मुस्लिमों ने उसे कब्रिस्तान बता दिया और रहमतुल्लाह नामक एक शख्स की मौत के बाद उसे वहां दफना भी दिया गया। पुलिस-प्रशासन ने भी जनजातीय समाज का साथ नहीं दिया। एक भी कांग्रेस नेता ने जनजातीय समाज की जमीन को मुसलमानों का कब्रिस्तान बनाने के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। नाराज जनजातीय समाज ने विरोध किया, लेकिन पुलिस ने मुस्लिमों का ही फैसला निर्णायक करार दिया और देखते देखते आदिवासियों की जमीन मुसलमानों के कब्रिस्तान में बदल गई।

झारखंड में बेतहाशा लैंड जेहाद चल रहा है। मुसलमान जनजातीय समाज की लड़कियों से शादी कर उसके नाम पर जमीनें खरीद लेते हैं। फिर उस आदिवासी लड़की को मुसलमान बना कर वह उस जमीन पर आधिपत्य जमा लेता है। फंसा कर शादी करने के बाद भोली भाली आदिवासी लड़कियों को पंचायत चुनाव में जिता कर जनप्रतिनिधि बना दिया जाता है और इस तरह सत्ता की बागडोर मुसलमान अपने हाथों में ले रहे हैं। इन मुसलमानों में अधिकांशतः बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। इस दिशा में कांग्रेस वाली गठबंधन सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही। न कोई कांग्रेस नेता कुछ बोल रहा है। स्पष्ट है कि कांग्रेस किस तरफ खड़ी है। जनजातीय समाज की तरफ या कट्टर मुसलमानों और बांग्लादेशी घुसपैठियों की तरफ। पाकुड़ में भी ऐसा मामला सामने आया है। आदिवासी भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने आवाज उठाई है। लेकिन कांग्रेस नेताओं की शातिराना चुप्पी सधी हुई है।

इन घटनाओं से स्पष्ट है कि सिर्फ वोट के लिए और हिंदुओं को विभाजित करने के लिए कांग्रेस नेता या उनके पिछलग्गू विपक्षी नेता दलित, जनजातीय और ओबीसी का रट्टा लगाते हैं। राहुल गांधी सहित अन्य कांग्रेस नेताओं का असली उद्देश्य मुस्लिम तुष्टिकरण ही है। देश यह देख चुका है कि कैसे मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में दंगों को रोकने के नाम यूपीए सरकार ऐसा कानून लेकर आ रही थी जिसके बाद हिंसा की स्थिति में सिर्फ हिंदुओं को ही जेल होती। हिंदू, यानी सारे हिंदू। इसमें ओबीसी या एससी/एसटी को इससे बाहर रखने का कोई प्रावधान नहीं था, इसमें सारे हिंदू शामिल थे।

कांग्रेस की इन्हीं शैतानियों के कारण वक्फ बोर्ड देश का तीसरा सबसे बड़ा जमीन मालिक बन गया है। तमिलनाडु में तिरुचिपल्ली के श्रीरंगम तालुका में स्थित तिरुचेंदुरई गांव में तो वक्फ बोर्ड ने पूरे के पूरे गांव पर ही दावा ठोक दिया, जिस कारण गांव वाले अपनी जमीन तक नहीं बेच पाए। जबकि वहां 1500 वर्ष पुराना मंदिर भी था। मंदिर तब का था जब इस्लाम पैदा भी नहीं हुआ था। पटना के फतुहा में भी इसी तरह गांव पर दावा ठोक दिया गया। वक्फ में संशोधन वाला बिल आया तो कांग्रेस इसके विरोध में थी। यानी, कांग्रेस ने फिर साबित किया कि वह मुस्लिमों की तरफ ही हैं। बाकी सबके साथ वह छलावा कर रही है।

पवित्र स्थल को...

मौत होने पर उसे आदिवासी समुदाय के पावन पतित स्थान पर लाकर जबरन दफन कर दिया। पुलिस ने ऊपर का आदेश मानते हुए मुसलमानों का साथ दिया। झारखंड के भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने इस हरकत को लैंड जेहाद का नाम दिया है। बाबूलाल मरांडी के मुताबिक, राज्य में झामुमो और कांग्रेस की मिली जुली सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण कर रही है जिसका खामियाजा भोले भाले आदिवासी समुदाय के लोग भुगत रहे हैं।

लद्दाख में ...

ऐसे में केंद्र सरकार के इस निर्णय को लद्दाख में भी विधानसभा चुनाव कराने और उसे पूर्ण राज्य का दर्जा देने की भविष्य की तैयारियों के नजरिए से देखा जा रहा है।

नए जिलों के ऐलान के साथ गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लद्दाख के लोगों के लिए अपार अवसरों का लाभ सुनिश्चित करने के लिए मोदी सरकार दृढ़ प्रतिज्ञ है। जांस्कार, द्रास, शाम, नुबरा और चांगथांग के रूप में नए जिले सेवाओं और अवसरों के लाभ को उनके दरवाजे तक पहुंचाएंगे। इससे केंद्र शासित प्रदेश के हर कोने तक गवर्नेंस को पहुंचाने में मदद मिलेगी। अनुच्छेद 370 की समाप्ति के समय केंद्र सरकार ने लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का ऐलान किया था। लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा जम्मू-कश्मीर के दो हिस्से किए जाने के बाद मिला था। अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देता था, लेकिन 2019 में केंद्र सरकार ने इसे समाप्त कर दिया। अब केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर लद्दाख सीधे गृह मंत्रालय के अधीन आता है।

अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के विकसित और समृद्ध लद्दाख के निर्माण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए गृह मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पांच नए जिले बनाने का फैसला किया है। शाह ने कहा कि इन सभी पांचों नए जिले में हर गली-मोहल्ले में शासन को मजबूत करके लोगों के लिए लाभ को उनके दरवाजे तक पहुंचाएंगे। मोदी सरकार लद्दाख के लोगों के लिए प्रचुर अवसर पैदा करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। पांच नए जिलों के गठन को मंजूरी देने के साथ ही गृह मंत्रालय ने लद्दाख प्रशासन को नए जिलों से संबंधित विभिन्न पहलुओं जैसे मुख्यालय, सीमाएं, संरचना, पदों का सृजन और जिला गठन से संबंधित अन्य पहलुओं का मूल्यांकन करने के लिए एक समिति बनाने का निर्देश दिया है। इस समिति को तीन महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय को एक अंतिम प्रस्ताव भेजा जाएगा।उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू और कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था। इसके बाद लद्दाख एक केंद्र शासित प्रदेश बना गया था। दूसरा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर है। पांच साल पहले इसी दिन तत्कालीन राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को भी निरस्त कर दिया गया था। केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण लद्दाख केंद्रीय गृह मंत्रालय के सीधे प्रशासनिक नियंत्रण में आता है।

जिलों के गठन...

इसके बावजूद केंद्र सरकार का तात्कालिक लक्ष्य लद्दाख में प्रशासनिक अराजकता को नियंत्रण में करना और प्रशासनिक शक्तियों के संतुलित विभाजन पर है। लद्दाख में लंबे वक्त से प्रशासनिक शक्तियों के विभाजन पर संग्राम छिड़ा हुआ है। वहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासनिक कामकाज की वजह से उनकी जिंदगी की मुश्किलें बढ़ गई है। इसको लेकर लद्दाख में आंदोलन भी हो रहे हैं। लोग सत्ता का विकेंद्रीकरण करने की मांग कर रहे हैं। लद्दाख के अधीन अभी दो जिले लेह और करगिल हैं। सरकार ने पांच नए जिले की घोषणा कर प्रशासनिक पहुंच को गांव-गांव तक पहुंचाने की कवायद की है। लद्दाख के भाजपा से पूर्व सांसद जयमांग नामग्याल कहते हैं, यह ऐतिहासिक फैसला है। हमने इस विषय को तीन बार संसद में उठाया था। नामग्याल कहते हैं, इसके लागू होने से प्रशासन तक गांव के लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी। लद्दाख पहाड़ी जिला है और यहां अगर गांव से जिला मुख्यालय की दूरी ज्यादा हो तो लोगों के लिए वहां पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

भौगोलिक दृष्टिकोण से लेह जिला देश का दूसरा सबसे बड़ा जिला है। इसका कुल क्षेत्रफल 45,110 वर्ग किमी है। लेह प्रशासन के मुताबिक इस जिले के अधीन नुब्रा, दुरबुक (डरबोक), खलात्से, लेह, खारू, लिकिर, न्योमा सब डिविजन है। लद्दाख में जनजातीय समूह अपने जल, जंगल और जमीन को संरक्षित रखने के लिए शेड्यूल-6 के तहत प्रशासनिक अधिकार देने की मांग रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद 244 और 251 में इसका जिक्र किया गया है। इसके मुताबिक जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में स्वायत्त जिला परिषद की स्थापना की जाती है।

इन परिषदों को सरकार की तरफ से विधायी, न्यायिक और कार्यकारी शक्तियां दी जाती है। इसके जरिए परिषद जनजातीय समुदाय के उत्थान और उनके अधिकार की रक्षा का काम करती है। लद्दाख में अभी सिर्फ 2 ही जिले थे और वहां पर स्वायत्त परिषद की मांग को मान पाना मुश्किल था। वजह लद्दाख से लगे चीन और पाकिस्तान का बॉर्डर का होना है। अब पांच नए जिलों की घोषणा के बाद कहा जा रहा है कि लद्दाख के कुछ जिलों को शेड्यूल-5 या शेड्यूल-6 के तहत अधिकार दिए जा सकते हैं।स्थानीय स्तर पर लद्दाख में चार मांगों को लेकर लंबे वक्त से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। इनमें पहली बड़ी मांग राज्य का दर्जा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केंद्र शासित प्रदेश होने की वजह से उनकी राजनीतिक और प्रशासनिक हिस्सेदारी कम हो गई है। दूसरी मांग लद्दाख को संविधान के छठे शेड्यूल में शामिल किए जाने की है। तीसरी मांग विकास काम की ठेकेदारी को लेकर है। इसके तहत लद्दाख के विकास की ठेकेदारी उन्हें ही मिले, जो यहां के मूल निवासी हैं। चौथी मांग लद्दाख में शक्ति विभाजन की है। मार्च 2024 में केंद्र सरकार ने इन मांगों पर वहां के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी, लेकिन तब बात नहीं बन पाई। इसका नतीजा लोकसभा चुनाव में देखने को मिला।

विरोध के बाद...

श्रीगुफवाड़ा बिजबेहरा से सोफी यूसुफ, शानगुस अनंतनाग पूर्व से वीर सराफ, राजपोरा से भाजपा ने अर्शीद भट्ट, शोपियां से जावेद अहमद कादरी, अनंतनाग पश्चिम से मोहम्मद रफीक वानी, इंद्रवाल से तारिक कीन, किश्तवाड़ से शगुन परिहार, पाडेर नागसेनी से सुनील शर्मा, भदरवाह से दलीप सिंह परिहार, डोडा से गजे सिंह राणा, डोडा पश्चिम से शक्ति राज परिहार, रामबन से राजेश ठाकुर और बनिहाल से सलीम भट्ट को भाजपा उम्मीदवार बनाया था। पुरानी लिस्ट में भाजपा ने केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के भाई को भी उम्मीदवार बनाया था। देवेंद्र राणा जितेंद्र सिंह के भाई हैं और उन्हें भाजपा ने नगरोटा से उम्मीदवार बनाया था। देवेंद्र राणा हाल ही में नेशनल कांफ्रेंस छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे।जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने जो नई लिस्ट जारी की उसमें पहले चरण के प्रत्याशियों के नाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इससे पहले भाजपा ने 44 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। हालांकि कुछ समय बाद ही इस लिस्ट को वापस ले लिया गया था। भाजपा की पहली लिस्ट में 44 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया था। पहले चरण के 15, दूसरे चरण के दस और तीसरे चरण के 19 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई थी।

पहली लिस्ट में पूर्व डिप्टी सीएम निर्मल सिंह को टिकट नहीं दिया गया था। 2014 में निर्मल सिंह ने बिलावर विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी। इनके साथ ही पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंद्र गुप्ता को भी टिकट नहीं मिला था। बताया जा रहा है कि उनका नाम अगली सूची में हो सकता है। इस सूची में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र रैना का भी नाम नहीं था।

पहले चरण के भाजपा प्रत्याशियों में इंजीनियर सैयद शौकत गयूर पांपोर से, अर्शीद भट राजपोरा से, जावेद अहमद कादरी शोपियां से, मोहम्मद रफीक वानी अनंतनाग पश्चिम से चुनाव लड़ेंगे। एडवोकेट सैयद वजाहत अनंतनाग से, शगुन परिहार किश्तवाड़ और गजय सिंह राणा डोडा से चुनाव लड़ेंगे। श्रीगुफवाड़ा बिजबेहरा से सोफी यूसुफ, शानगुस अनंतनाग से वीर सराफ चुनाव मैदान में होंगे। इंदरवल से तारिक कीन, पाडेर नागसेनी सीट से सुनील शर्मा, भदरवाह से दिलीप सिंह परिवार चुनाव मैदान में होंगे। बनिहाल से सलीम भट्ट, रामबन से राकेश ठाकुर और डोडा पश्चिम से शक्ति राज परिहार शामिल हैं।

दूसरे चरण के उम्मीदवारों में हब्बाकदल सीट से अशोक भट्ट, गुलाबगढ़ (अजजा) विधानसभा सीट से मोहम्मद अकरम चौधरी, रियासी सीट से कुलदीप राज दुबे, माता वैष्णो देवी से रोहित दुबे, कालाकोट-सुंदरबनी से ठाकुर रणधीर सिंह, बुधल (अजजा) सीट से चौधरी जुल्फीकर आली, थन्नामंडी (अजजा) सीट से मोहम्मद इकबाल मलिक को टिकट मिला है। सुरनकोटे (अजजा) सीट से सैयद मुश्ताक अहमद बुखारी, पुंछ हवेली सीट से चौधरी अब्दुल गनी, मेंढर (अजजा) मुर्तजा खान शामिल थे। लेकिन अभी इस लिस्ट को रोक लिया गया है।

इसी तरह तीसरे चरण के उम्मीदवारों में ऊधमपुर पश्चिम सीट पर पवन गुप्ता, चिनानी विधानसभा क्षेत्र से बलवंत सिंह मनकोटिया, रामनगर (अजा) सीट से सुनील भारद्वाज, बनी से जीवन लाल मैदान में होंगे। बिलावर से सतीश शर्मा और बसोहली सीट से दर्शन सिंह चुनाव लड़ेंगे। जसरोटा सीट से राजीव जसरोटा, हीरनागर से विजय कुमार शर्मा, रामगढ़ (अजा) सीट से डॉ. देविंदर कुमार मणियाल, सांबा से सुरजीत सिंह सलाथिया को टिकट मिला है। विजयपुर से चंद्र प्रकाश गंगा, सुचेतगढ़ (अजा) से घारु राम भगत, आरएसपुरा जम्मू दक्षिण से डॉ. नरिंदर सिंह रैना और जम्मू पूर्व युद्धवीर सेठी को भाजपा ने टिकट दिया। यह लिस्ट भी फिलहाल रुक गई है।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा ने पहले तो सभी 44 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी थी, लेकिन जब लिस्ट के खिलाफ पार्टी में बवाल मच गया तो उसे दो घंटे के भीतर वापस ले लिया गया। अभी 16 उम्मीदवारों के नाम जारी हुए हैं। भाजपा ने 44 उम्मीदवारों वाली अपनी पहली सूची वापस ले ली। प्रत्याशियों के नाम का ऐलान होने के बाद पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में विरोधी सुर देखने को मिले। इसमें कई बड़े नेताओं के नाम नहीं थे। इस बीच, जम्मू में पार्टी दफ्तर में नारेबाजी भी हुई। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार दोपहर को उम्मीदवारों की दो सूची जारी की। पहली सूची में 15 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया है। वहीं पहली सूची के कुछ देर बाद जारी की गई दूसरी सूची में एकलौता नाम है। ये सभी नाम उन सीटों के हैं जहां पहले चरण में 18 सितंबर को मतदान होना है। पहले चरण में कुल 24 सीटों पर चुनाव होना है जिनमें 16 घाटी में और आठ जम्मू क्षेत्र में हैं।

भाजपा ने चुनाव तारीखों की घोषणा के साथ ही ऐलान कर दिया था कि वह जम्मू-कश्मीर की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने पहले चरण में दक्षिण कश्मीर की 16 सीटों में से अब तक आठ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। दक्षिण कश्मीर की इन सीटों पर पहले चरण में 18 सितंबर को पहले चरण में मतदान होना है। पहले चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार (27 अगस्त) है। दक्षिण कश्मीर के साथ चेनाब घाटी क्षेत्र में भी पहले चरण में मतदान होगा। पार्टी ने इस क्षेत्र के लिए भी आठ नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शक्ति राज परिहार, घाटी के वरिष्ठ नेता सोफी मोहम्मद यूसुफ, पूर्व मंत्री सुनील शर्मा को मैदान में उतारा है। सुनील शर्मा पाडेर नागसेनी सीट से तो डोडा पश्चिम से शक्ति राज परिहार मैदान में होंगे। कश्मीरी पंडित सुनील ने 2014 में किश्तवाड़ से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता था। एक और कश्मीरी पंडित वीर सराफ शानगुस अनंतनाग सीट से उम्मीदवार बनाए गए हैं। चर्चित बिजबेहरा सीट पर सोफी यूसुफ दावेदारी पेश करेंगे, जो परंपरागत रूप से पहलगाम से चुनाव लड़ते रहे हैं। हालिया परिसीमन के बाद पहलगाम के कुछ गांव बिजबेहरा सीट में शामिल हो गए हैं। यूसुफ का मुकाबला पीडीपी की इल्तिजा मुफ्ती से होगा। इल्तिजा, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी हैं।

दूसरी लिस्ट में शामिल चौधरी रोशन हुसैन गुज्जर कोंकरनाग से चुनाव लड़ेंगे। वह भाजपा एसटी मोर्चा जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष पद पर हैं। भाजपा की दो सूची में केवल एक ही महिला उम्मीदवार हैं। पार्टी ने शगुन परिहार को किश्तवाड़ से मैदान में उतारा है। शगुन परिहार भाजपा के दिग्गज नेता रहे अनिल परिहार की भतीजी हैं। अनिल जम्मू कश्मीर भाजपा के सचिव थे। नवंबर 2018 में किश्तवाड़ में आतंकियों ने शगुन के पिता अनिल परिहार और चाचा अजीत परिहार की हत्या कर दी थी। भाजपा की ओर से टिकट मिलने पर शगुन ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताया है। भाजपा उम्मीदवार ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे किश्तवाड़ के लोग किश्तवाड़ की बेटी को खुले दिल से अपनाएंगे। यह चुनाव केवल परिहार परिवार का नहीं बल्कि यह उन तमाम बलिदानियों के परिवार का है जिन्होंने देश की अखंडता के लिए अपनी जान दी है।

इससे पहले, सोमवार सुबह भाजपा ने 44 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। हालांकि, करीब दो घंटे बाद ही इस सूची को वापस ले लिया गया था। भाजपा की पहली सूची में पहले चरण के 15, दूसरे चरण के 10 और तीसरे चरण के 19 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई थी। हालांकि, इस सूची में पूर्व उपमुख्यमंत्रियों निर्मल सिंह और कविंद्र गुप्ता के नाम नहीं थे। इसमें भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र रैना का भी नाम नहीं था। सुबह भाजपा की पहली सूची के जारी होते ही जम्मू भाजपा के बड़े नेताओं में नाराजगी की खबरें आईं। चुनाव में टिकट नहीं मिलने वाले भाजपा नेताओं के समर्थक अपने उम्मीदवार के लिए टिकट की मांग को लेकर जम्मू स्थित भाजपा कार्यालय पहुंच गए। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कार्यालय पर हंगामा भी किया।

सोमवार हुए घटनाक्रमों के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रैना ने प्रतिक्रिया दी है। रैना ने कहा, पार्टी दफ्तर में एकत्र हुए भाजपा के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का मैं सम्मान करता हूं। भाजपा का हर कार्यकर्ता हमारे लिए महत्वपूर्ण है। मैं हर एक से मिलूंगा, मैं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिल रहा हूं और उनसे बातचीत कर रहा हूं। अगर कोई पार्टी कार्यकर्ता परेशान है या उसे कोई समस्या है, तो हम बैठकर उसका समाधान निकालेंगे। रविंदर रैना ने कहा, मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वे अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से रखें। मैं पार्टी के हर कार्यकर्ता और पार्टी नेता का सम्मान करता हूं। मैं उनसे मिलूंगा और जल्द से जल्द समाधान निकालूंगा।

जम्मू कश्मीर में तीन चरण में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। पहले चरण के लिए अधिसूचना 20 अगस्त को जारी होगी, वहीं नामांकन की आखिरी तारीख 27 अगस्त होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अगस्त होगी। 18 सितंबर को पहले चरण में 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होगा।

2014 में जम्मू-कश्मीर राज्य में चुनाव हुए थे। तब 87 सीटों वाली विधानसभा के लिए 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2014 तक पांच चरणों में मतदान हुआ था। परिणाम 23 दिसंबर, 2014 को घोषित किए गए थे। 87 सदस्यीय विधानसभा में महबूबा मुफ्ती की जम्मू-कश्मीर पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को सबसे ज्यादा 28 सीटें मिलीं थीं। वहीं, दूसरे स्थान पर भाजपा थी जो 25 सीटों पर जीतने में सफल रही थी। फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस को 15, जबकि कांग्रेस को 12 सीटों पर जीत मिली थी। तीन सीटों पर निर्दलीय तो चार सीटों पर अन्य छोटे दलों को जीत मिली थी। नतीजों से साफ है कि कोई भी दल बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंच सका था।

नतीजों के बाद भाजपा-पीडीपी ने सरकार बनाई थी। पीडीपी-भाजपा की यह गठबंधन सरकार दो साल से ज्यादा वक्त तक चली। जून 2018 में भाजपा ने महबूबा सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इसके साथ ही महबूबा मुफ्ती की सरकार गिर गई। 5 अगस्त, 2019 को राज्य का विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। धारा 370 हटने के बाद अब पहली बार राज्य में विधानसभा चुनाव होंगे।

40 स्टार प्रचारकों...

इसके अलावा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर, जी किशन रेड्डी, शिवराज सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और स्मृति ईरानी और जनरल (सेवानिवृत्त) वी के सिंह के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर अन्य प्रमुख चेहरे हैं जो चुनाव प्रचार के दौरान जम्मू और कश्मीर का दौरा करेंगे।

यूपीएस लागू...

महाराष्ट्र सरकार के अंतर्गत अभी लगभग 14.5 लाख कर्मचारी काम करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उनकी है, जिन्होंने 2004 के बाद नौकरी पाई है। 2004 के बाद नौकरी पाने वालों को पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिलता। ऐसे में उन्हें अब सेवानिवृत्ति के समय अधिक लाभ चुनने की आजादी होगी। महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले को आगामी विधानसभा चुनावों से जोड़ कर देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह निर्णय राज्य कर्मचारियों में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए एनडीए सरकार ने लिया है। महाराष्ट्र में 2024 के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसमें एनडीए का मुकाबला इंडी गठबंधन से है।

यूपीएस को केंद्र सरकार ने शनिवार 25 अगस्त को मंजूरी दी थी। इसके तहत 1 जनवरी 2004 के बाद केंद्र सरकार में नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को अधिक सेवानिवृत्ति लाभ देने की बात कही गई है। इसके तहत यदि को केंद्र सरकार का कर्मचारी 25 वर्षों तक सेवा देता है, तो उसे उसकी अंतिम बेसिक तनख्वाह का 50 प्रतिशत निश्चित तौर पर पेंशन में दिया जाएगा। कर्मचारियों को पेंशन में महंगाई भत्ता भी मिलेगा। इसके अलावा कर्मचारी की मौत पर उसके परिजनों को उसकी तनख्वाह का 60 प्रतिशत देने का फैसला सरकार ने किया है। साथ ही उन कर्मचारियों को 10 हजार पेंशन निश्चित तौर पर दी जाएगी, जिन्होंने केंद्र सरकार को 10 साल तक सेवा दी है।

केंद्र सरकार ने यूपीएस के जरिए पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) की मांग को पूरा करने की कोशिश की है। हालांकि, यूपीएस पुरानी पेंशन स्कीम से काफी अलग है। ओपीएस के अंतर्गत पहले कर्मचारियों को कोई भी अंशदान नहीं देना होता था, जबकि अभी यूपीएस में यह अंशदान जारी रहेगा।

मेडिकल छात्रा पर ...

साथ ही उसे परीक्षा में भी फेल कर दिया जाएगा। लेकिन अगर वो टीएमसी में शामिल हो जाती है तो वे उसे काफी फायदा देंगे। पीड़िता ने इसके लिए मेडिकल कॉलेज के चार प्रोफसरों और डीन पर आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि इस तरह की घटनाओं को कॉलेज के इन्हीं चार प्रोफेसरों पर इन गुनाहों पर पर्दा डालने की कोशिश की।

छात्रा की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज के डीन को हटा दिया गया है। बताया जाता है कि इस मामले की शुरुआत पिछले साल जून में शुरू हुई। एक आंदोलनकारी और इंटर्न डॉक्टर प्रभात पटवारी ने इस घटना को लेकर बताया कि पीड़ित छात्रा ने बताया था कि उसे कुछ दिक्कतें थीं, जिसको लेकर उसने हॉस्पिटल के अधीक्षक से मिलकर इसकी शिकायत की तो उस पर भी टीएमसी ज्वाइन करने के लिए दबाव डाला। लेकिन, जब उसने उसकी बात नहीं मानी तो अधीक्षक ने उसे दूसरे प्रोफेसर के पास भेज दिया। बताया जाता है कि पीड़िता के पिता एक सरकारी अस्पताल के कर्मचारी हैं। कहा जा रहा है कि पीड़िता के पिता को भी धमकाया गया है। लेकिन, जब मामले में तूल पकड़ा तो मेडिकल छात्रा ने डीन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगांव के ढिंग इलाके में गुरुवार को ही तीन आरोपियों ने 14 वर्षीय नाबालिग का रेप किया था। इस घटना के बाद इसका व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ था। हालांकि, आरोपियों में से एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन अचानक से वो पुलिस की कस्टडी से भागने लगा और अचानक तालाब में गिरकर डूबने से उसकी मौत हो गई। कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम सरमा ने कहा कि ढिंग के पीड़ित परिवार ने मुझसे कहा है कि वो लोग वहां नहीं रहना चाहते हैं। हालात ये हो जाते हैं कि पांच लाख की जमीन के लिए उन्हें 50 लाख रुपए की पेशकश की जाती है।

इस्लामिक कट्टरपंथियों की हरकतों को लेकर मुख्यमंत्री बताते हैं कि कट्टरपंथियों का तरीका यह है कि पहले एक-दो लोग किसी गांव में आते हैं। वहां पर घर बनाते हैं। उसके बाद शुरू होता है असली खेल, जहां ये लोग अपने घरों में मांस भक्षण शुरू कर देते हैं। इसका असर ये होता है कि बाकी के लोग परेशान होकर वो इलाका छोड़ देते हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मंगलदाई, बारपेटा समेत अन्य स्थानों पर ऐसा हो रहा है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ पर कहा है कि हाल ही में राज्य में प्रवेश करने वाले अवैध घुसपैठियों का विश्लेषण किया गया है और पाया गया है कि उनमें से एक भी हिंदू नहीं था। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इन घुसपैठियों का उद्देश्य रोजगार की तलाश में भारत में आना है, क्योंकि उनके देश में कपड़ा कारखानों के बंद होने के कारण उन्हें नौकरियों से हाथ धोना पड़ा है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, हमने हाल ही में बांग्लादेश से अवैध रूप से आ रहे लोगों का गहन विश्लेषण किया है। इनमें से एक भी व्यक्ति हिंदू नहीं है। वहां के हिंदू समुदाय के लोग अब भी बांग्लादेश में रहकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि घुसपैठ करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग हैं, जिनकी नौकरियां बांग्लादेश में कपड़ा कारखानों के बंद होने के कारण चली गई हैं। अब वे रोजगार के लिए तमिलनाडु जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के इस दावे से राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने इसे सरमा की राजनीति का हिस्सा बताया है, जबकि सरकार समर्थक इसे एक गंभीर मुद्दा मानते हैं जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री सरमा की सरकार ने अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने की प्रक्रिया और डिटेंशन सेंटर बनाने की पहल सरकार की इन्हीं कोशिशों का हिस्सा है।

9 साल में...

सुरक्षित करने के लिए फर्जी जाति और विकलांगता प्रमाण पत्र पेश करने के लिए कटघरे में है। सरकार के अधीन 93 मंत्रालयों और विभागों में से 59 के लिए आरटीआई रिकॉर्ड उपलब्ध कराए गए। रिकॉर्ड के अनुसार इस अवधि में रेलवे में 349 ऐसी शिकायतें दर्ज कीं गईं। इसके बाद डाक विभाग में 259, जहाजरानी मंत्रालय में 202 और खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग में 138 शिकायतें दर्ज की गईं। डीओपीटी के अधिकारी ने कहा कि इनमें से कई मामले विभिन्न अदालतों में भी लंबित हैं।

जुलाई में पूजा खेडकर विवाद के बाद दाखिल एक आवेदन पर आरटीआई जवाब हासिल हुआ। इससे पता चलता है कि डीओपीटी ने 2010 में तत्कालीन लोकसभा भाजपा सांसद रतिलाल कालिदास वर्मा की अध्यक्षता वाली एससी/एसटी के कल्याण पर तत्कालीन संसदीय समिति की सिफारिश के बाद ऐसी शिकायतों का डेटा इकट्ठा करना शुरू किया था। समिति ने सिफारिश की कि डीओपीटी सभी मंत्रालयों, विभागों, पीएसयू, बैंकों, निकायों और राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों से झूठे जाति प्रमाणपत्रों के मामलों की प्रगति और निपटान की निगरानी के उद्देश्य से नियमित रूप से जानकारी प्राप्त करे। समिति ने यह भी कहा कि इस समस्या से हमेशा के लिए निपटने के लिए कार्य योजना बनाई जा सकती है।

इस संबंध में पहला कम्युनिकेशन डीओपीटी द्वारा 28 जनवरी, 2010 को मंत्रालयों और विभागों को जारी किया गया था। इसमें सभी विभागों को प्रशासनिक नियंत्रण के तहत सभी संगठनों से उन मामलों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने को कहा गया, जहां उम्मीदवार को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रिक्तियों के खिलाफ नियुक्ति मिलने का आरोप है। रिकॉर्ड से पता चलता है कि इस तरह के डेटा की मांग करने वाला अंतिम कम्युनिकेशन 16 मई 2019 को जारी किया गया था।

सरकार बताए...

उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार को आदेश दिया था कि वह इनकी पहचान करे। हाईकोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार राज्य में अवैध रूप से घुसने वालों की पहचान करके आंकड़े तैयार करे और उन्हें राज्य से बाहर करे। इसको लेकर संथाल परगना के जिलों ने कमिटियों का गठन किया था। इन समितियों का काम जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करना था। अब इस मामले में इन जिलों के प्रशासन ने कहा है कि राज्य में कोई घुसपैठिया नहीं है।

जहां झारखंड सरकार घुसपैठ की बात को कोर्ट के भीतर नकार रही है वहीं विपक्षी दल दूसरी चिंता जता रहे हैं। हाल ही में भाजपा की रिपोर्ट में सामने आया है कि मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में वोटरों की संख्या में अप्रत्याशित बढ़त 20 प्रतिशत से 123 प्रतिशत तक की है। यह बढ़त इन 10 विधानसभा के कुल 1467 बूथ पर हुई है। भाजपा ने बताया है कि सामान्यतः पांच वर्षों में 15 प्रतिशत से 17 प्रतिशत की वृद्धि होती है, इसीलिए यह वृद्धि असामान्य है। भाजपा ने यह भी बताया है कि हिन्दू आबादी वाले बूथ पर वोटरों की संख्या में बढ़त मात्र 8 प्रतिशत से 10 प्रतिशत हुई है। भाजपा ने यह भी बताया है कि कई बूथ पर हिंदू मतदाता घट भी गए हैं।

झारखंड हाईकोर्ट की टिप्पणी को रेखांकित करने वाली काफी सारी घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इससे पहले मार्च 2024 में एक आधिकारिक रिपोर्ट में बताया गया था कि यहां बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठिए, पश्चिम बंगाल के रास्ते आते हैं। इसके बाद वह यहीं बस जाते हैं। इनमें से कुछ आदिवासियों की लड़कियों को निशाना बनाते हैं। जब लडकियां उनके दिखावे में फंस जाती हैं तो उनसे शादी कर लेते हैं। शादी के बाद लड़की की कागजों में पहचान जनजाति के तौर पर ही रहने दी जाती है। इसके बाद उस लड़की के नाम पर जमीन ली जाती है या फिर उसकी ही जमीन पर कब्जा कर लिया जाता है। रिपोर्ट में बताया गया था कि यह सब करने के लिए बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों को फंडिंग मिलती है। लड़की की पहचान जनजातीय रखने के पीछे सरकारी फायदे लेने के मकसद रहता है। इसके अलावा कई जगह उन लड़कियों को चुनाव भी लड़वाया गया, जिन्होंने मुस्लिमों से शादी की।

रिपोर्ट में बताया गया था कि यहां घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी इस जमीन में खनन के लिए भी ऐसा कर रहे हैं। कुल मिलाकर धीमे-धीमे इस इलाके की पहचान बदली जा रही है। बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड में घुसते ही फर्जी पहचान पत्र भी बनवा लेते हैं। इसमें इनकी मदद पहले से आकर बस चुके लोग भी करते हैं।

इस फूल को तोड़ने के लिए देवताओं से लेनी पड़ती है अनुमति

वरना लगता है दोष! जानें मान्यता

इन दिनों उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में राज्य पुष्प ब्रह्मकमल खिल चुके हैं। ब्रह्मकमल का रीति-रिवाजों और पौराणिक परंपराओं से गहरा संबंध है। सावन के महीने में उत्तरकाशी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हारदूधू मेले के बाद अगस्त से सितंबर तक सेलकू त्योहार मनाए जाते हैं। इस त्योहार की शुरुआत में सबसे पहले ब्रह्मकमल को स्थानीय देवी-देवताओं को अर्पित किया जाता है।

उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ब्रह्मकमल अपनी सुंदरता बिखेर रहा है। इन दिनों हर्षिल और टकनौर क्षेत्र में भी ब्रह्मकमल खिले हुए हैं। ब्रह्मकमल खिलने के साथ ही स्थानीय ग्रामीण ब्रह्मकमल को तोड़कर उत्तरकाशी की गंगा घाटी में सोमेश्वर भगवान को चढ़ाते हैं। स्थानीय लोग आराध्य देवी की पूजा करने के बाद ही हारदूधू मेले में ब्रह्मकमल को तोड़कर देवता को अर्पित करते हैं।

हिमालय में सावन मास के शुरुआत में ब्रह्मकमल खिलना शुरू हो जाते हैं।उत्तराखंड में ब्रह्मकमल का अपना धार्मिक महत्व है। ब्रह्मकमल का धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं से विशेष संबंध है। उत्तरकाशी के विभिन्न हिस्सों में हारदूधू मेले के बाद सेलकू त्योहार अगस्त से लेकर सितंबर तक मनाए जाते हैं। इस समय जब ब्रह्मकमल को तोड़कर लाया जाता है, तब सबसे पहले स्थानीय देवी-देवताओं को ब्रह्मकमल चढ़ाया जाता है और उसके बाद स्थानीय लोग

अपने घरों में पूजा-अर्चना करते हैं और घर में देवी-देवताओं को ब्रह्मकमल चढ़ाते हैं।

उत्तराखंड में ब्रह्मकमल को तोड़कर देवताओं को चढ़ाने की परंपरा पहले से ही रही है। ब्रह्मकमल उच्च हिमालयी क्षेत्र में पाया जाता है, जिन्हें तोड़कर लाना एक कठिन और साहसिक काम है। इसलिए लोक मान्यताओं के अनुसार, अगस्त में होने वाले हारदूधू मेले से पहले ग्राम देवता की अनुमति ली जाती है।

उसके बाद देवडोली कुछ लोगों को चयनित कर उन्हें फूल तोड़ने के लिए भेजती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार हारदूधू मेले से पहले बिना देव अनुमति के ब्रह्मकमल को नहीं तोड़ा जाता है और जो ऐसा करता है वह देव दोष का भागी होता है, क्योंकि ब्रह्मकमल को देव पुष्प माना जाता है।

एक साथ पहन रखी है तुलसी और रुद्राक्ष की माला

किस तरह करती हैं जीवन को प्रभावित? जानें इससे होने वाले लाभ

हिन्दू धर्म में जितना महत्व तुलसी का है उतना ही रुद्राक्ष का भी है। बहुत से लोग इन दोनों ही माला को एक साथ अपने गले में धारण करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन दोनों माला पहनने से जीवन में कई सारे फायदे होते हैं लेकिन आपने ऐसा कम ही देखा होगा कि कोई तुलसी और रुद्राक्ष की माला एक साथ पहने हो क्योंकि, कई बार मन में ऐसा प्रश्न भी आता है कि क्या इन दोनों माला को एक साथ पहनना चाहिए या नहीं? ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार के अनुसार हम तुलसी और रुद्राक्ष दोनों की ही माला को एक साथ पहन सकते हैं। आइए जानते हैं इससे होने वाले फायदों के बारे में।

जैसा कि आप जानते हैं कि हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे को पवित्र और पूजनीय माना गया है और इसे मां लक्ष्मी का प्रतीक भी माना जाता है। यही नहीं तुलसी को कृष्ण की प्रिय भी माना जाता है। ऐसे में जब आप तुलसी माला को धारण करते हैं तो आप पर मां लक्ष्मी और कृष्ण दोनों की ही कृपा बरसती है।

वहीं रुद्राक्ष को भगवान शिव का प्रतीक माना गया है। ऐसे में जब आप रुद्राक्ष की माला धारण करते हैं तो आपको भगवान शिव की कृपा मिलती है। ऐसा कहा जाता है कि, रुद्राक्ष की माला पहनने से मानसिक शान्ति मिलती है। साथ ही यह आपके शरीर में सकरात्मक ऊर्जा बनाए रखता है। हालांकि, इन दोनों ही माला को पहनने के कुछ नियम हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है।

देवों के देव महादेव का एक रूप हरिहर के नाम से जाना जाता है। इस रूप में भगवान श्रीहरि यानी कि विष्णु और शिव दोनों ही विराजमान होते हैं। यह एक ऐसा रूप है जिसमें आपको दोनों देवों के दर्शन एक साथ होते हैं और इसलिए इसी रूप के आधार पर आप भगवान विष्णु की प्रिय तुलसी और शिव के प्रतीक रुद्राक्ष की माला को एक साथ पहन सकते हैं।

आखिर किस तिथि पर करना चाहिए माता और पिता का श्राद्ध

सनातन धर्म में पितृपक्ष में तर्पण, पिंडदान करना बेहद ही जरूरी और महत्वपूर्ण होता है । पितृ पक्षों में अपने पितरों का श्राद्ध कर्म करना जरूरी बताया गया है। श्राद्ध पक्ष की नवमी और अष्टमी तिथि बेहद खास बताई गई हैं। धार्मिक ग्रंथ 'गरुड़ पुराण' के अनुसार माता और पिता के श्राद्ध कर्म की एक निश्चित तिथि बताई गई है। आइए जानते हैं इस बारे में।

माता और पिता का श्राद्ध कौन सी तिथि में करें कि उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो इसकी जानकारी लेने के लिए हमने हरिद्वार के विद्वान ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री से सवाल किया। उन्होंने बताया कि शास्त्रों के मुताबिक माता और पिता का श्राद्ध करने के लिए एक निश्चित तिथि होती है। यदि किसी जातक की माता ने अपना पंच भौतिक शरीर पिता से पहले किसी भी तिथि में त्याग किया है तो उनका श्राद्ध कर्म, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड पितृ पक्ष की नवमी तिथि को ही किया जाता है।

यदि उनका श्राद्ध उस तिथि में किया गया है, जिस तिथि में उन्होंने अपना शरीर त्याग किया है तो ऐसी स्थिति में वह प्रेत योनि में भटकती रहती हैं और उन्हें शांति नहीं मिलती है।'गरुड़ पुराण' के अनुसार उन्हें शांति प्रदान करने के लिए उनका श्राद्ध आश्विन माह कृष्ण पक्ष (पितृ पक्ष) की नवमी तिथि को ही किया जाना जरूरी होता है।

पिता का श्राद्ध करने के लिए भी 'गरुड़ पुराण' में एक निश्चित तिथि बताई गई है। पिता का श्राद्ध तर्पण करने के लिए पितृ पक्ष की अष्टमी होती है। पिता का श्राद्ध केवल अष्टमी तिथि को ही किया जाता है। पिता का श्राद्ध कर्म, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड पितृ पक्ष की अष्टमी तिथि को करने से उन्हें शांति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसा भी कहा जाता है कि माता और पिता का तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड, श्राद्ध कर्म आदि नवमी और अष्टमी तिथि पर करने से ओर कुछ शेष नहीं रह जाता है। जातक पितृ ऋण से मुक्त हो जाता है और माता पिता को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

पूर्णिमा से लेकर अमावस्या तक होगी पितरों की पूजा

पितृपक्ष जिसे श्राद्ध भी कहा जाता है, इस साल सितंबर में शुरू हो रहे हैं। सितंबर में 15 दिन ऐसे होते हैं, जिसमें पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया जाता है। पितरों की पूजा और तर्पण आदि कार्यों के लिए श्राद्ध पक्ष बहुत ही उत्तम माना जाता है। अपने पूर्वज पितरों के प्रति श्रद्धा भावना रखते हुए आश्विन कृष्ण पक्ष में पितृ- तर्पण और श्राद्ध कर्म करना बहुत जरूरी है।

ज्ञातव्य है कि अपने परिवार में तीन पीढ़ियों तक ही श्राद्ध कर्म किए जाते हैं, उसके बाद श्राद्ध कर्म नहीं किए जाते हैं। स्वास्थ्य, समृद्धि, आयु, सुख- शान्ति, वंशवृद्धि एवं उत्तम सन्तान की प्राप्ति होती है। श्रद्धापूर्वक किए जाने के कारण ही इसका नाम श्राद्ध है।

कहा जाता है कि पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृ लोक से धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इन दिनों में उनके श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान आदि करने का विधान है। इन 15 दिनों में पितर धरती पर आते हैं और तर्पण को स्वीकार कर जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितरों का श्राद्ध आदि करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 17 सितंबर पूर्णिमा के दिन से हो रहा है और इसकी समाप्ति 2 अक्टूबर अमावस्या को होगी।

पितृपक्ष की तिथियां

17 सितंबर 2024, मंगलवार- पूर्णिमा का श्राद्ध
18 सितंबर 2024, बुधवार- प्रतिपदा का श्राद्ध
19 सितंबर 2024, गुरुवार- द्वितीय का श्राद्ध
20 सितंबर 2024, शुक्रवार तृतीया का श्राद्ध
21 सितंबर 2024, शनिवार- चतुर्थी का श्राद्ध
21 सितंबर 2024, शनिवार महा भरणी श्राद्ध
22 सितंबर 2014, रविवार- पंचमी का श्राद्ध
23 सितंबर 2024, सोमवार- षष्ठी का श्राद्ध
23 सितंबर 2024, सोमवार- सप्तमी का श्राद्ध
24 सितंबर 2024, मंगलवार- अष्टमी का श्राद्ध
25 सितंबर 2024, बुधवार- नवमी का श्राद्ध
26 सितंबर 2024, गुरुवार- दशमी का श्राद्ध
27 सितंबर 2024, शुक्रवार- एकादशी का श्राद्ध
29 सितंबर 2024, रविवार- द्वादशी का श्राद्ध
29 सितंबर 2024, रविवार- माघ श्रद्धा
30 सितंबर 2024, सोमवार- त्रयोदशी श्राद्ध
1 अक्टूबर 2024, मंगलवार- चतुर्दशी का श्राद्ध
2 अक्टूबर 2024, बुधवार- सर्वपितृ अमावस्या

इस मंदिर में लक्ष्मी माता के आठ रूप

शास्त्रों में लिखा गया है कि देवतों से ज्यादा शक्तिशाली माता रानी को बताया गया है। हर शख्स अपने जीवन में धन, विद्या, वैभव और शक्ति के लिए माता रानी की आराधना करता है। आज आपको एक से मंदिर के बारें में बताने जा रहे है। चेन्नई के अडयार समुद्र तट पर अष्टलक्ष्मी का सुंदर मंदिर स्थित है। अष्टलक्ष्मी मंदिर लक्ष्मी माता के आठ रूपों को समर्पित है। देवी लक्ष्मी के ये विविध रूप हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।अष्टलक्ष्मी हमें धन, विद्या, वैभव, शक्ति और सुख प्रदान करती हैं। इस मंदिर में लक्ष्मी की आठ अलग-अलग मूर्तियां अलग-अलग तलों पर स्थापित की गई हैं। यहां आदि लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी, धैर्य लक्ष्मी, गज लक्ष्मी, विद्या लक्ष्मी, विजया लक्ष्मी, संतना लक्ष्मी और धन लक्ष्मी के दर्शन होते हैं। सभी देवियों के मंदिर घडी की सूई की दिशा में आगे बढते हुए दिखाई देते हैं। सबसे अंत में नवम मंदिर है, जो भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का है। इस मंदिर में विष्णु की तुलना में लक्ष्मी को प्राथमिकता दी गई है।

इस मंदिर का निर्माण 1974 में आरंभ किया गया। मुकुर श्रीनिवास वरदचेरियार की अगुवाई में बनी समिति ने इस मंदिर का निर्माण कराया। 5 अप्रैल 1976 से इस मंदिर में विधिवत पूजा आरंभ हुई। मंदिर का डिजाइन ओम के आकार का है। नवरात्रि और गोकुलअष्टमी मंदिर के प्रमुख त्योहार हैं। मंदिर में आने वाले श्रद्धालु कमल का पुष्प जरूर चढ़ाते हैं। हर लक्ष्मी के लिए लोग अलग-अलग कमल के फूल लेकर जाते हैं। मंदिर के ऊपरी हिस्से से समुद्र का सुंदर नजारा दिखाई देता है।

वहीं समुद्र के तट से मंदिर भी काफी सुंदर नजर आता है। मंदिर का निर्माण तीन मंजिलों में हुआ है। मंदिर के चारों तरफ विशाल आंगन है। इसके परिसर में पूजा सामग्री की दुकान भी है। मंदिर में पूजा का समय सुबह 6।30 बजे से आरंभ होता है। दोपहर 12 बजे मंदिर बंद हो जाता है। फिर शाम को 4 बजे खुलता है और रात के 9 बजे बंद हो जाता है। शुक्रवार से रविवार तक मंदिर दोपहर 1 बजे तक खुला रहता है।

हीरा-मोती, पन्ना-नीलम का बाप है टाइगर स्टोन!

पहनते ही चमक जाती है किस्मत, भर जाती है तिजोरी

ज्योतिष शास्त्र के ग्रहों को मजबूत करने के कई उपायों के बारे में बताया गया है। इसमें रत्न धारण करना बहुत प्रभावी उपाय है। रत्न शास्त्र में मोटे तौर पर नव ग्रहों के लिए 9 रत्नों का उल्लेख किया गया है। लेकिन रत्न शास्त्र में कई उपरत्नों के बारे में भी बताया गया है। यह उपरत्न महंगे रत्नों का विकल्प होते हैं। इनमें से कुछ उपरत्न तो बहुत ही ताकतवर हैं और चमत्कारिक फल देते हैं। ये रत्न और उपरत्न कुंडली के ग्रह दोषों को दूर करते हैं, कमजोर ग्रहों को मजबूत और संतुलित करते हैं।

इससे जीवन की तमाम परेशानियां दूर होती हैं। भाग्य का साथ मिलने लगता है। नौकरी-व्यापार में उन्नति मिलती है, धन-दौलत और खुशियां मिलती हैं। ऐसा ही एक पॉवरफुल रत्न है - टाइगर स्टोन। टाइगर स्टोन पहनते ही किस्मत चमक जाती है।

टाइगर स्टोन पीले और काले रंग की धारियों वाला होता है, जैसी टाइगर के शरीर पर होती हैं इसलिए इसे टाइगर स्टोन कहते हैं। टाइगर स्टोन की खासियत है कि यह बहुत प्रभावशाली होने के साथ-साथ तेजी से फल देता है। टाइगर स्टोन पहनने से कुंडली में सूर्य और चंद्रमा मजबूत होते हैं। इससे व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है। मानसिक शांति मिलती है। उसकी निर्णय क्षमता मजबूत होती है। साथ ही उसे हर क्षेत्र में सफलता मिलने लगती है।

टाइगर स्टोन मेष, धनु और मीन राशि वाले जातक धारण कर सकते हैं। फिर भी ध्यान रखें कि कोई भी रत्न धारण करने से पहले योग्य ज्योतिषी से सलाह जरूर लें।

रत्न शास्त्र के अनुसार टाइगर स्टोन वृषभ, तुला, मकर, कुंभ और कन्या राशि वाले लोगों को धारण नहीं करना चाहिए, वरना अशुभ फल मिलने लगते हैं। टाइगर स्टोन को किसी भी महीने की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन धारण करना चाहिए। यदि सूर्य को मजबूत करने के लिए टाइगर स्टोन पहन रहे हैं तो शुक्ल पक्ष के किसी भी रविवार को भी यह रत्न धारण कर सकते हैं। वहीं चंद्रमा को मजबूत करने के लिए टाइगर स्टोन धारण कर रहे हैं तो सोमवार का दिन शुभ रहेगा। टाइगर स्टोन को अनामिका उंगली में धारण करना चाहिए।

मंगल देने वाले हैं इन 5 राशि वालों के करियर को रफ्तार

45 दिन में बदलेगा जीवन

26 अगस्त को जन्माष्टमी के दिन मंगल गोचर भी हुआ है। मंगल राशि परिवर्तन करने के लिए मिथुन राशि में प्रवेश कर रहे हैं। मंगल 45 दिन तक मिथुन राशि में रहेंगे और 5 राशि वालों को करियर में बड़ी कामयाबी देंगे। जानिए किन राशियों के लिए मंगल गोचर बहुत शुभ है।

मेष राशि : मेष राशि के स्वामी मंगल हैं और मंगल का गोचर इस राशि के जातकों के लिए शुभ रहेगा। इन जातकों में साहस और ऊर्जा बढ़ी हुई रहेगी। लेकिन अहंकार को खुद पर हावी ना होने दें। भाई-बहनों से रिश्ते बेहतर होंगे।

वृष राशि : मंगल का राशि परिवर्तन वृषभ राशि के जातकों के लिए बहुत अच्छा रहेगा। इनकम बढ़ेगी। आर्थिक स्थिरता बढ़ेगी। आप साहस और उत्साह से लबरेज रहेंगे। बड़ी सफलता मिलना निश्चित है। ध्यान रहे कि क्रोध पर काबू रखें।

कर्क राशि : मंगल का गोचर कर्क राशि वाले लोगों के लिए भी अच्छा रहेगा। आप आत्म-चिंतन करेंगे। आध्यात्म की ओर झुकाव बढ़ेगा। करियर में तरक्की और प्रमोशन मिलने के प्रबल योग हैं।

सिंह राशि : मंगल का राशि परिवर्तन सिंह राशि वालों के लिए कई लाभ दे सकता है। बिगड़े काम भी बनने लगेंगे। अपनों से मनमुटाव था तो दूर होगा। कोई काम पूरा हो सकता है। संबंधों से लाभ होगा।

कुंभ राशि : कुंभ राशि वालों के लिए मंगल का गोचर उनकी रचनात्मकता बढ़ाएगा। आपको करियर में कामयाबी मिलेगी। अटके हुए काम पूरे होंगे। जिन लोगों का मामला कोर्ट में है, उन्हें विजय मिलेगी।

शाम को न करें ये काम, वरना हो जाएंगे कंगाल

शास्त्रों के अनुसार हर घर में लक्ष्मीजी का वास होता है। हर कोई चाहता है कि उनके घर में लक्ष्मीजी की कृपा सदा बनी रहे। इसलिए हर संभव प्रयास करते है। शास्त्रों में शाम का विशेष महत्व बताया गया है। शाम के समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। कुछ से काम है जो शाम के समय करने से लक्ष्मी चली जाती है। आइए जानते हैं उन कामों के बारें में-

* शास्त्रों के अनुसार दिन ढ़लते समय घर में झाड़ू नहीं लगाना चाहिए। सा करने से झाड़ू के साथ अच्छी चीजें घर से बाहर हो जाती हैं और महालक्ष्मी की बहन अलक्ष्मी घर में आ जाती है। यही कारण है कि शाम से पहले ही घर को साफ कर लेना चाहिए।

* शाम को तुलसी के पेड में जल नहीं चढाना चाहिए और न ही उसके पत्ते तोडने चाहिए। अगर संभव हो तो शाम के समय तुलसी को छूना भी नहीं चाहिए। तुलसी में जल डालने का सबसे अच्छा समय सुबह का माना गया है।

* शाम के समय स्त्री का अपमान नहीं करना चाहिए। चाहे वो घर के बाहर हो या घर के अंदर। इस समय स्त्री का अपमान को पाप माना गया है।

* जिन घरों में लोग शाम को सोते हैं वहां लक्ष्मी निवास नहीं करती हैं। इसलिए शाम के समय घर में नहीं सोना चाहिए।

आफ्टर ऑपरेशन लंदन कैफे का टीजर रिलीज

यह पैन इंडिया फिल्म 6 भाषाओं में होगी रिलीज

पैन-इंडिया फिल्म आफ्टर ऑपरेशन लंदन कैफे का टीजर रिलीज हो गया है. इस फिल्म में कवीश शेट्टी, मेघा शेट्टी, शिवानी सुरवे, विराट मादके, बी सुरेश और अर्जुन कपिकाड़ मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म का निर्देशन सादगारा राघवेंद्र ने किया है, जबकि इसका निर्माण विजय कुमार शेट्टी हावरल, दीपक पांडुरंग राणे, रमेश कोठारी और विजय प्रकाश ने किया है. आफ्टर ऑपरेशन लंदन कैफे इंडियन फिल्म फैक्ट्री और दीपक राणे फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है. यह फिल्म मराठी, कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी. फिल्म की रिलीज की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। टीजर में फिल्म की कहानी के कुछ झलकियां दिखाई गई हैं, जिसमें एक्शन, रोमांस और ड्रामा का तड़का लगा हुआ है. फिल्म के कलाकारों के अभिनय भी काफी प्रभावशाली लग रहे हैं. फिल्म के निर्माताओं का कहना है कि आफ्टर ऑपरेशन लंदन कैफे एक ऐसी फिल्म है जो सभी दर्शकों को पसंद आएगी. फिल्म की कहानी काफी रोमांचक है और फिल्म में शानदार एक्शन सीन्स भी हैं। फिल्म की रिलीज की तारीख का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है.ट्रिपल राइडिंग से मशहूर हुईं मेघा शेट्टी और धनवीर के साथ हाल ही में आई कैवा में भी मेघा शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं।

मेघा शेट्टी प्रज्वल देवराज के साथ चीता और विनय राजकुमार के साथ ग्रामायण में काम कर रही हैं। मुख्य भूमिका निभाने वाले कवीश शेट्टी ने इस एक्शन थ्रिलर की कहानी भी लिखी है। ऐसा कहा जाता है कि कवीश फिल्म में एक नक्सली की भूमिका निभा रहे हैं, जो किसी कारण से सिस्टम के खिलाफ लड़ता है। इस एक्शन थ्रिलर में एक प्रेम कहानी भी है।अगुम्बे, चिक्कामगलुर और होन्नावारा के घने जंगलों में फिल्माई गई यह फिल्म एक इंटेंस ड्रामा है और इसमें एक लव एंगल भी जुड़ा हुआ है।

ऑपरेशन लंदन कैफे के बाद इसमें हाई ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस शामिल हैं। कंटारा फेम के अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी ने 2022 में लॉन्च होने पर फिल्म के टाइटल पोस्टर का अनावरण किया था। उन्होंने अपने दोस्त सदागरा राघवेंद्र को निर्देशक के रूप में उनके डेब्यू के लिए शुभकामनाएं दी थीं।

वॉर 2 में ऋतिक का एंट्री सीन दर्शकों की धड़कनें कर देगा तेज

फिल्म को लेकर आई दिलचस्प जानकारी

वॉर 2 अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है, लेकिन इस फिल्म को लेकर दर्शकों में अभी से काफी ज्यादा उत्साह है। यशराज स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में ऋ तिक के साथ जूनियर एनटीआर भी नजर आने वाले हैं। यह उनकी पहली हिंदी फिल्म है। यही वजह है कि दक्षिण भारत के लोगों को भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वॉर 2 का फिल्मांकन काफी समय पहले शुरू किया जा चुका है। हालांकि, निर्माता बहुत हद तक शूटिंग से जुड़ीं चीजों को गोपनीय रखने में कामयाब रहे हैं। इस बीच हाल ही में इस फिल्म को लेकर कुछ दिलचस्प जानकारी सामने आई हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में ऋतिक रोशन का एंट्री सीन कुछ ऐसा होगा जो दर्शकों की सांसें रोक देगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एक जापानी मठ में एक खतरनाक खलनायक के साथ तलवारबाजी करते नजर आएंगे। पहले खबर थी कि ऋतिक शाओलिन मंदिर में एक एक्शन सीन करेंगे, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में यह उनका इंट्रोडक्शन सीक्वेंस होगा। इस सीन को मार्च में शूट किया जा चुका है। इसकी परिकल्पना निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने मिलकर की है। इसके लिए मुंबई के अंधेरी में वाईआरएफ स्टूडियो में एक विशाल सेट का निर्माण किया गया था। फिल्म में इस मठ को पहाड़ की चोटी पर दिखाया जाएगा।रिपोर्ट्स से यह भी पता चला है कि फिल्म के लिए ऋतिक रोशन ने न केवल हफ्तों तक मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण लिया, बल्कि जापानी तलवार कताना चलाना भी सीखा। इससे पहले जानकारी सामने आई थी कि वॉर के गाने जय जय शिव शंकर की तरह फिल्म के सीक्वल में भी एक गाना होगा, जिसमें जूनियर एनटीआर और ऋतिक थिरकते हुए दिखेंगे।

अजित कुमार के प्रशंसकों को बड़ा तोहफा, जारी हुआ गुड बैड अग्ली का नया पोस्टर

अजित कुमार वर्तमान में कुछ चर्चित आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। इनमें विदामुयार्ची और अधिक रविचंद्रन की गुड बैड अग्ली शामिल हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, स्टाइलिश स्टार गुड बैड अग्ली के लिए अपने सिग्नेचर ऑनस्क्रीन लुक और स्टाइल से ब्रेक लेने के लिए तैयार हैं, जिसे एक अनोखी एक्शन फिल्म माना जा रहा है। जैसे ही अजित कुमार ने फिल्म इंडस्ट्री में 32 साल पूरे किए, निर्देशक अधिक रविचंद्रन और टीम ने सोशल मीडिया पर अपने आगामी प्रोजेक्ट का एक नया पोस्टर जारी करके विशेष अवसर का जश्न मनाया।अजित कुमार वर्तमान में कुछ चर्चित आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। इनमें विदामुयार्ची और अधिक रविचंद्रन की गुड बैड अग्ली शामिल हैं। जैसा कि पहले बताया गया था, स्टाइलिश स्टार गुड बैड अग्ली के लिए अपने सिग्नेचर ऑनस्क्रीन लुक और स्टाइल से ब्रेक लेने के लिए तैयार हैं, जिसे एक अनोखी एक्शन फिल्म माना जा रहा है। जैसे ही अजित कुमार ने फिल्म इंडस्ट्री में 32 साल पूरे किए, निर्देशक अधिक रविचंद्रन और टीम ने सोशल मीडिया पर अपने आगामी प्रोजेक्ट का एक नया पोस्टर जारी करके विशेष अवसर का जश्न मनाया।अजित कुमार के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर उत्साहित निर्देशक अधिक रविचंद्रन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 32 साल की यात्रा क्या है, जो दिन-प्रतिदिन हममें से लाखों लोगों को प्रेरित करती है, मेरे सर... लव यू माय सर। प्रोडक्शन बैनर मैत्री मूवी मेकर्स की टीम के सदस्यों ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, अजित कुमार के 32 साल। टीम गुड बैड अग्ली आपको और भी कई वर्षों की महिमा की शुभकामनाएं देती है।नए पोस्टर में अजित सॉल्ट एंड पेपर हेयरस्टाइल, स्टाइलिश धूप का चश्मा, सोने के आभूषण और कुछ दिलचस्प टैटू बनाए नजर आ रहे हैं, जो संकेत देता है कि फिल्म स्टार के प्रशंसकों के लिए एक अनोखा अनुभव होने वाली है। कथित तौर पर अजित कुमार गुड बैड अग्ली के लिए नयनतारा के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार हैं।

निकिता दत्ता ने खूबसूरत ऑरेंज रंग के लहंगे में चुरा ली सारी लाइमलाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस निकिता दत्ता आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक इंटरनेट का तापमान बढ़ा रहा है।बता दें कि एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ऑरेंज कलर का लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस निकिता दत्ता के चेहरे पर प्यारी सी स्माइल उनके इस लुक पर चार चांद लगा रही है। हालांकि फैंस की भी नजरें उनकी तस्वीरों से हटने का नाम नहीं ले रही है।

जन्नत जुबैर का हुआ मेकओवर, बदला बालों का रंग

सोशल मीडिया सनसनी और अभिनेत्री जन्नत जुबैर ने अपने बालों का रंग बदला है।जन्नत ने इंस्टाग्राम पर अपने नए बालों के रंग को दिखाते हुए और कल्कि फैशन लेबल की फ्लोर-स्वीपिंग ड्रेस पहने हुए कई तस्वीरें शेयर की।उन्होंने कैप्शन में लिखा, नए बाल, यह कौन है? वह वर्तमान में शो लाफ्टर शेफ फन लिमिटेड में नजर आ रही हैं, जहां वह कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, एली गोनी, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, अर्जुन बिजलानी, निया शर्मा, सुदेश लहरी जैसे नामों के साथ हैं। शो की होस्ट भारती सिंह हैं और जज शेफ हरपाल सिंह सोखी हैं।उन्होंने 2008 में चांद के पार चलो से अभिनय शुरू किया। इसके बाद उन्होंने काशी-अब ना रहे तेरा कागज कोरा, फुलवा, भारत का वीर पुत्र-महाराणा प्रताप और तू आशिकी जैसे शो में अभिनय किया। उन्हें स्टंट शो फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 12 में देखा गया, जहां वह चौथे स्थान पर रहीं।उन्होंने दिलराज ग्रेवाल के साथ कुलछे छोले से पंजाबी फिल्म में डेब्यू किया। अभिनेत्री को फोर्ब्स 30 अंडर 30 सूची में शामिल किया गया।इस महीने की शुरुआत में सीनियर एक्टर धर्मेंद्र ने उनकी पंजाबी व्यंजन की सराहना की।जन्नत अक्सर लाफ्टर शेफ के सेट से जुड़े मोमेंट्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं।

भीलवाड़ा में मंदिर के सामने गाय की कटी पूंछ फेंकने से तनाव

पुलिस ने आठ को हिरासत में लिया

भीलवाड़ा,26 अगस्त (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में रविवार को हनुमान मंदिर के बाहर गाय की कटी पूंछ मिलने की घटना ने शहर में तनाव के परिणामस्वरूप सोमवार को हिन्दू संगठनों की पुलिस प्रशासन के साथ वार्ता हुई। इस वार्ता में पुलिस ने आठ संदिग्धों को डिटेन करने की जानकारी दी। इस सूचना के बाद हिन्दू संगठनों ने अपना धरना समाप्त कर दिया, लेकिन शहर में स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजन दुष्यंत ने हिन्दू संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई वार्ता में बताया कि पुलिस ने मंदिर के आसपास के 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। इस जांच के आधार पर दो व्यक्तियों के संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के संकेत मिले हैं। कुल आठ लोगों को डिटेन किया गया है। एसपी ने यह भी आश्वासन दिया कि पुलिस इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं करेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वार्ता के दौरान कलेक्ट्रेट के बाहर हिन्दू संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हो गए और नारेबाजी करने लगे। इस दौरान, कुछ कार्यकर्ताओं ने गायत्री आश्रम और भवानी नगर के इलाकों में दुकानों को बंद कराने का प्रयास किया। वार्ता के समाप्त होने के बाद भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी और महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने एकत्र लोगों को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी से अवगत कराया। इसके बाद, गुस्साए युवा कार्यकर्ताओं ने बाजार बंद करवाने के लिए बस स्टैंड की ओर कूच किया पर पुलिस ने खदेड़ दिया।

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज और विधायक अशोक कोठारी का बयान

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने वार्ता के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हिन्दू समाज अब जागरूक हो गया है और वह ऐसे कृत्यों को सहन नहीं करेगा। उन्होंने मांग की कि दोषियों की पहचान के बाद उनके खिलाफ यूपी के बुलडोजर मॉडल की तर्ज पर कार्रवाई की जानी चाहिए। विधायक अशोक कोठारी ने भी शहर में शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन युवा कार्यकर्ताओं की भीड़ अविलंब कार्रवाई की मांग पर अड़ी रही। महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने पुलिस से आग्रह किया कि दोषियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने जैसी कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

महामंडलेश्वर हंसराम महाराज और विधायक अशोक कोठारी की अपील के बावजूद, कुछ कार्यकर्ताओं ने बाजार बंद कराने की कोशिश की। इस दौरान, कृषि मंडी के सामने पुलिस ने भीड़ को समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब वे नहीं माने, तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया। इसके बावजूद, भीड़ ने परशुराम सर्किल पर फिर से जुटने का प्रयास किया। इस दौरान, अजमेर रोड पर कुछ तोड़फोड़ की घटनाओं की भी खबरें आई हैं।

उल्लेखनीय है कि रविवार को बडला चैराहा से भवानी नगर के बीच स्थित वीर हनुमान मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गाय की कटी हुई पूंछ मिली और गाय भी लहूलुहान हालत में पाई गई। इस घटना ने स्थानीय लोग और हिन्दू संगठनों ने मौके पर पहुंचकर प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास में जुट गए।

पुलिस प्रशासन ने हिन्दू संगठनों को आश्वासन दिया है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और दोषियों को शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। एसपी राजन दुष्यंत ने कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की है और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस किसी भी स्थिति को संभालने के लिए पूरी तरह से तैयार है और शहर में शांति बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। इस घटना के बाद, भीलवाड़ा शहर में तनाव का माहौल है पर स्थिति नियंत्रण में है। जिला कलेक्टर नमित मेहता और पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने सभी पक्षों से शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

सीएम भजनलाल शर्मा पहुंचे महाकाल के दरबार

पत्नी संग किए बाबा के दर्शन

उज्जैन,26 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध महाकाल के दरबार में आज राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शीश नवाया। उन्होंने गर्भगृह से बाबा महाकाल का पूजन किया। उनके साथ उनकी पत्नी भी थीं। जानकारी के अनुसार सोमवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सपत्निक श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन-पूजन किए। पूजन पुजारी राजेश शर्मा व पुजारी आकश शर्मा द्वारा सम्पन्न करवाया गया।

उज्जैन नगर पालिक निगम अध्यक्ष कलावती यादव, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रशासक गणेश कुमार धाकड़ द्वारा द्वारा मुख्यमंत्री शर्मा का स्वागत व सम्मान किया गया। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास सावित्री ठाकुर, उज्जैन के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की धर्मपत्नी सीमा यादव आदि भी साथ मे उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री जाधव ने की भस्म आरती

भादो मास के पहले सोमवार को आज विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में होने वाली भस्म आरती में केंद्रीय मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव परिवार समेत शामिल हुए। उन्होंने बाबा महाकाल के दरबार पहुंचकर दर्शन किए और नंदी हॉल से भस्म आरती देखी। इसके बाद चांदी द्वार पर पहुंचकर बाबा महाकाल का पूजन अर्चन किया। इस दौरान उनकी पत्नी राजश्री जाधव और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

आठ साल के मासूम को लोहे के पाइप से पीटा, हालत गंभीर

बीकानेर,26 अगस्त (एजेंसियां)। बीकानेर जिले के देशनोक थाना क्षेत्र में 9 वर्षीय बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। गांव के ही कुछ लड़कों ने मासूम को लोहे के पाइप से पीटा और अधमरा छोड़कर वहां से भाग गए। मारपीट में शामिल सभी लड़के नाबालिग बताए जा रहे हैं।

घायल बच्चे को इलाज के लिए पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। पीड़ित और आरोपी दोनों ही एक ही गांव के निवासी हैं। पीड़ित के परिजनों ने आरोपियों पर यौन उत्पीड़न के भी आरोप लगाए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही देशनोक एसएचओ सुमन शेखावत अपनी टीम के साथ ट्रॉमा सेंटर पहुंचीं और पीड़ित बच्चे के बयान लेकर जांच शुरू की। एसएचओ सुमन शेखावत ने बताया कि बच्चे के साथ मारपीट की घटना सामने आई है। इस दौरान जब बच्चे ने विरोध किया तो उसके साथ लोहे के डंडे और कुल्हाड़ी से मारपीट की गई। परिजनों ने बच्चे के साथ यौन उत्पीड़न के भी आरोप लगाए हैं।

एसएचओ के अनुसार, पीड़ित बच्चे की उम्र महज नौ साल है और उसे घटना के बाद ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है। बच्चे को आंख, सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। नाबालिग के साथ हुई इस हैवानियत से परिजन सदमे में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अआर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक ख़ाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीज़ों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे, आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते-फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुज़ुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 27 अगस्त 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 01:35 तक
नक्षत्र : रोहिणी दोपहर 03:38 तक
योग : हर्षण रात्रि 08:30 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:54 तक
चन्द्रराशि : वृषभ उत्तर रात्रि 03:32 तक
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : नन्द महोत्सव , गोगानवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में बारिश का कहर, दक्षिणी और पूर्वी इलाकों में रेड अलर्ट

जयपुर,26 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है। मौसम विभाग की तरफ से प्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया था। सोमवार को यहां अत्यधिक तेज वर्षा हुई है। सबसे ज्यादा बारिश प्रतापगढ़ के पीपल खूंट में हुई। इसके अलावा बांसवाड़ा डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, पाली, भीलवाड़ा ओर अजमेर में भी जोरदार बारिश हो रही है। पीपलखूंट में 260 एमएम से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं, बांसवाड़ा में भी 190 एमएम से ज्यादा वर्षा हुई है। दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान से बना डीप डिप्रेशन का क्षेत्र दक्षिण राजस्थान की तरफ बढ़ गया है। इसके अलगे 2 से 3 दिनों में दक्षिण राजस्थान से गुजरात के कच्च-सौराष्ट्र के रास्ते आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है।

इस तंत्र के प्रभाव से आगामी 2 दिन प्रदेश के दक्षिणी पूर्वी भागों में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 28 अगस्त से राज्य में बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी आ सकती है। इसके चलते 28 अगस्त तक दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के कई इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।

कुरुक्षेत्र में नेशनल हाईवे पर भिड़े दो ट्रक,चालक की मौत

कुरुक्षेत्र,26 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र के शाहाबाद क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर गांव खानपुर जट्टान के पास दो ट्रकों की आपसी भिड़ंत में एक ट्रक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रक का चालक बीच में ही फंस गया और उसे चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद हाइड्रा मशीन से निकाला जा सका।

जानकारी के मुताबिक पंजाब के रोपड़ शहर जा रहे एक ट्रक का शाहबाद में नेशनल हाईवे के पास टायर फट गया था, जिसके बाद चालक ने उसको साइड में खड़ा कर दिया। रात करीब 12:30 बजे पानीपत निवासी पिंटू पानीपत से ट्रक में कंबल लोड कर लुधियाना की ओर जा रहा था। उसके ट्रक की सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे से आ रहे ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और चालक पिंटू ट्रक के केबिन में ही फंस गया।

राहगीरों ने हादसे की सूचना डायल-112 पर दी तो पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। तब तक हाईवे पर जाम लग चुका था। पुलिस ने यातायात सुचारू कराया तो वहीं करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बड़ी हाइड्रा मशीनों की मदद से केबिन काटकर पिंटू के शव को बाहर निकाला। ट्रक लेकर रोपड़ जा रहे कमलेश ने बताया कि उनके ट्रक का टायर फट गया था। इसके कारण उन्होंने इंडिकेटर ऑन कर ट्रक को साइड में खड़ा कर दिया था।उसके बाद रात करीब 12 से एक बजे के बीच ये हादसा हो गया।

झगड़े के बाद पति-पत्नी ने फांसी लगाकर दी जान

तीन साल पहले की थी लव मैरिज

करनाल,26 अगस्त (एजेंसियां)। घरौंडा थाना क्षेत्र के कोहंड गांव के अलीपुर रोड पर एक दंपति ने फंदे पर लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि रविवार देर रात पति-पत्नी के बीच फैक्टरी में काम करने वाले बबलू उर्फ मास्टर को लेकर झगड़ा हुआ था। तंग आकर पत्नी ने कमरे में जाकर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। उसके बाद पति भी घर से फरार हो गया और उसने घर से करीब 100 मीटर दूर अमरूद के पेड़ पर परने से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसका शव ग्रामीणों ने सोमवार सुबह पेड़ पर लटका हुआ देखा।

मृतक की शिनाख्त मध्यप्रदेश के सताना जिले के कचनार गांव निवासी अजय व राधा के रूप में हुई है। मृतक दंपति मां शकुंतला ने बताया कि करीब तीन साल पहले दोनों ने प्रेम विवाह किया था। दोनों कोहंड स्थित अलीपुर रोड पर कालीन फैक्टरी में काम करते थे। आरोप है कि अजय को फैक्टरी में काम करने वाले बबलू उर्फ मास्टर व अपनी पत्नी के बीच अवैध संबंध होने पर शक था। जिसके चलते रोजाना उनकी आपस में लड़ाई झगड़ा होता था लेकिन रविवार को झगड़ा आपस में ज्यादा बढ़ गया तो पत्नी राधा ने तंग आकर कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। वहीं अजय ने भी देर रात को ही घर से 100 मीटर पेड़ में परने से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसका शव सोमवार सुबह मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज करनाल के पोस्टमार्टम में रखवाया।

परिजनों ने बताया कि अजय व राधा का दो साल का बेटा है। उनके चले जाने के बाद उसके सिर से एक साथ मां व पिता का साया उठ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद से उनके बच्चे बहुत खुश थे लेकिन मास्टर के कारण उनमें लड़ाई झगड़े होने लगे थे। ऐसे में मास्टर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

नफे सिंह राठी के बेटे जितेंद्र राठी होंगे बहादुरगढ़ से इनेलो-बसपा गठबंधन उम्मीदवार

झज्जर/बहादुरगढ़,26 अगस्त (एजेंसियां)। इनेलो और बसपा गठबंधन के बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से स्व. नफे सिंह राठी के पुत्र जितेंद्र राठी उम्मीदवार होंगे। इसकी घोषणा रविवार को शहर के गौरैया पर्यटक केंद्र में आयोजित पत्रकारवार्ता में स्व. नफे सिंह राठी की पत्नी शीला राठी और परिवार के सदस्यों ने की।बता दें कि इनेलो की बैठक में प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने स्व. नफे सिंह राठी के परिवार को विधानसभा चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके बाद परिवार ने आपसी विचार विमर्श कर रविवार को जितेंद्र राठी के नाम की घोषणा की।प्रेसवार्ता के दौरान शीला नफे सिंह राठी ने कहा कि स्व. नफे सिंह राठी बहादुरगढ़ को विकास की गति प्रदान करना चाहते थे और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने बहादुरगढ़ में चहुंमुखी विकास कराया था, लेकिन भाजपा सरकार के दौरान कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट होने के कारण नफे सिंह राठी की सरेआम हत्या की दी गई।

6 माह बीत जाने के बाद भी हत्यारोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया। यहां तक कि साजिशकर्ता भी खुलेआम घूम रहे हैं। जितेंद्र राठी ने कहा कि पूरे हरियाणा में कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। आज बहादुरगढ़ हलका विकास के मामले में वर्षों पीछे चला गया है। इस मौके पर स्व. नफे सिंह राठी के भतीजे कपूर सिंह राठी, भूपेंद्र राठी, दीपक राठी मौजूद रहे।

नालंदा में उफनाई नदी : पुल क्षतिग्रस्त, डायवर्सन पर बह रहा पानी, जिला मुख्यालय से कई गांव का संपर्क टूटा

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा में बहने वाली गोइठवा की सहायक गोहिया नदी में पानी के बढ़ते जलस्तर ने बिंद प्रखंड के सीमावर्ती इलाका दुल्हपुर गांव के निवासियों के लिए एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। नदी पर बना चचरी पुल, जो बंदीचक गांव को जोड़ता था, अब पानी में डूब गया है और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। इसके कारण स्थानीय लोगों के दैनिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है।

स्थानीय निवासी धर्मेंद्र यादव ने बताया की हमारे गांव में लगभग 500 लोग रहते हैं, और यह पुल हमारे लिए जीवनरेखा की तरह था। अब हम अपने दैनिक कार्यों के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। चचरी पुल जो बांस से निर्मित था, विशेष रूप से बुजुर्गों और बच्चों के लिए महत्वपूर्ण था। पुल के क्षतिग्रस्त होने से, नदी पार करना अब एक जोखिम भरा काम बन गया है। फिर भी, कई ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर हैं। गांव से बाहर मुख्य सड़क तक जाने के लिए दो किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। जबकि चचरी पुल से महज 20 मीटर की दूरी ही तय करनी पड़ती है।

रघुनी महतो एवं एक अन्य स्थानीय निवासी ने बताया कि हमारा गांव पटना और नालंदा जिले की सीमा पर स्थित है। गोहिया नदी नालंदा में है, लेकिन हमें रोजमर्रा के कामों के लिए इसे पार करना पड़ता है। पानी का स्तर बढ़ने से हमारी परेशानियां और बढ़ गई हैं। खेतीबाड़ी का काम हो या बाजार जाना हो इसके लिए चचरी पुल ही सहारा है। ग्रामीणों ने एक स्थायी और सुरक्षित पुल के निर्माण की मांग की है। चंदीरक महतो ने कहा कि हम सरकार और स्थानीय प्रशासन से यह कहना चाहते हैं कि इस मुद्दे को गंभीरता से लें और जल्द से जल्द एक ठोस पुल का निर्माण करें।

इधर, थरथरी प्रखंड मुख्यालय के बगल से गुजरने वाली मुहाने नदी भी उफान पर है। जलस्तर में तेजी से इजाफा होने के कारण मुहाने नदी पर बना डायवर्जन डूब गया है। दो से ती फीट पानी का बहाव हो रहा है। इसके कारण हिलसा- नुरसराय मुख्य सड़क पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। हिलसा अनुमंडल के लोगों को जिला मुख्यालय से सीधा संपर्क टूट गया है। जिसके कारण हिलसा करायपरसुराय और थरथरी प्रखंड के लोगों को परवलपुर के रास्ते बिहारशरीफ आना पड़ रहा है। इसमें करीब 10 से 12 किलोमीटर की दूरी अधिक तय करनी पड़ रही है। मुहाने में आई पानी मे बच्चे खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि जिला प्रशासन द्वारा मजिस्ट्रेट नियुक्त करने की बात कही गई थी।

सीआरपीएफ जवान को सीवान में लोगों ने दी अंतिम विदाई

असम में ड्यूटी के दौरान गई थी जान

सीवान (एजेंसियां)।

सीआरपीएफ जवान की ड्यूटी के दौरान हुई मौत हो गई। रविवार देर रात जवान का पार्थिव शरीर उसके गांव पहुंचा। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सीवान जिले के दरौंदा थाना क्षेत्र के मडसरा गांव निवासी सीआरपीएफ जवान ईश्वरकांत तिवारी पिता जुगल किशोर तिवारी, जो असम में ड्यूटी पर तैनात थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तभी उनके पेट में अचानक तेज दर्द हुआ। इसके बाद से उनके सहयोगियों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई। घटना के बाद इसकी सूचना जैसे ही परिवार को मिली, परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। बता दें कि ईश्वर कांत तिवारी का पार्थिव शरीर उनके गांव पहुंचा और उन्हें सलामी के बाद अंतिम विदाई दी गई। जहां उन्हें सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। घटना के बाद से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। ईश्वरकांत तिवारी की एक डेढ़ साल की एक पुत्री भी है। वहीं, पत्नी और मां का रो-रो कर बुरा

हाल है।

सीवान सीआरपीएफ जवान ईश्वरकांत तिवारी अब इस दुनिया में नहीं रहे। ड्यूटी के दौरान पेट दर्द के कारण इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई है। इस हादसे ने परिजनों को झकझोर कर रख दिया। वहीं, दूसरी तरफ परिजनों ने बताया कि असम के जोरहाट में उनकी ड्यूटी थी और वह तीन दिन पहले ही गांव अपने परिवार से मिलने आए थे और घर में पूजा पाठ भी कराया था। 24 अगस्त को ईश्वरकांत तिवारी ने ड्यूटी ज्वॉइन की थी, जिसके बाद ऐसी घटना घटित हो गई।

तीन दिन से गायब युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब तीन दिन से गायब एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। घटना तुर्की थाना क्षेत्र के सकरी सरैया गांव की बताई जा रही है। इस मामले की जानकारी के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराए जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है, तुर्की थाना क्षेत्र में संदिग्ध स्थिति में लापता हुए एक युवक का शव मिला। उसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए डघचउक में भेज दिया है। मृतक की पहचान प्रिंस कुमार (26) बड़कुर्वा निवासी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक टेंट हाउस में काम करता था और और वह इसको

पार्ट टाइम के रूप में किया करता था। मृतक प्रिंस ग्रेजुएट था और खढख की पढ़ाई कर रखा था। अंतिम बार सीएम नीतीश के कार्यक्रम के दौरान में देखा गया था और उसी दिन से गायब था, जिसके बाद मृतक के परिजनों ने अनहोनी होने की भी संभावना जताई थी।

मामले में तुर्की थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। लेकिन उसका कोई भी अता पता नहीं चल पाया था। देर रात को उसका शव मिला है, जिसके बाद मौके पर पहुंचे युवक के परिजनों ने बताया कि प्रिंस को मारा गया है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर डघचउक मेडिकल कॉलेज में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि प्रिंस एक बेहतर लड़का था और अपने काम पर फोकस रखता था। यही नहीं पढ़ाई लिखाई करने के बाद वह पार्ट टाइम में टेंट लगाने का काम किया करता था और आज उसका शव मिला है। पुलिस इस मामले में जांच कर कार्रवाई करे।

पूरे मामले में तुर्की थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि एक युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक थाना क्षेत्र के बड़कुर्वा का रहने वाला था। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराए जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। मामले की जांच किया जा रहा है। तीन दिन से लड़का गायब था और आज शव मिला है। हत्या और आत्महत्या के बिंदु पर जांच किया जा रहा है। परिजनों से इस मामले में जानकारी लिया जा रहा है।

सीएम नीतीश के विधायक गोपाल मंडल के बिगड़े बोल

अपनी ही पार्टी के दो दिग्गजों को कहा काला और गोरा नाग

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। उनके ही विधायक ने उनके सांसद और वरीय नेता को गोली दे रहे हैं। उनपर आपत्तिजनक टिप्पणी करते दिखे। अब सोशल मीडिया पर वीडियो खूब वायरल हो रहा है। मामला भागलपुर का है। टिप्पणी करने वाले विधायक गोपाल मंडल हैं। उन्होंने जदयू सांसद अजय मंडल को काला और अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल को गोरा नाग कह दिया। इतना ही नही बुलो मंडल को गाली तक दे दिया। साथ ही जदयू के कार्यकर्ताओं और जनता को उन्होंने इन दोनों बचकर रहने की नसीहत भी दे दी। कहा कि आप

लोगों ने वोट दिया है। इनसे कोई उम्मीद मत रखिएगा। इसलिए मैं आगाह करता हूं।

दरअसल, रविवार को बिहपुर विधानसभा में एनडीए के कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। विधायक गोपाल मंडल भी इसमें शामिल हुए थे। इसके बाद अपने संबोधन के दौरान विधायक ने कहा कि अजय मंडल काला नाग है। और, बुलो मंडल गोरा कोबरा। आप इनसे बचकर रहिए और गोपाल मंडल से ही अपनी सारी उम्मीदें रखिए। गोपाल मंडल यहीं नहीं रुके कहा कि जब बुलो मंडल पर दुश्मन गोली चलाता था तो वह कभी मेरा तो कभी मेरी पत्नी का पैर पकड़ता था। हमलावर भी पचास हजार का इनामी था। इसलिए हमने उसको मरवा दिया और एनकाउंटर लिखवा दिया। लेकिन, उसने (बुलो मंडल) आज तक मेरे लिए कुछ भी नहीं किया। जब मेरी तबीयत खराब रहती थी तो बिहार सरकार के काम का भी वह ही शिलान्यास कर देता था।

गोपाल मंडल ने कहा कि हम फाइटर आदमी हैं। गलत आदमी पकड़ा जाए तो सिर को धर से अलग कर देंगे।

इतना ही नहीं गोपाल मंडल ने अपनी पार्टी के मुखिया सीएम नीतीश कुमार ने फैसले पर भी सवाल उठाया। पूछा कि बुलो मंडल को अति पिछड़ा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की क्या जरूरत थी। वह अब वो तीसमार खां बनने लगा। राजद भगा दिया तो वह जदयू में आ गया। गोपालमंडल ने अजय मंडल पर वसूली का आरोप लगाया।

सड़क पर पानी गिराने से भड़के पड़ोसी पीट-पीट कर शख्स की ले ली जान

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां पर सड़क पर पानी गिराने के विवाद को लेकर एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है। घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैला हुआ है। वहीं, मामले की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची हुई पुलिस जांच में जुटी है।

घटना जिले के बरूराज थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। जहां पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक सड़क पर पानी गिरने के विवाद को लेकर गांव के कुछ आरोपितों के द्वारा अपने ही पड़ोस के एक व्यक्ति की जमकर पिटाई कर दी गई, जिसमें घायल शख्स की मौत हो गई। ग्रामीण का विरोध और आक्रोश को देख मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, मृतक के डेड बॉडी को कब्जे में लेकर के पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना में परिजन ने आरोपियों के खिलाफ पीट- पीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है।

घटना जिले के बरुराज थाना क्षेत्र के करबाला गांव का देर रात का बताया गया है। बताया जा रहा है एक पगडंडी सड़क पर एक बच्चे द्वारा पानी गिरा दिया गया था, जिसके बाद बढ़ी कहासुनी और विवाद को लेकर बच्चे के घर के लाल बहादुर महतो बीच बचाव करने के लिए आए, जिसके बाद हुई मारपीट में करबला निवासी 52 वर्षीय लाल बहादुर महतो की पिटाई कर दी गई।

इस दौरान दरवाजे पर चढ़कर गाली-गलौज किया गया था, जिसके बाद पिटाई से गंभीर रूप में जख्मी की मौत हो गई है।वहीं, इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और परिजन में चीख-पुकार मच गई है।

मामले की सूचना के बाद मौके पर पहुंची बरूराज थाना पुलिस जांच में जुटी हुई है। बरुराज थाना प्रभारी संजीव कुमार दुबे ने कहा कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। एक रास्ते पर पानी गिराने के विवाद को लेकर उस घटना को अंजाम दिया गया है। इसके एक शख्स की मौत हो गई है। हत्या करने का परिजन ने आरोप लगाया है और फ़िलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर आगे की कारवाई कर रही है। इस मामले में पुलिस पीड़ित परिवार से बयान लिया जा रहा है।

गंडक नदी में परिवार के चार लोग डूबे, श्राद्ध कर्म के बाद नहाने गए थे, अचानक लापता हुए

सर्च ऑपरेशन जारी

पटना (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के बखरी गांव के समीप गंडक नदी में स्नान करने गए एक ही परिवार के चार लोग डूब गए। चारों अभी भी लापता हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने डूब रहे चारों को बचाने का काफी प्रयास किया लेकिन, चारों नदी की तेज धारा में बह गए। हादसा उस वक्त हुआ जब श्राद्ध के दशकर्म संस्कार के बाद सभी लोग नदी में स्नान कर रहे थे। घटना बखरी गांव के पास स्थित

मुंजा बोल्डर घाट की है।

बताया जा रहा है कि परिवार की एक व्यक्ति की 10 दिन पहले मौत हो गयी थी और आज परिवार उसके श्राद्ध का दशकर्म के बाद गंडक नदी के घाट पहुंचे थे। लापता लोगों की पहचान बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के यादवपुर मटियारी गांव निवासी सतन राय के 18 वर्षीय पुत्र सुजीत कुमार एवं 14 वर्षीय पुत्र सुमित कुमार, शिक्षक नवलकिशोर राय के 19 वर्षीय पुत्र निखिल कुमार और श्रीलाल यादव के 18 वर्षीय पुत्र संजीव कुमार के रूप में की गई है। शिक्षक नवल किशोर राय के घर दशकर्म संस्कार था। दशकर्म संस्कार के बाद सभी लोग नदी में स्नान कर रहे थे। नदी में डूबते एक शख्स को बचाने के दौरान एक के बाद एक कर चार लोग डूब गये। इस हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बैकुंठपुर थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह गोताखोरों एवं एसडीआरएफ की टीम के साथ पहुंच गये हैं। फिलहाल चारों लोगों का नदी में खोजबीन जारी है।

जानकारी के अनुसार बखरी गांव के समीप यादवपुर मटियारी निवासी शिक्षक नवलकिशोर राय के घर सोमवार को दशकर्म था। इसी में शामिल होने के लिए चारों युवक बगीचे में पहुंचे थे। मुंडन कराने के बाद नहाने के लिए नदी में उतरे इसी बीच एक-एक कर नदी में डूबते गए। डूबने वालों में दो सगे भाई सुजीत और सुमित भी शामिल हैं जो सतन राय के पुत्र हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

पश्चिम चंपारण (एजेंसियां)।

बेतिया में ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। घटना शिकारपुर थाना क्षेत्र के सलेमपुर वार्ड नंबर 11 की है। मृतका की पहचान सुदर्शन रावत की पत्नी अनीता देवी के रूप में हुई है। घटना की सूचना अगल-बगल के गांवों मे आग की तरह फैल गई। घटना स्थल पर सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जीएमसीएच बेतिया भेज दिया है। मृतका के पति सुदर्शन राउत ने बताया कि रविवार रात अनीता शौच के लिए घर के पीछे रेलवे लाइन की तरफ गई हुई थी। इस दौरान किसी अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। सुबह स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक पर उसे देख घटना की जानकारी दी। मेरी पत्नी की दिमागी संतुलन कुछ दिनों से ठीक नहीं थी।

इधर, प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष डॉ. सपना रानी ने बताया कि मृतका के शव की पहचान कर ली गई है। पुलिस मामले में परिजनों के आवेदन पर यूडी केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि अनीता के तीन छोटे-छोटे बेटे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com